पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा पर दायर की जनहित याचिका
- 10

अश्लील और गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें वर्ना भुगतने पड़ेंगे नतीजे
- 10

परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर ईरान पर हमला करेगा अमेरिका
- 11

विश्व ब्लिट्ज : अर्जुन एरिगैसी से हार के बाद कार्लसन ने आपा खो दिया
- 12

आज का मौसम
18.0⁰ अधिकतम तापमान
08.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.04
सूर्यास्त 05.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी 01:48 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 31 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 37, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

मिशन शक्ति केंद्रों को मिलेंगे वाहन-मोबाइल

नववर्ष में 67 करोड़ से खरीदी जाएगी स्कूटी और मोबाइल हैंडसेट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान के तहत स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने की तैयारी है। मिशन शक्ति 5.0 के तहत प्रदेश भर में स्थापित 1600 मिशन शक्ति केंद्रों को अगले वर्ष अत्याधुनिक संसाधनों से लैस किया जाएगा, जिससे महिला अपराधों की रोकथाम और पीड़ित महिलाओं को त्वरित सहायता सुनिश्चित की जा सके। सरकार की योजना के अनुसार वर्ष 2026 में मिशन शक्ति केंद्रों को दो पहिया वाहन और मोबाइल हैंडसेट उपलब्ध कराए जाएंगे।

महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की नोडल अधिकारी एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत प्रदेश भर में 1600 मिशन शक्ति केंद्र/ थानों की स्थापना की गई थी। वहीं अब मिशन शक्ति केंद्र को और अधिक सशक्त करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मिशन शक्ति केंद्र पर 4 स्कूटी और एक-एक मोबाइल हैंडसेट की आवश्यकता सामने आ रही है।

- **मिशन शक्ति केंद्रों को और सशक्त करेगी सरकार, महिला सुरक्षा को मिलेगा बल**
- **मिशन शक्ति 5.0 के तहत प्रदेश भर में 1600 मिशन शक्ति केंद्र हैं स्थापित**
- **6400 नई स्कूटी और 1600 मोबाइल हैंडसेट खरीदने पर किया जा रहा विचार**

आपात स्थिति में मौके पर पहुंच सकेंगी

दो पहिया वाहन मिलने से मिशन शक्ति की महिला कर्मी और पुलिस टीम किसी भी आपात स्थिति में तेजी से मौके पर पहुंच सकेंगी। वहीं, मोबाइल हैंडसेट से रियल टाइम मॉनिटरिंग, शिकायत दर्ज करना और उच्च अधिकारियों से समन्वय और बेहतर होगा।

नए संसाधन से केंद्र की बढ़ेगी कार्यक्षमता

मिशन शक्ति केंद्रों को मिलने वाले नए संसाधन महिला अपराध की रोकथाम में मील का पत्थर साबित होंगे। इससे न सिर्फ पुलिस और प्रशासन की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि आम महिलाओं में सुरक्षा का भरोसा भी मजबूत होगा।

ऐसे में मिशन शक्ति केंद्र के लिए कुल 6,400 नई स्कूटी और 1,600 मोबाइल हैंडसेट खरीदने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए जल्द ही सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा। इन संसाधनों में करीब 67 करोड़ रुपये खर्च आएगा। उन्होंने बताया कि सरकार से हरी झंडी मिलने और बजट आवंटित होने के बाद अगले वर्ष इन संसाधनों की खरीद की जाएगी। इन संसाधनों के माध्यम से मिशन शक्ति की टीमों की पहुंच गांव-गांव और मोहल्लों तक और मजबूत होगी, जिससे महिलाओं की शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई संभव हो सकेगी।

एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मिशन शक्ति केंद्र महिलाओं के लिए न केवल सहायता और परामर्श का केंद्र हैं, बल्कि ये उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से महिला हेल्पलाइन, काउंसलिंग, कानूनी सहायता, मेडिकल सपोर्ट और पुनर्वास जैसी सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही हैं।

अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण आज

अमृत विचार, अयोध्या: राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दूसरी वर्षगांठ पर पहली बार धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अयोध्या पहुंच रहे है। उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद होंगे।

राम जन्मभूमि परिसर में चल रहे अनुष्ठान के अंतिम दिन 31 दिसंबर को रक्षा मंत्री सुबह 11.30 मिनट पर मंदिर परिसर पहुंचेंगे। रामलला के दर्शन करने के बाद अनुष्ठान में शामिल होंगे। जिसके बाद परकोटा के उत्तरी भुज पर स्थित मां अन्नपूर्णा देवी मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे। लगभग दो बजे अंगद टीला पर बने विशाल पंडाल में सीएम योगी आदित्यनाथ और राजनाथ सिंह अयोध्यावासियों को संबोधित करेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने बताया कि प्रतिष्ठा द्वादशी भगवान के पाटोत्सव का दूसरा वर्ष है।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गन्तव्य स्थल बनेगी राजधानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: आगरा और काशी की तरह लखनऊ को भी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गन्तव्य के रूप में ख्याति दिलाने के लिए परियोजना तैयार के निर्देश अधिकारियों दिये गए हैं। आगरा और काशी में पहले से ही देशी-विदेशी पर्यटकों का आवागमन होता रहता है, इसी तर्ज पर लखनऊ को भी पर्यटन का हब बनाने की तैयारी है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, राजधानी में शहीद पथ के निकट संस्कृति मुख्यालय की स्थापना की जायेगी। इस संस्कृति भवन में संस्कृति विभाग के अधीन आने वाली निदेशालयों के कार्यालयों को शिफ्ट किया जायेगा। उन्होंने संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि की व्यवस्था के लिए प्रक्रिया शुरू करें। उन्होंने कहा कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के नए परिसर को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा। इसके अलावा राजधानी में पर्यटन एवं संस्कृति पार्क विकसित किया जाएगा। इस पार्क में पर्यटन और संस्कृति से जुड़ी वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इसकी शुरूआत 17 नगर निगमों के अधीन आने वाले पार्कों से होगी।

- **शहीद पथ के करीब बनेगा नया संस्कृति भवन**
- **पर्यटकों के लिए 1090 चौराहे से रेजीडेंसी तक डबलडेकर बस संचालित होगी**

मंत्री ने बताया कि, लखनऊ भ्रमण करने वाले लोगों को किफायती रेट पर टिकट प्रदान किया जायेगा। इस बस का शुभारंभ पर्यटन मंत्री 06 जनवरी को 1090 चौराहे से हरी झंडी दिखाकर करेंगे। लखनऊ दर्शन का उद्देश्य पर्यटकों तथा श्रद्धालुओं को आकर्षित करके लखनऊ को एक नये डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना है।

पर्यटन मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि अधिकारियों को फाइलें विलंब करने की पुनरावृत्ति छोड़नी पड़ेगी। उन्होंने संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित धनराशि के सापेक्ष व्यय की अद्यतन स्थिति की बिन्दुवार समीक्षा की।

उन्होंने हरदोई, एटा, अलीगढ़, चित्रकूट, पीलीभीत, फिरोजाबाद, मैनपुरी आदि के रामलीला मैदानों के सौन्दर्यीकरण आदि की समीक्षा की। इसके अलावा रायबरेली, बदायू, कन्नौज, चित्रकूट, लखनऊ में निर्माणाधीन सांस्कृतिक केन्द्रों की समीक्षा की।

मथुरा में विरोध के बाद सनी लियोनी का शो रद्द

मथुरा, एजेंसी

जिले में नए साल के मौके पर 31 दिसंबर को होने वाला बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी का शो रद्द कर दिया गया है। साधु-संतों और धार्मिक संगठनों ने इस कार्यक्रम पर कड़ा विरोध जताया था।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास ने सनी लियोनी का कार्यक्रम रद्द करने की मांग की थी। यह कार्यक्रम जैसे ही घोषित हुआ, वैसे ही विवादों में आ गया। कई धार्मिक नेताओं और संगठनों ने इसका विरोध किया और आपत्ति जताई। साधु-संतों का कहना था कि मथुरा की धार्मिक और सांस्कृतिक पवित्रता बनाए रखना ज़रूरी है, इसलिए ऐसे आयोजनों से बचना चाहिए।

- **धार्मिक नेताओं और संगठनों ने जताई थी आपत्ति**

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले के मुख्य याचिकाकर्ता और धार्मिक नेता दिनेश फलहारी धर्माचार्य ने कहा कि यह विरोध मथुरा के आध्यात्मिक महत्व को देखते हुए किया गया था। उन्होंने ब्रज भूमि को भगवान कृष्ण और तपस्या की पवित्र धरती बताते हुए कहा कि वहां इस तरह के कार्यक्रम नहीं होने चाहिए।

किसान की गोली मारकर हत्या

फिरोजाबाद, एजेंसी: जिले के नसीरपुर क्षेत्र में जमीन के विवाद को लेकर एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सिरसागंज) अन्वेष कुमार ने मंगलवार को बताया कि नसीरपुर के क्षेत्र नंदराम की मढैया निवासी 45 वर्षीय सत्यभान का अपने ही गांव में रहने वाले सूरतराम से पांच बीघा जमीन को लेकर विवाद था। लगभग छह माह पहले विवादित जमीन का निर्णय सत्यभान के पक्ष में आया था।

चार श्रम कानूनों से मिला मजबूत सुरक्षा कवच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

अमृत विचार : वर्ष 2025 उत्तर प्रदेश के श्रम विभाग और श्रमिक कल्याण के दृष्टिकोण से एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी वर्ष रहा। श्रम एवं सेवायोजन विभाग ने न केवल श्रमिकों के हितों की रक्षा को नई दिशा दी, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 2025 इसलिए भी खास रहा क्योंकि इसी वर्ष भारत सरकार द्वारा चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया गया, जिन्हें श्रमिक हितों की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है।

सरकार की नीतियों और सुधारों का प्रत्यक्ष परिणाम यह रहा कि प्रदेश में लगातार बड़ी संख्या में नये कारखानों की स्थापना और पंजीकरण हुआ। बीते आठ वर्षों की तुलना में 2025 तक कारखानों का पंजीकरण दोगुने से भी अधिक हो गया, जिससे रोजगार के नये अवसर सृजित हुए और औद्योगिक वातावरण मजबूत हुआ। विशेष रूप से महिला कर्मकारों के लिए वर्ष 2025 ने नए अवसरों के द्वार खोले और उन्हें अधिक सुरक्षित व सशक्त कार्यपरिस्थितियां उपलब्ध कराईं।

श्रम अधिनियमों के अंतर्गत लंबित वादों की सुनवाई को सरल, पारदर्शी और त्वरित बनाने के लिए श्रम विभाग ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया। 26 अगस्त 2025 को श्रम न्याय सेतु, लेबर ई कोर्ट प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया था। यह पोर्टल न केवल पेपरलेस गवर्नेंस का उदाहरण बना, बल्कि इसे 19वें नेशनल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन अवार्ड्स 2025 में पेपरलेस गवर्नेंस चैंपियन श्रेणी में सम्मानित भी किया गया। प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का गठन किया गया।

इसके अंतर्गत घरेलू ही नहीं बल्कि विदेशी रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा दिया गया। रोजगार संगम पोर्टल से पंजीकृत 5 रिक्रूटमेंट एजेंसियों को जोड़ा गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट को नई गति मिली। रोजगार महाकुंभ का आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया गया, जहां 16,000 से अधिक युवाओं का चयन और प्लेसमेंट हुआ।

श्रमिकों के हाथ मजबूत

- **प्रदेश में श्रमिक कल्याण, रोजगार व औद्योगिक विस्तार का गोल्डन-ईयर साबित हुआ बीता वर्ष**
- **आठ वर्षों में दोगुने से अधिक नए कारखाने रजिस्टर्ड**
- **रोजगार महाकुंभ में 16 हजार से अधिक को मिली नौकरी**

कर्मचारी राज्य बीमा योजना में नवाचार

- बीमित श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरोग्य मंथन कार्यक्रम का आयोजन 11 दिसंबर को कानपुर में किया गया। इस अवसर पर क्यूआर कोड इनेबिल्ड 'माइक्रोसॉफ्ट आरोग्य शक्ति अभियान का शुभारंभ, आरोग्य संकल्प पत्र का विमोचन और एएए एप की शुरुआत की गई। एप के माध्यम से अब श्रमिक घर बैठे अपॉइंटमेंट, दवाओं की डिलीवरी और सभी मेडिकल टेस्ट रिकॉर्ड डिजिटल रूप से प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, चेन्नई, हैदराबाद और फरीदाबाद के ईएसआईसी प्रीमियर संस्थानों की बेस्ट प्रैक्टिस को उत्तर प्रदेश में लागू करने की पहल भी की गई।

श्रमिकों के लिए नई पहल

- निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए बोर्ड द्वारा कई नवाचार किए गए। इसके तहत, 23 दिसंबर 2025 को ऑनसाइट नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण हेतु मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ किया गया। पहले चरण में 10,000 श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के 18 जनपदों में संचालित अटल आवासीय विद्यालयों की निगरानी को 360 डिग्री लाइव मॉनिटरिंग कमांड सेंटर की स्थापना की गई।

पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा पर दायर की जनहित याचिका - 10

अश्लील और गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें वर्ना भुगतने पड़ेंगे नतीजे - 10

परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर ईरान पर हमला करेगा अमेरिका - 11

विश्व ब्लिट्ज: अर्जुन एरिगैसी से हार के बाद कार्लसन ने आपा खो दिया - 12

आज का मौसम
18.0° अधिकतम तापमान
08.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.04
सूर्यास्त 05.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, अयोध्या, हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी 01:48 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 31 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 37, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

पहाड़ों पर सैलानी

शिमला : नए साल का जश्न मनाने के लिए हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थल सैलानियों से पैक हो गए हैं। शिमला में कड़ाके की ठंड के बाद भी मंगलवार की शाम को रिज में अच्छी चहल-पहल देखी गई। ● एजेंसी

भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जापान हमसे पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी

● टैरिफ वार के बीच पकड़ी रॉकेट सी रफ्तार, 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़ तीसरे स्थान पर होंगे हम

भारत 4,180 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और 2030 तक जर्मनी को पीछे करके तीसरे स्थान पर पहुंचने की स्थिति में है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। भारत लगातार मजबूत वृद्धि आंकड़ों के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था भी बना हुआ है।

वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही। यह आंकड़ा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत और पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के 7.4 प्रतिशत से अधिक है। भारत ने 4,180 अरब अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन के साथ जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया और अनुमान है कि 2030 तक 7,300 अरब अमेरिकी डॉलर की जीडीपी के साथ जर्मनी को तीसरे स्थान से हटाने की स्थिति में है।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका है, जबकि चीन दूसरे स्थान पर है। बयान में कहा गया कि 2025-26 की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि छह तिमाहियों के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो वैश्विक व्यापार में बनी अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की मजबूती को दर्शाती है। मजबूत निजी उपभोग जैसे घरेलू कारकों ने इस विस्तार को सहारा देने में प्रमुख भूमिका निभाई। बयान में विभिन्न संस्थानों के अनुमानों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की है।

विश्व बैंक ने 2026 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। वहीं मूडीज का अनुमान है कि भारत 2026 में 6.4 प्रतिशत और 2027 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने 2025 के लिए अपने अनुमान को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.2 प्रतिशत कर दिया है।

आईएमएफ का अनुमान

आईएमएफ के साल 2026 के अनुमानों के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 4.51 ट्रिलियन डॉलर की होगी। यह जापान के अनुमानित 4.46 ट्रिलियन डॉलर से थोड़ा अधिक है। सरकार का यह आशावादी दृष्टिकोण ऐसे समय में आया है जब अगस्त में अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ के कारण अर्थव्यवस्था को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ये टैरिफ भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद से जुड़े थे।

ब्रीफ न्यूज

14 जनवरी से रेलवन एप से अनारक्षित टिकटों की खरीद पर 3% छूट

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय 14 जनवरी से 14 जुलाई 2026 तक रेलवन एप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की खरीद और किसी भी डिजिटल माध्यम से भुगतान पर तीन प्रतिशत की छूट प्रदान करेगा। फिलहाल, यह एप पर आर-वॉलेट भुगतान के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर तीन प्रतिशत कैशबैक प्रदान करता है। इस संबंध में रेल मंत्रालय की ओर से रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) को सॉफ्टवेयर प्रणाली में आवश्यक बदलाव करने के लिए पत्र भेजा गया। पत्र में कहा गया, डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, रेलवन एप पर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकट की बुकिंग पर तीन प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

नक्सलियों को विस्फोटक आपूर्ति में पांच पर आरोपपत्र

नई दिल्ली। एनआईए ने छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के लिए विस्फोटकों की खरीद और आपूर्ति से जुड़े साल 2024 के एक मामले में चार भगोड़ों समेत पांच आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को आरोपपत्र दायर किया। गिरफ्तार आरोपी मनीष सोढ़ी और चारों फरार अभियुक्त सोढ़ी केसा, मनीला, मडकम केसा व सोढ़ी लखमा छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के निवासी हैं।

भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस में सवार, युवा आबादी इसका मुख्य इंजन : मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा- सुधारों के बाद हमारी तरफ उम्मीद एवं भरोसे से देख रही है दुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ाने वाले अगली पीढ़ी के सुधारों के माध्यम से प्रगति की रफ्तार को जिस गति से बढ़ाया है, उसकी तारीफ दुनिया कर रही है। कहा कि भारत सुधारों पर केंद्रित 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' में सवार हो चुका है जिसका मुख्य इंजन देश की युवा आबादी और नागरिकों का अटूट संकल्प है। प्रधानमंत्री ने पेशेवर सोशल नेटवर्किंग मंच 'लिंक्डइन' पर अपनी एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत अपने लोगों के नवोन्मेषी उत्साह के कारण वैश्विक ध्यान का केंद्र बन गया है और अब दुनिया भारत को उम्मीद और भरोसे के साथ देख रही है।

मोदी ने कहा, भारत के लिए 2025 एक ऐसा साल होगा जिसे हमने पिछले 11 वर्षों में तैयार जमीन पर सुधारों को एक सतत राष्ट्रीय मिशन के रूप में आगे बढ़ाने के लिए याद किया जाएगा। हमने संस्थाओं को आधुनिक बनाया, शासन को सरल किया और दीर्घकालीन समावेशी वृद्धि के लिए बुनियाद को मजबूत किया। प्रधानमंत्री ने जीएसटी, भारतीय बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति, श्रम कानूनों में सुधार और ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसी कुछ प्रमुख पहलों का उदाहरण भी दिया। उन्होंने जीएसटी में पांच और 18 प्रतिशत का दो-स्तरीय कर ढांचा लागू किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे घरों, एमएसएमई, किसानों और श्रम-गहन क्षेत्रों पर बोझ कम हुआ है। इसका मकसद विवादों में कमी लाना और अनुपालन को बेहतर करना है। इस सुधार से उपभोक्ता धारणा और मांग में वृद्धि हुई है।

त्योहारी मौसम में बिक्री में भी वृद्धि देखी गई। मोदी ने इस पोस्ट में मध्यम वर्ग को दी गई अप्रत्याशित राहत का जिक्र करते हुए कहा कि सालाना 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को अब आयकर नहीं देना है।

इसके अलावा 1961 के पुराने आयकर अधिनियम को बदलते हुए आधुनिक और सरल आयकर अधिनियम, 2025 लागू किया गया है। भारतीय बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने से बीमा दायरा बढ़ेगा, प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा और नागरिकों को बेहतर विकल्प एवं सेवाएं मिलेंगी। संसद के मानसून सत्र में एक ही बार पांच समुद्री कानून पारित किए गए। मोदी ने चार आधुनिक श्रम संहिताएं लागू किए जाने का जिक्र किया जो मजदूरों के हित सुरक्षित करने के साथ कारोबारी परिवेश को भी मजबूत करता है। इसके अलावा यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ एफटीए भी का भी जिक्र किया।

दीर्घकालिक वृद्धि के लिए मिशन रूप में सुधारों की जरूरत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों में मिशन रूप में सुधार किए जाने की जरूरत पर जोर दिया ताकि दीर्घकालीन आर्थिक वृद्धि को सुनिश्चित किया जा सके। प्रधानमंत्री ने वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट की तैयारियों के संदर्भ में नीति आयोग में जाने-माने अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत में यह बात कही। इस संवाद का विषय 'आत्मनिर्भरता एवं संरचनात्मक रूपांतरण, विकसित भारत के लिए एजेंडा' था। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया और बजट निर्धारण में 2047 के लिए संकल्प को केंद्रीय रूप से रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को वैश्विक श्रम शक्ति और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाए रखना जरूरी है। मोदी ने विकसित भारत के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प अब सरकारी नीतियों से इतर आमजन आकांक्षा बन चुका है। इस चर्चा में कई प्रमुख अर्थशास्त्रियों एवं विशेषज्ञों ने शिरकत की। इनमें शंकर आचार्य, अशोक के भट्टाचार्य, एन. आर. भानुमूर्ति, अमिता बत्रा, जन्मेजय सिन्हा, अमित चंद्रा, रजनी सिन्हा, बसंत प्रधान, मदन सबनवीस, आशिमा गोयल, धर्मकीर्ति जोशी, उमाकांत दास, पिनाकी चक्रवर्ती, इंद्रनील सेन गुप्ता, समीरन चक्रवर्ती, अभिमान दास, राहुल बाजोरिया, मोनिका हलन और सिद्धार्थ सन्याल शामिल थे।

उत्तर प्रदेश में फिर बढ़ी एसआईआर की समय सीमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन अब 6 जनवरी, 2026 को
● ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 6 मार्च को की जाएगी जारी

अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की समय-सीमा में पुनः संशोधन किया है। इसके अनुसार एक जनवरी, 2026 के आधार पर तैयार की जा रही मतदाता सूची के लिए अब नई तारीख घोषित की गई हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि तारीख में हुए इस बदलाव का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाना होगा।

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, अब ड्राफ्ट वोटर लिस्ट छह जनवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद मतदाता अपने नाम, पते और अन्य विवरणों की जांच कर सकेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि एक जनवरी के आधार पर राज्य में चल रहे एसआईआर कार्यक्रम की घोषित तारीखों में संशोधन करते हुए नई तिथियां जारी कर दी गई है। संशोधित तारीखों के अनुसार, अब मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन छह जनवरी, 2026 को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि छह जनवरी से छह फरवरी, 2026 तक निर्धारित की गई है।

छह जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन छह मार्च, 2026 को किया जाएगा।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का निधन

ढाका, एजेंसी

● प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्त किया शोक कहा- भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को याद रखा जाएगा
● तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी थीं खालिदा जिया, आज किया जाएगा अंतिम संस्कार

बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा जिया का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। जिया ने देश में उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की पुनर्स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और दशकों तक देश की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखा था। जिया के बड़े बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारीक रहमान ने कहा, मेरी मां अब हमारे बीच नहीं रहीं। जिया बीएनपी की अध्यक्ष थीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जिया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पड़ोसी देश के विकास और भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। जिया के निजी चिकित्सक डॉ. एजेडएम जाहिद हुसैन ने बताया कि ढाका के 'एवरकेयर' अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली। जिया तीन बार प्रधानमंत्री और बीएनपी की अध्यक्ष भी रह चुकी थीं। जिया के जनाजे की नमाज बुधवार को संसद परिसर के सामने ढाका मानिक मियां एवेन्यू में होने की उम्मीद है। जिया गुर्दे और हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह के साथ अन्य संक्रमणों से जूझ रहीं थीं। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने अपने शोक संदेश में जिया के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि देश ने न केवल एक महान राजनेता को खोया है।

अंतिम संस्कार में शामिल होंगे जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बुधवार को बांग्लादेश जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जयशंकर अंतिम संस्कार में शामिल होंगे और भारत तथा भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनों देशों के बीच हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए डॉ. जयशंकर के बेगम जिया के अंतिम संस्कार में भाग लेने को महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

बदायूं में रिश्वत लेते पकड़ा गया लेखपाल

बदायूं। एंटी करप्शन की टीम ने लेखपाल को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोच लिया। लेखपाल ने वारिसान दर्ज कराने के लिए रुपयों की मांग की थी। सिविल लाइन कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराकर टीम उसे अपने साथ बरेली ले गई।

आरोपी महेंद्र सिंह

● वारिसान दर्ज कराने के लिए मांगे थे 10 हजार रुपये
● पीड़ित ने बरेली में एंटी करप्शन से की थी शिकायत

कोतवाली उझानी क्षेत्र के गांव गडोरा निवासी दुर्गेश कुमार ने बरेली में एंटी करप्शन टीम से शिकायत की थी। बताया कि उनके पिता की मौत हो चुकी है। पिता की पैतृक संपत्ति में वारिसान दर्ज कराना था। उन्होंने तहसील सदर में आवेदन किया था, लेकिन राजस्व लेखपाल महेंद्र सिंह पैतृक संपत्ति के प्रपत्रों में वारिसान दर्ज करने के एवज में 10 हजार रुपये की मांग कर रहे थे। रुपये न देने पर काम न करने की धमकी दी थी। ट्रैप टीम प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सान्याल ने उनकी बात सुनकर मंगलवार को जाल बिछाया। दुर्गेश कुमार को 10 हजार रुपये लेकर तहसील में लेखपाल के पास भेजा। लेखपाल ने रुपये लेकर अपनी जेब में रखे वैसे ही एंटी करप्शन टीम के लेखपाल को रंगे हाथ पकड़ लिया और उसे अपने साथ कोतवाली सिविल लाइन ले गए। यहां मूलरूप से मथुरा के थाना मगोर्रा क्षेत्र के गांव मगोर्रा और वर्तमान में आगरा के थाना मलपुरा क्षेत्र के दीक्षा केसीआर टाउन निवासी राजस्व लेखपाल महेंद्र सिंह पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

'बैटल ऑफ गलवान' से चिढ़ा चीन

● चीनी मीडिया ने की आलोचना, कहा- ट्रेलर हकीकत से दूर, भारत सरकार के सूत्रों ने किया बचाव

नई दिल्ली। सलमान खान अभिनीत फिल्म बैटल ऑफ गलवान का टीजर जारी होने के बाद चीनी ने नाराजगी जताई है। वहां की मीडिया में हो रही आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंगलवार को सरकारी सूत्रों ने कहा कि सिनेमा कलात्मक अभिव्यक्ति का एक माध्यम है और भारत इसे प्रतिबंधित नहीं करता है। यह फिल्म 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित है।

चीन के मीडिया संस्थान ग्लोबल टाइम्स ने इस फिल्म को सिनेमाई अतिशयोक्ति बताया और दावा किया कि इसमें तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सलमान ने बी संतोष बाबू की भूमिका निभाई है। साल 2020 में भारतीय क्षेत्र की रक्षा करते हुए बाबू और 16 बिहार रेजिमेंट के 19 अन्य सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी।

48 घंटे के भीतर दूसरा भेड़िया ढेर

कैसरगंज (बहराइच)। कैसरगंज वन रेंज में वन विभाग ने मंगलवार को मादा भेड़िए को मार गिराया। बीते 48 घंटों में यह दूसरा भेड़िया है जिसे वन विभाग ने शूट किया है। भेड़िए के मारे जाने से ग्रामीणो ने राहत की सांस ली है।

मंगलवार को भिरगू पुरवा के पास भेड़िए की मौजूदगी की सूचना मिली थी। रेस्क्यू टीम को देखकर भेड़िया खेतों की ओर भागने लगा, जिसके बाद शूटर ने उसे गोली मार दी। चेहरे पर गोली लगने से भेड़िया मौके पर ही ढेर हो गया। इससे पहले, रविवार को भी वन विभाग ने इसी इलाके के बिरजा पकड़िया क्षेत्र में एक भेड़िए को शूट किया था। वहीं प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह यादव ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे गश्त के दौरान भेड़िए को देखा गया और पीछा करने के बाद उसे गोली मार दी गई।

रिपोर्ट | एक अप्रैल से 10 दिसंबर तक 75 जिलों से 207486 कॉल पहुंची, आगरा पहले नंबर पर, लखनऊ-बरेली और मुरादाबाद भी टॉप 10 में

बढ़े मानसिक रोगी, दो लाख लोगों ने लिया हेल्पलाइन का सहारा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

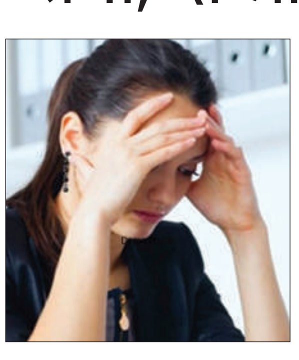

अमृत विचार : पश्चिमी उप्र में मानसिक तनाव के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बरेली, फिरोजाबाद के बाद मुरादाबाद से भी बड़ी संख्या में लोगों ने मानसिक समस्याओं से राहत पाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टेलीमानस हेल्पलाइन पर संपर्क किया है। रिपोर्ट के अनुसार, एक अप्रैल से 10 दिसंबर तक प्रदेश के 75 जिलों से कुल 2,07,486 कॉल्स प्राप्त हुईं।

प्रदेश में सबसे अधिक 8,863 कॉल आगरा जिले से दर्ज की गईं, जबकि लखनऊ, वाराणसी, बरेली और फिरोजाबाद भी टॉप 10 जिलों में शामिल रहे। मुरादाबाद जिला अस्पताल में तैनात मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिनव शेखर ने बताया कि प्रदेश में गोरखपुर, बरेली, आगरा और वाराणसी में टेलीमानस सेंटर स्थापित किए गए हैं। ये सेंटर सप्ताह के सातों दिन 24 घंटे सक्रिय रहते हैं। टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14416 और 18008914416 पर कॉल करने वाले लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों और प्रशिक्षित काउंसलरों द्वारा निशुल्क परामर्श दिया जाता है। प्रदेश के किसी भी जिले से की गई कॉल सीधे इन सेंटरों तक पहुंचती है।

ये हैं टॉप-10 जिले (कॉल संख्या)

आगरा (8863), लखनऊ (5488), वाराणसी (4662), बरेली (4226), फिरोजाबाद (2901), मुरादाबाद (2817), झांसी (2783), प्रयागराज (2773), बुलंदशहर (2726), रामपुर (2406)।

सबसे अधिक कॉल पुरुषों ने की

आंकड़ों के अनुसार, मानसिक तनाव को लेकर सबसे अधिक कॉल पुरुषों ने कीं। कुल कॉल्स में 55 प्रतिशत पुरुष, 43 प्रतिशत महिलाएं रहीं, जबकि 10.1 प्रतिशत ट्रांसजेंडरों ने भी मानसिक तनाव से जूझने की बात साझा की। करीब दो प्रतिशत लोगों ने कॉल तो की, लेकिन कोई पीड़ा साझा नहीं की, 10.2 प्रतिशत लोगों ने केवल टेलीमानस सेवा की जानकारी के लिए संपर्क किया। कॉल्स के प्रकार में 76 प्रतिशत नियमित परामर्श, 20 प्रतिशत सूचनात्मक, चार प्रतिशत बिना स्पष्ट कारण के और 0.2 प्रतिशत गंभीर प्रकरणों से संबंधित पाई गईं। मानसिक तनाव के प्रमुख कारणों में बेरोजगारी, घरेलू विवाद और काम का बढ़ता दबाव सामने आया है। कॉल करने वालों ने निराशा, उदासी, नींद न आने, आक्रामक व्यवहार और अकेलापन महसूस होने जैसी समस्याएं बताईं।

परिजनों, दोस्तों के साथ समय बिताने की सलाह

काउंसलरों द्वारा उन्हें परिजनों और दोस्तों के साथ समय बिताने, अपनी बात साझा करने और सकारात्मक सोच अपनाने के सुझाव दिए गए। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि तनाव से बचाव के लिए सकारात्मक सोच और संवाद बेहद जरूरी है। मुरादाबाद में टेलीमानस की सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। लोग हेल्पलाइन पर कॉल कर सकते हैं या जिला अस्पताल के मनकक्ष में पहुंचकर उपचार ले सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

जिम के बाहर से स्कूटी चोरी, चोर कैमरे में कैद

पीलीभीत, अमृत विचार : जिम के बाहर खड़ी स्कूटी चोरी हो गई। स्कूटी को ले जाते हुए आरोपी की तस्वीर सीसीटीवी में कैद हो गई। पूरनपुर कोतवाली में दी गई तहरीर में मोहल्ला साहूकारा निवासी देवांश शर्मा पुत्र रामनिवास शर्मा ने बताया कि 29 दिसंबर को वह असम चौराहा के पास स्थित जिम गए थे। वहां जिम के बाहर खड़ी उनकी स्कूटी चोरी हो गई। काफी तलाशने के बाद भी स्कूटी नहीं मिली। फिर कैमरे चेक किए गए तो एक युवक स्कूटी ले जाता हुआ कैद मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चोरों को नहीं खोज सकी पुलिस

पीलीभीत, अमृत विचार : घर में घुसकर चोर नकदी और जेवरात समेट ले गए। घटना के बाद लूटपाट का शोर मचा रहा। हालांकि पुलिस पीड़िता की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है। पूरनपुर कोतवाली में दी गई तहरीर में ग्राम जादौपुर गहलुईया की निवसी जहाना खां ने बताया सोमवार रात वह बच्चों के साथ बरामदे में सो रही थी। देर रात दीवार के सहारे चोर घर में आ गए। इसके बाद एक कमरे में पहुंचकर बहु के सोने-चांदी के जेवर सेफ का ताला तोड़कर चोरी कर लिए। जागने पर घटना की जानकारी हो सकी। कोतवाल पूरनपुर पवन कुमार पांडेय ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

रेल वन एप से टिकट कराने पर मिलेगी छूट

बरेली, अमृत विचार : रेल वन मोबाइल एप से टिकट बुक कराने पर यात्रियों को किराये में तीन फीसदी छूट दी जाएगी। मुख्य वाणिज्य निरीक्षक इमरान सैय्यद ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने रेल वन मोबाइल एप लांच किया है।

मीडियाकर्मी के निधन पर हुई शोकसभा

बिलसंडा, अमृत विचार : कस्बा निवासी मीडियाकर्मी राजेंद्र वर्मा का मंगलवार सुबह निधन हो गया।वह लंबे से बीमार चल रहे थे। उनके निधन पर चेयरमैन डीके गुप्ता, नरेंद्र मोहन सक्सेना, डॉ. हिमांशु सक्सेना, अधिवक्ता आशीष सक्सेना, एडवोकेट विमल कुमार सिंह, नन्हे वर्मा, मनोज वर्मा आदि ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की। दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

बिना पंजीकरण व एचएसआरपी के नए साल में नहीं मिलेंगे नए वाहन

कोहरे में अवैध पार्किंग पर सख्ती, सड़क या सर्विस लेन में खड़े वाहनों का होगा चालान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : नए साल से जिले में वाहन खरीदने की प्रक्रिया और सख्त होगी। परिवहन विभाग ने सड़क सुरक्षा और पंजीकरण व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से बड़ा बदलाव किया है। अब किसी भी शोरूम से नया वाहन तभी बाहर निकलेगा, जब उस पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगी होगी और पंजीकरण प्रमाणपत्र तैयार होकर वाहन स्वामी को सौंप दिया जाएगा। नियमों की अनदेखी करने वाले डीलरों पर कड़ी कार्रवाई तय है।

जिले में नए वाहन खरीदने वाले ग्राहकों और ऑटोमोबाइल डीलरों के लिए परिवहन विभाग ने नए साल से सख्त नियम लागू कर दिए हैं। जनवरी 2025 से बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) और पंजीकरण प्रपत्र के किसी भी नए वाहन की डिलीवरी नहीं की जाएगी। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने जनपद में पंजीकृत 50 से अधिक वाहन डीलरों को इस संबंध में निर्देश पत्र जारी कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि परिवहन आयुक्त स्तर से प्राप्त आदेशों का उल्लंघन मोटर यान अधिनियम के तहत गंभीर अपराध माना जाएगा। अगर कोई डीलर बिना एचएसआरपी और पंजीकरण प्रमाणपत्र के वाहन की डिलीवरी करता पाया गया तो उसका ट्रेड सर्टिफिकेट निलंबित करने के साथ ही डीलरशिप रद्द करने की संस्तुति की जाएगी। परिवहन विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से न केवल सड़क सुरक्षा मजबूत होगी, बल्कि वाहनों का डाटा भी अधिक पारदर्शी होगा। पूर्व में कई बार बिना नंबर प्लेट के वाहन सड़कों पर दौड़ते पाए जाते थे, जिससे दुर्घटना या आपराधिक घटनाओं की स्थिति में पहचान करना कठिन हो जाता था। अब डीलरों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वाहन की चाबी सौंपने से पहले सभी औपचारिकताएं पूरी हों।

वाहन सड़क पर न खड़ा करने की चेतावनी

बढ़ती सर्दी और घने कोहरे को देखते हुए प्रशासन ने सड़कों पर अवैध पार्किंग के विरुद्ध भी अभियान शुरू किया है। एआरटीओ ने बताया कि मुख्य सड़कों या सर्विस लेन में खड़े वाहन घने कोहरे के दौरान बड़ी दुर्घटनाओं का सबब बनते हैं। ऐसे में पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त टीमें सड़क किनारे खड़े वाहनों का तत्काल चालान करेंगी। वाहन स्वामियों को चेतावनी दी गई है कि वे अपने वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करें, अन्यथा में कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

- नियमों के पालन को लेकर पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त टीमें चलाएंगी अभियान

परिवहन आयुक्त के निर्देशानुसार जिले के सभी डीलरों को सूचित कर दिया गया है। बिना एचएसआरपी और पंजीयन प्रपत्र के वाहन की डिलीवरी पर सख्त कार्रवाई होगी। जरूरत पड़ी तो डीलरशिप भी रद्द की जाएगी। इसके अलावा सड़क हादसे रोकने के लिए सख्ती से अभियान चलाया जाएगा।
– **वीरेंद्र सिंह**, एआरटीओ

सती और ध्रुव चरित्र की कथा सुनाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

श्रीमदभागवत कथा सुनते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

अमृत विचार: शहर के एक बरात घर में आयोजित सात दिवसीय अमृतमयी श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कथा व्यास गौरवानंद महाराज ने सती चरित्र और ध्रुव चरित्र का ऐसा जीवंत वर्णन किया कि उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। पंडाल जय श्री कृष्णा और राधे-राधे के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा।

कथा व्यास ने सती चरित्र की व्याख्या करते हुए कहा कि भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और अटूट विश्वास ही भक्ति की पहली सीढ़ी है। उन्होंने बताया कि जब सती ने पिता दक्ष के यज्ञ में अपने आराध्य शिव का अपमान देखा, तो उन्होंने योगशक्ति से अपनी देह का त्याग कर दिया। समझाया कि जहां भक्त और भगवान का अपमान हो, वहां क्षण भर भी नहीं रुकना चाहिए। सती का चरित्र हमें सिखाता है कि बिना मर्यादा और सम्मान के किया गया कोई भी धार्मिक अनुष्ठान फलदायी नहीं होता। द्वितीय प्रसंग में ध्रुव चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि अटूट संकल्प और भक्ति से ईश्वर को भी पाया जा सकता है। बालक ध्रुव को जब उनकी सौतेली मां ने गोद से उतारा, तो उन्होंने विचलित होने के बजाय भगवान की गोद में स्थान पाने का संकल्प लिया। इस मौके पर राकेश गुप्ता, सत्यवीर सिंह, डॉ. आरके मिश्रा, ब्रजबिहारी लाल, जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेन्द्र मिश्रा, अशोक बाजपेई एडवोकेट, राजीव वर्मा, धीरज, रवि श्रीवास्तव, मोहित गुप्ता,अतुल गुप्ता, राजेन्द्र आचार्य, एचएन वर्मा, अवनीश, रजनीश, नीरज, कांतिस्वरूप पांडे, अजीत, ममता शुक्ला, हितेश, मनमोहन, सौरभ, संजय त्रिपाठी, महेन्द्र पाल, कृष्णदेव शुक्ला, हरिवंश, अजय सैनी, मुस्कान आदि मौजूद रहे ।

कथा सुनाते महाराज। ● अमृत विचार

कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार: कोर्ट के आदेश पर माधोटांडा पुलिस ने ग्राम पिपरिया जयभद्र की निवासी पान देवी की ओर से पति समेत छह लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज की है।

पीड़िता ने बताया उसकी शादी चार जुलाई 2024 को ग्राम रंपुरा फकीरे निवासी धर्मेंद्र से हुई थी। अतिरिक्त दहेज में बाइक और माता-पिता का मकान पति के नाम कराने का दबाव बनाया गया। 8 नवंबर को जब मायके वालों ने समझाने का प्रयास किया तो अभद्रता की गई। उस वक्त पुलिस को तहरीर दी गई लेकिन सुनवाई नहीं हुई। पुलिस ने आरोपियों को 9 नवंबर को छोड़ दिया। 11 नवंबर को एसपी से शिकायत की गई तो माधोटांडा पुलिस ने मेडिकल परीक्षण कराया। मगर रिपोर्ट उस वक्त भी नहीं लिखी। अब कोर्ट के आदेश पर पति धर्मेंद्र समेत अन्य ससुरालियों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली।

बिना पंजीकरण के चल रहे अस्पताल की जांच के आदेश, सीएमओ ने मांगी रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- मझोला कस्बे के दियूनी डैम रोड पर चल रहा है अस्पताल

अमृत विचार: मझोला कस्बे में बिना पंजीकरण के चल रहे एक निजी अस्पताल का मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने मामले की गंभीरता से लिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार शर्मा ने संबंधित नोडल अधिकारी को जांच के आदेश देते हुए विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

मझोला कस्बे से दियूनी डैम को जाने वाली सड़क पर एक नर्सिंग होम चल रहा है। अस्पताल के बाहर लगे बोर्ड पर तीन डॉक्टरों के नाम दर्ज हैं, जिनमें एक एमबीबीएस और दो बीएएमएस चिकित्सक बताए जा रहे हैं। एमबीबीएस डॉक्टर की डिग्री बिहार की बताई जा रही है। नर्सिंग होम के अंदर सर्जरी से संबंधित उपकरणों के साथ एक ऑपरेशन थिएटर भी तैयार किया गया है।

चौंकाने वाली बात यह है कि इस नर्सिंग होम का स्वास्थ्य विभाग में अब तक न तो पंजीकरण कराया गया है और न ही इससे संबंधित कोई अभिलेख कार्यालय में जमा हैं। इसके बावजूद यहां मरीजों का इलाज और कथित रूप से ऑपरेशन तक किए जाने की बात कही जा रही है। जबकि नियमों के अनुसार बिना पंजीकरण किसी भी अस्पताल या नर्सिंग होम का संचालन अवैध माना जाता है। स्थानीय स्तर पर जब इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के कुछ जिम्मेदारों से जानकारी ली गई तो यह तर्क दिया गया कि संभव है अस्पताल उत्तराखंड सीमा में संचालित हो रहा हो। हालांकि ये भी कहा जा रहा है कि संबंधित नर्सिंग होम जनपद की सीमा के भीतर स्थित है और अमरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) क्षेत्र के अंतर्गत आता है। बताया जा रहा है कि अस्पताल परिसर में अग्निशमन से जुड़े आवश्यक सुरक्षा उपकरण भी उपलब्ध नहीं है। मामला सामने आने और सोशल मीडिया पर जानकारी वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संज्ञान लिया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार शर्मा ने बताया कि नोडल अधिकारी को मौके पर जाकर जांच करने और रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। जांच के बाद स्थिति स्पष्ट की जाएगी। यदि अस्पताल बिना पंजीकरण के संचालित पाया गया तो नियमानुसार विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।फिलहाल स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जांच की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

बाघ ने गाय का किया शिकार

बिलसंडा, अमृत विचार: आबादी के नजदीक बाघ ने दस्तक दी। एक गाय को हमला करके मार डाला। खेत में गाय का शव मिलने पर ग्रामीण दहशत में आ गए।

घटना बिलसंडा थाना क्षेत्र के गांव जगतपुर में हुई। मंगलवार सुबह 8 बजे किसान गुरनाम सिंह के खेत में मजदूर गन्ना छीलने गए। इस दौरान खेत पर कौवों को मडराता देखा। खेत में अंदर पहुंचे तो एक गाय का अधखाया शव पड़ा था। यह देख बाघ के हमले का संदेह हुआ और फिर बाघ की दस्तक का शोर मचते ही भीड़ जमा हो गई। इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जानकारी की। वन दरोगा गिरजेश कुमार ने बताया कि सूचना पर टीम गई थी। बाघ ने एक छुट्टा गाय पर हमला किया था। ग्रामीणों को सावधान रहने की हिदायत दी गई है। निगरानी टीम को भी अलर्ट कर दिया है।

मोबाइल लोकेशन से तलाश रही पुलिस, नहीं मिले सुराग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- तीन नाबालिगों के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला
- परिजन तीनों के एक साथ जाने की जता रहे आशंका

अमृत विचार : शहर निवासी तीन नाबालिग (दो छात्र और एक छात्रा) के रहस्यमय ढंग से लापता होने के मामले में अभी पुलिस कोई खास सफलता हासिल नहीं कर सकी है। सर्विलांस की मदद से उन्हें बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं परिजन बच्चों को लेकर परेशान है।

घटना थाना सुनगढ़ी क्षेत्र की है। यहां का रहने वाला 17 वर्षीय किशोर सोमवार सुबह करीब 4 बजे घर से बाइक और मां का मोबाइल लेकर निकला था। मोबाइल से पेटीएम का लेनदेन भी किया। उसकी पड़ताल की गई तो सामने आया कि क्षेत्र की एक कॉलोनी का रहने वाला 16 वर्षीय किशोर भी उसी समय घर से निकल था जो लापता है। वह घर से पौने दो लाख रुपये लेकर गया था। एक किशोरी जो पूर्व में साथ पढ़ती थी, वह भी लापता थी। तीनों के साथ जाने की आशंका जताई जा रही है। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस उनकी बरामदगी के प्रयास कर रही है। मगर अभी कुछ खास हाथ नहीं लग सका है। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि सर्विलांस की मदद ली जा रही है। तीनों को जल्द बरामद कर खुलासा किया जाएगा। इधर, तीन नाबालिग बच्चों के परिवार परेशान है। वह भी अपने स्तर से तलाश में जुट गए है।

Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)

निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

अटल की नीति में दूरदृष्टि नेतृत्व में था सेवाभाव

अटल स्मृति समारोह में शामिल अतिथि। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: पूरनपुर ब्लॉक सभागार में मंगलवार को पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर अटल स्मृति सम्मेलन हुआ। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य सुधीर गुप्ता रहे।

मुख्य अतिथि ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की राजनेता से राष्ट्रनेता तक की यशस्वी यात्रा अभिनंदनीय है। उनकी नीति में दूरदृष्टि थी, नेतृत्व में सेवाभाव और निर्णयों में राजनीतिक कुशलता थी। मां भारती के मस्तक को ऊंचा करने, राष्ट्र की उन्नति में उन्होंने अपना जीवन अर्पित कर दिया। लोकतंत्र के प्रति उनकी अगाध आस्था, वंदनीय है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, रजनीश पांडेय, अपूर्व सिंह, जिला कार्यसमिति सदस्य रितुराज पासवान, जिला पंचायत सदस्य राजेश कठेरिया, सुकुमार गाइन, नितिन दीक्षित, संजीव त्रिवेदी, विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

चोरी के बर्तन खरीदने में व्यापारी को हिरासत में लिया

पीलीभीत, अमृत विचार: शहर में हुई चोरी को लेकर सुनगढ़ी पुलिस छानबीन कर रही है। उस दौरान एक बर्तन व्यापारी को हिरासत में लिया गया। उससे कुछ सामान भी बरामद होने की चर्चा है। हालांकि पुलिस अभी कुछ बोलने को तैयार नहीं है। चर्चा है कि कुछ सफेद पोश आरोपी को छुड़ाने के लिए सिफारिश में लगे रहे।

बता दें कि सुनगढ़ी क्षेत्र में चोरी की तीन घटनाएं हो चुकी है। सराफा व्यापारी, व्यापारी नेता के गोदाम पर भी घटना की गई। 72 घंटे के भीतर हुई घटनाओं ने पुलिस की चिंता बढ़ाई। इसके बाद सुरागरसी तेज की गई। इस दौरान शहर के एक बर्तन व्यापारी का नाम सामने आया। चर्चा है कि वह चोरी के बर्तन भी खरीदता था, जोकि बरामद भी हुए। इसके बाद उसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया। जिसके बाद दिनभर कुछ सफेदपोश सिफारिश में जुट गए। इसे लेकर खेल की चर्चाएं तेज हो गई। फिलहाल पुलिस मामले में जांच चलने की बात कह रही है।

छात्रों की उपस्थिति बनाएगी निपुण

संवाददाता, बीसलपुर

बैठक में मौजूद डायट प्रवक्ता व अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के ऑडिटोरियम में मंगलवार को मासिक समीक्षा बैठक हुई। इसमें पूर्व निर्धारित एजेंडा के बिंदु निपुण प्लस ऐप, निपुण लक्ष्य ऐप, इको क्लब, अर्द्धवार्षिक परीक्षा, स्कूल बैंड एवं बैंड यूनिफॉर्म, ब्लॉक स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम, नॉलेज शेयरिंग, एआरपी चयन की स्थिति, आईसीटी लैब आदि पर चर्चा की गई।

एआरपी की ओर से समस्याओं को उजागर किया गया, जिसके समाधान के निर्देश प्राचार्य ने दिए। एसआरजी प्रशांत त्रिवेदी, जिला समन्वयक जितेंद्र कुमार ने भी विचार रखे। डायट प्राचार्य दरवेश कुमार ने निपुण लक्ष्य ऐप के माध्यम से स्कूली बच्चों का आकलन करने के निर्देश दिए। कहा कि निपुण आकलन के समय बच्चों की विद्यालय में उपस्थित जनपद की रैंकिंग तय करेगी। ऐसी स्थिति में विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक का संचालन नोडल अमित कुमार शर्मा ने किया। इस मौके पर डायट प्रवक्ता अमित कुमार, स्वदेश कुमार, पुलकित शर्मा आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

जरूरतमंदों को बांटे कंबल, ठंड से मिली राहत

बिलसंडा, अमृत विचार : गोला रोड स्थित एक पेट्रोल पंप पर मंगलवार को कंबल वितरण किया गया। करीब 500 जरूरतमंद लोगों को कंबल बांटे गए। साथ ही वृद्धजनों के लिए चाय और जलपान की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी विक्रम नरेश जायसवाल ने अपनी मां की आठवीं पुण्यतिथि के अवसर पर किया। मुड़िया न्यूरानपुर आश्रम के महंत योगी हनुमान नाथ,अधिवक्ता आशीष सक्सेना,रामदास पाठक,अमित जायसवाल, प्रिया जायसवाल,आशीष जायसवाल,अरविंद अवस्थी,गौरव शुक्ला,अमित मिश्रा,सौरभ जायसवाल,वैभव सक्सेना,आलोक जायसवाल,अनमोल,मुश्ताक,रिजवान,अंसार मंसूरी,बाबूराम,सलीम मंसूरी,जलालुद्दीन,रफीक आदि मौजूद रहे।

अपने हक और अधिकारों के प्रति जागरूक हो महिलाएं: पूजा

बीसलपुर, अमृत विचार : सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में नारी शक्ति सम्मेलन का आयोजन किया गया। महिलाओं को उनके हक व अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य वीरेन्द्र कुमार मिश्र ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन करके किया। आचार्या आम्रपाली दीक्षित ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए नारी के सात गुणों का वर्णन किया। बालाजी गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य अर्चना चौहान ने भारत के विकास में महिलाओं के योगदान पर उपस्थित मातृशक्ति की चर्चा की। मुख्य वक्ता पूजा गंगवार ने कहा कि हमारा देश वीरांगनाओं का देश रहा है। उन्होंने अहिल्याबाई के जीवन से विचारों को प्रकट किया ।

पीएटीबी फंड से खरीदेंगे कृषि यंत्र

मझोला, अमृत विचार : अमरिया ब्लॉक की ग्राम पंचायत नवादा श्यामपुर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत निधि प्रेरणा ग्राम संगठन की बैठक की गई। जिसमें जिला मिशन प्रबंधक अवधेश उपाध्याय ने पीएटीबी (प्रेरणा एग्रीकल्चर टूल बैंक) फंड के बारे में जानकारी दी। जिसका उपयोग कृषि यंत्रों को खरीदने में किया जाएगा। बताया कि ग्राम संगठन की ओर से क्रय किए गए कृषि यंत्रों को गांव में किराए पर दिया जाएगा, जिससे ग्रामवासियों को सहूलियत होगी और समूह की महिलाओं को रोजगार मिलेगा। कृषि यंत्रों का चयन महिलाओं द्वारा उगाई जाने वाली फसलों के आधार पर किया जा रहा है। मशीनों के रखरखाव और देखभाल की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की कृषि आजीविका सखी की होगी।

बांग्लादेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन, फूंका पुतला

पीलीभीत, अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, दुर्गावाहिनी कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को बांग्लादेश सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान इस्लामिक जिहाद का पुतला देशनगर चौराहा पर फूंका। विहिप के खंड अध्यक्ष राहुल यादव ने कहा कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद हिंदू समाज को निशाना बनाया जा रहा है। केंद्र सरकार से इस मामले का संज्ञान लेकर ठोस कदम उठाने की मांग की। इस मौके पर राहुल यादव, सत्येंद्र वर्मा, सुलभ अग्रवाल, रोहित रत्नाकर, अरुण यादव, अजय बाबू, विनोद राजपूत, अमित यादव, सनी राजपूत, हेमंत रत्नाकर ,आयुष मासी, प्रतीक वाल्मीकि, लालू राजपूत, सोहनलाल, अमन श्रीवास्तव, अंकित राजपूत, महेश कुमार पाठक समेत अन्य रहे।

शहर में आज

- पुलिस लाइन समेत चार स्थानों पर परिवार परामर्श केंद्र शिविर सुबह 10 बजे से।
- ऑकेंजन बरात घर में श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ शाम 4 बजे।
- गुरुद्वारा गुरु कलगीधर सिंह सभा से प्रभातफेरी सुबह 4 बजे से।
- पावर कॉरपोरेशन की ओर से बिजली बिल राहत योजना के तहत शिविर सुबह 10 बजे से

न्यूज ब्रीफ

गोमांस तस्कर पकड़ा

पीलीभीत, अमृत विचार : पूरनपुर कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान मंगलवार सुबह भगवंतापुर मार्ग पर पुलिया के पास से शातिर गोमांस तस्कर शेरपुर कलां के मोहल्ला कुरैशियान निवासी अकरम को गिरफ्तार किया। उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। कोतवाल पवन कुमार पांडेय ने बताया कि आरोपी पर गोकशी, गैंगस्टर एक्ट, पशु क्रूरता अधिनियम, आर्म्स एक्ट के करीब 18 मुकदमे हैं। वह हिस्ट्रीशीटर भी है। चालान कर कोर्ट में पेश करके आरोपी को जेल भेज दिया है।

आरोपी को भेजा जेल

पीलीभीत, अमृत विचार : जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी ग्राम चतीपुर निवासी कामता प्रसाद को सेहरामऊ उत्तरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से घटना में प्रयुक्त फरसा बरामद किया गया है। दरोगा अनिल कुमार सिद्धू ने बताया कि 17 दिसंबर को ग्राम किशनपुर हरिपुर निवासी सोमवती पत्नी सुरेश कुमार की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। विवेचना के दौरान सामने आया था कि आरोपी ने ही फरसा से वार करके सुरेश को चोट पहुंचाई थी।

किशोरी को लेकर भागा

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री को कोतवाली पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम मुजफ्फरनगर निवासी मोहित 18 मई को बहला फुसलाकर ले गया था। इसकी रिपोर्ट उस वक्त दर्ज कराई थी। पुलिस ने पुत्री को बरामद कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया था। जिसका मुकदमा न्यायालय पॉक्सो एक्ट में चल रहा है। 28 दिसंबर की रात 11 बजे आरोपी उसकी पुत्री को दोबारा बहला फुसलाकर ले गया।

अपनों को सहेजकर नई उपलब्धियों के साथ नए साल में प्रवेश

पीटीआर: बिजली से महरूम सात झाल को मिलेगी पावर ग्रिड की सौगात, 2025 में बाघ हमलों में आठ इंसानों की गई जान, चार तेंदुओं की भी हुई मौत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

सप्त सरोवर की सात झाल का मनोरम दृश्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार : आगामी साल में पीलीभीत टाइगर रिजर्व प्रशासन अपनों को सहेजने की तैयारी कर रहा है। उपलब्धियों की बात करें तो आजादी के बाद से लेकर बिजली से महरूम जंगल से सटा सात झाल गांव सोलर लाइटों से रोशन किया गया। वहीं अब इस गांव को पॉवर ग्रिड की सौगात मिलने जा रही है। जिस पर तेजी से काम चल रहा है। वहीं लालपुर-गढ़ा कॉरिडोर प्रदेश का पहला ऐसा वन्यजीव कॉरिडोर बन चुका है, जहां कॉरिडोर मेंटीनेंस से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। सालों-महीनों तक मानदेय का इंतजार करने वाले टाइगर रिजर्व के दैनिक वेतनभोगियों को भी बड़ी राहत दी गई। नए साल में रेस्क्यू सेंटर, गैंडा पुर्नवास योजना की सौगात मिलने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है। इन सब उपलब्धियों के बीच साल भर में बाघ हमलों में इंसानों और तेंदुओं की मौत भी कुछ ऐसे जख्म दे गई, जिनकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती है।

रूहेलखंड का एकमात्र सघन विशिष्ट जैवविविधता से हरा भरा जंगल, प्राकृतिक जलस्रोतों और शिकार की पर्याप्त उपलब्धता से बेशक बाघ का साम्राज्य पीलीभीत टाइगर रिजर्व में तेजी से समृद्ध हो रहा है।73 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में फैले इस टाइगर रिजर्व की सीमा उत्तराखंड, नेपाल की शुक्ला फांटा सेंचुरी, उत्तरी खीरी वन प्रभाग लखीमपुर खीरी, दुधवा टाइगर रिजर्व की किशनपुर वन्यजीव बिहार एवं शाहजहांपुर वन प्रभाग से मिलती है। टाइगर रिजर्व बनने के बाद शुरू हुई बाघ संरक्षण परियोजना से संजीवनी मिली तो यहां बाघ-तेंदुओं के अलावा अन्य वन्यजीवों की संख्या में वृद्धि भी हुई। साल 2025 पीलीभीत टाइगर रिजर्व के लिए कई उपलब्धियों भरा रहा। इसके साथ ही बाघ-इंसानी टकराव में इंसानों की और वन्यजीवों की मौत जैसे नकारात्मक पहलू भी अस्तित्व में आए। इन सबके बीच पीलीभीत टाइगर रिजर्व ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ समेत अन्य सहयोगी संगठनों की मदद से आजादी के बाद से बिजली व्यवस्था से महरूम गांव को रोशनी से जगमग किया। बराही रेंज से सटे सात झाल गांव आजादी के बाद से बिजली से महरूम चला आ रहा है। टाइगर रिजर्व प्रशासन ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ सहयोग से इस गांव की गलियों में सोलर लाइटें लगाकर रोशन की। इतना ही नहीं अब इस गांव को निर्बाध बिजली सप्लाई देने के लिए यूनिटी फाउंडेशन की मदद से यहां पॉवरग्रिड स्थापित किया जाएगा। इसे लेकर यहां तेजी से काम शुरू हो चुका है। आने वाले साल में इस गांव के ग्रामीण भी घरों में बिजली उपकरणों का प्रयोग कर सकेंगे।

कॉरिडोर मेंटीनेंस करने वाला प्रदेश का पहला गढ़ा कॉरिडोर

बाघों के स्वच्छंद विचरण और आवाजाही के लिए कॉरिडोर मैनेजमेंट बेहद जरूरी है। टाइगर रिजर्व में लग्गा भग्गा-टाटरगंज-बराही कॉरिडोर एवं लालपुर-गढ़ा कॉरिडोर हैं। लालपुर-गढ़ा कॉरिडोर माला रेंज में गढ़ा बीट से लालपुर होते हुए दियोरिया रेंज के जंगल तक वन्यजीवों का कॉरिडोर है। यह कॉरिडोर वैसे तो बहुत पुराना है। मगर इस कॉरिडोर के बीच करीब 10 किमी का क्षेत्र ऐसा है, जो कि जंगल विहीन है। ऐसे में वन्यजीवों के स्वच्छंद आवागमन में बाधा आने कभी-कभार मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति बन जाती है। ऐसे में टाइगर रिजर्व प्रशासन ने डब्ल्यूडब्ल्यू के सहयोग इस कॉरिडोर को विकसित करने माइक्रोप्लान तैयार करते हुए इस पर बकायदा काम भी शुरू कर दिया गया। कॉरिडोर क्षेत्र के ग्रामीणों को इको विकास समिति का गठन किया गया। जिसके बाद पीटीआर व डब्ल्यूडब्ल्यूएफ द्वारा समिति से किसानों को नि :शुल्क गन्ना बीज उपलब्ध कराने के साथ विभिन्न खेती किसानी संबंधी प्रशिक्षण भी दिए गए। अब जंगल विहीन इलाके में फसले लहलहाने लगी हैं। खास बात यह है कि गढ़ा कॉरिडोर प्रदेश का पहला ऐसा वन्यजीव कॉरिडोर बन चुका है, जहां कॉरिडोर मेंटीनेंस कार्य किए जा रहे हैं।

नाकामी: बाघ हमलों में आठ इंसानों और चार तेंदुओं की मौत दे गई जख्म

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में साल 2025 कई नाकामियां भी रहीं। जिसका दर्द आज भी लोगों के जेहन में जिंदा हैं। तीन माह तक एक बाघिन का आंतक रहा। उसे पकड़ने के लिए शासन स्तर तक के अधिकारियों को पीलीभीत में कैंप करना पड़ा। बाघिन के हमले में पांच इंसानों को जान गंवानी पड़ी थी। इसमें कुछ लोग पूरनपुर तहसील क्षेत्र के तो कुछ सदर तहसील क्षेत्र के थे। कुछ अन्य स्थानों पर भी हुए बाघ हमलों में इंसानों की मौत हुई। कुल मिलाकर साल भर में 17 मई से लेकर 12 नवंबर के बीच बाघ हमलों में 08 इंसानों को जान गंवानी पड़ी। जान सिर्फ इंसानों की नहीं गई, यह साल तेंदुओं के लिए भी किसी काल से कम नहीं रहा। साल भर में चार तेंदुओं की अलग-अलग स्थानों पर मौतें हुई। इसमें तीन तेंदुओं को सड़क हादसे में जान गंवानी पड़ी तो एक तेंदुआ की मौत रेस्क्यू करने के कुछ देर बाद हो गई थी। एक तेंदुए के मामले में शिकारियों पर केस काटा गया। उनकी धरपकड़ को आधी अधूरी तैयारी से दी गई दबिश के बाद टीम की पिटाई हुई, जिसने खासा फजीहत कराई। इसके बाद वन दरोगा की ओर से माधोटांडा थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई। साल के अंत में सफारी वाहनों से बाघ को घेरने, बाघों के आशियाने में सेंधमारी कर कंस्ट्रक्शन के नाम जंगल झाड़ी उजाड़ने से जुड़े मामले भी सामने आए। हालांकि उस पर कोई खास सख्ती नहीं हो सकी।

> वन एवं वन्यजीव संरक्षण की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व को अंतरराष्ट्रीय पटल पर लाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। उच्चाधिकारियों के निर्देशन में पीटीआर के सटे गांवों में विकास और आजीविका से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। मानव-वन्यजीव संघर्ष पर अंकुश लगाने की दिशा में लगातार प्रयास चल रहे हैं। इसके तहत कई कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। - **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

गैंडा पुर्नवास को लेकर सर्वे

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में करीब 240 दैनिक वेतनभोगी कर्मी ऐसे हैं, जिनको साल-महीनों बाद ही मानदेय मिलता आ रहा है, मगर इस बार टाइगर रिजर्व प्रशासन ने इन कर्मियों के दर्द को महसूस करते हुए इन सभी 240 दैनिक वेतनभोगी कर्मियों को मानदेय का 3 .15 करोड़ का भुगतान किया है। उम्मीद है कि अब इन कर्मियों को मानदेय के लिए इंतजार नहीं करना होगा। इस साल टाइगर रिजर्व में गैंडा पुर्नवास परियोजना को लेकर केंद्र सरकार की टीम द्वारा महतपूर्ण सर्वे किया जा चुका है। ऐसे में अब आने वाले साल में गैंडा पुर्नवास परियोजना के धरातल पर उतरने की उम्मीद की जा रही है। साल 2025 में टाइगर रिजर्व में आंतरिक बाघ गणना कराई गई। जिसमें बाघों की संख्या में खासी बढ़ोत्तरी पाई गई। इधर गोपालपुर में रेस्क्यू सेंटर का कार्य भी अंतिम चरण में हैं। आने वाले साल में अब रेस्क्यू किए गए बाघों को चिड़ियाघरों में न भेजकर इसी रेस्क्यू सेंटर में रखा जाएगा।

रास्ता निर्माण के विरोध में मेला कमेटी ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, बरखेड़ा

- अब एसडीएम मौके पर पहुंचकर जुटाएंगी जानकारी

अमृत विचार : रास्ता बनवाने के लिए निर्माण सामग्री के पहुंचने के कुछ देर बाद ही विरोध हो गया। मेला कमेटी के पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया।

स्टेशन रोड पर एक इंटर कॉलेज है। इसके पास में वार्ड नंबर चार मोहल्ला कुंदनपुर गौंटिया के पानी निकास के लिए नाला नगर पंचायत की ओर से बनवाया गया था। इसके पास कुछ जगह खाली हैं, जिसमें श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मेले की लीलाएं होती हैं। इसे लीला ग्राउंड के नाम से जाना जाता है। यहां पर नगर पंचायत की ओर से मंगलवार को मिट्टी डलवाई गई। जानकारी होने पर मेला कमेटी के पदाधिकारी पहुंच गए। विरोध करते हुए आरोप लगाया चेयरमैन श्याम बिहारी भोजवाल गलत तरीके से लीला होने वाली जगह से रास्ता निकाल रहे हैं। अगर रास्ता ही निकालना है तो कॉलेज के पास बने नाले से सटकर निकाला जा सकता है। चेयरमैन का कहना है कि जिस जगह रास्ता बनवाया जाना है। वह नगर पंचायत की करीब सवा दो बीघा बंजर जमीन है। उसी पर निर्माण कार्य कराया जाना है। मेला कमेटी अध्यक्ष हरिओम पांडेय ने चेयरमैन से वार्ता की। जिसके बाद एसडीएम बीसलपुर को भी अवगत कराया गया। फिलहाल अब एसडीएम मौके पर पहुंचकर जानकारी लेंगे।

नर्तकियों से डांस कराने के मामले में रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : बेटे की शादी में नर्तकियां बुलाकर डांस कराने के मामले में वीडियो वायरल होने के बाद अमरिया पुलिस ने कार्रवाई की है। हेड कांस्टेबल अनिल कुमार की ओर से रिपोर्ट दर्ज की गई है। जिसमें बताया है कि 29 दिसंबर को वह पुलिस टीम के साथ गश्त करते हुए ग्राम उदयपुर पहुंचे तो पता चला कि 24 दिसंबर की रात 11 बजे गांव के नफीस अहमद के पुत्र बबलू की शादी थी। विवाह समारोह में नफीस ने नर्तकियों को बुलाकर आपत्तिजनक डांस कराया था। यह डांस सार्वजनिक रास्ते पर किया गया था। जिस कारण लोगों को काफी परेशानी हुई। महिलाओं को भी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

एलोपैथ के बाद आयुर्वेदिक दवा के पांच सैंपल फेल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- दवा कंपनी के डीलर को वापस करने के लिए निर्देश
- स्क्रीनिंग कमेटी के परीक्षण के बाद रिजेक्ट की दवा

अमृत विचार : सरकारी अस्पतालों की दवाओं की गुणवत्ता पर एक बार फिर सवाल उठ गए। पहले मेडिकल कॉलेज में ऐलोपैथिक दवाओं के नमूने फेल होने का मामला सामने आया और अब आयुर्वेदिक दवाएं भी जांच में खरी नहीं उतर सकीं। प्राचीन चिकित्सा पद्धति के नाम पर सप्लाई की गई आयुर्वेदिक दवाओं के पांच नमूने गुणवत्ता परीक्षण में अधोमानक पाए गए, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था की निगरानी प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदी गई इन दवाओं को आयुर्वेदिक कॉलेज की स्क्रीनिंग कमेटी ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने न सिर्फ मरीजों की सुरक्षा को कठघरे में खड़ा किया है, बल्कि दवा आपूर्ति से जुड़े जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर भी कार्रवाई की मांग को और तेज कर दिया है।

जिले के आयुर्वेदिक अस्पतालों में दो तरह से दवाएं उपलब्ध कराई जाती है। पहली आयुष मिशन और दूसरा लोकल पर्चेस, जो कि जेम पोर्टल के माध्यम से होती हैं। नियम है कि इन दवाओं की गुणवत्ता जांचने के लिए सैंपल लेकर जांच कराई जाएगी। हालांकि आयुर्वेदिक कॉलेज के पास खुद की फार्मेसी है, लेकिन आपसी खींचतान के चलते दवाओं की सप्लाई नहीं मिल पा रही है। एक माह पहले मरीजों की संख्या और संबंधित बीमारियों की अधिकता को देखते हुए आयुर्वेदिक अस्पताल की ओर से पांच दवाओं का टेंडर जेम पोर्टल पर निकाला गया था। जिसकी प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित फर्म पांचों दवाओं की सप्लाई दी थी। दवा की सप्लाई पहुंचने के बाद आयुर्वेदिक अस्पताल की स्क्रीनिंग कमेटी में शामिल तीन सदस्यीय डॉक्टरों ने दवाओं का परीक्षण किया। लेकिन परीक्षण में दवाएं अधोमानक पाई गई। जिसमें स्फटिक भस्म, टंकन भस्म, श्वेता पार्पति, लशुनादि वटी और लवंगादि वटी शामिल है। स्फटिक भस्म फेफड़ों में बलगम के जमाव को कम करने के साथ पेचिश और दस्त से राहत देती है। जबकि टंकन भस्म पीरियड्स में ज्यादा ब्लीडिंग, खांसी, सर्दी जुकाम के इलाज के लिए उपयोग की जाती है। श्वेता पार्पति पेशाब में जलन, एसिडिटी समेत विभिन्न इलाज में कारगार साबित होती है। लशुनादि वटी पाचन और प्रतिरोधक क्षमता के साथ लवंगादि वटी भी खांसी, जुकाम आदि में मरीजों को दी जाती है। स्क्रीनिंग कमेटी ने रंग, दवा की स्मैल और दवाओं के फॉर्मूला आधार पर मानक के अनुरूप नहीं बताया है। दवाओं के फेल होने के बाद आयुर्वेदिक प्रशासन ने संबंधित फर्म को दवा का वापस उठान करने के निर्देश दिए हैं। डॉ. गनेश कुमार ने बताया कि जांच में पांच दवाओं के सैंपल फेल हुए थे। जिसके आधार पर फर्म को दवाएं वापसी कर दी गई है। हिदायत दी गई है कि वह दोबारा से गुणवत्तापरक दवाओं की सप्लाई दें। अन्यथा उनका टेंडर निरस्त कर दिया जाएगा।

घोटाला: जिले में 114 अपात्र और 824 मृतक ले रहे थे पेंशन, होगी रिकवरी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- विभागीय स्तर से किए गए सत्यापन में हुआ खुलासा
- डीबीटी के माध्यम से बुजुर्गों के खाते में भेजी जाती है पेंशन

अमृत विचार: जिले के 114 अपात्र और 824 मृतक वृद्धावस्था पेंशन ले रहे थे। इसका खुलासा विभागीय सत्यापन के बाद हुआ। इतने अपात्रों को पेंशन देने का मामला प्रकाश में आने पर खलबली मची हुई है। फिलहाल समाज कल्याण विभाग अब इन सभी की पेंशन बंद करने के साथ रिकवरी की तैयारी कर रहा है।

समाज कल्याण विभाग की ओर से जनपद में करीब 85396 बुजुर्गों को वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ दिया जा रहा है। डीबीटी के माध्यम से वृद्धावस्था पेंशन की धनराशि इन बुजुर्गों के खातों में भेजी जाती है। विभाग की ओर से हर साल पेंशनधारकों का सत्यापन भी किया जाता है। सत्यापन के दौरान अपात्रों और मृतकों के नाम को अलग किया जाता है। इधर इस बार भी शासन ओर से वृद्धावस्था पेंशनधारकों का सत्यापन के निर्देश जारी किए गए थे। जिसके बाद विभागीय स्तर से जनपद के सभी सात ब्लाकों में सत्यापन कराया गया। सत्यापन के बाद जो आंकड़े सामने आए वे चौकाने वाले थे। सत्यापन में 114 अपात्रों और 824 मृतकों द्वारा वृद्धावस्था पेंशन लिए जाने का मामला सामने आया है। फिलहाल सत्यापन रिपोर्ट सामने आने के बाद इन सभी की पेंशन रोक दी गई है। साथ ही विभागीय अफसर अब लाभार्थी के मृतक प्रमाण पत्र के जरिए पहुंची धनराशि की जांच के बाद विभागीय स्तर से रिकवरी करने की तैयारी कर रही है। इसको लेकर पेंशन लेने वालों के परिजनों से पत्राचार किया जा रहा है। इस संबंध में जिला समाज कल्याण अधिकारी चंद्रमोहन विश्नोई ने बताया कि सत्यापन के बाद अपात्रों और मृतकों को चिह्नित कर लिया गया है। अब इनकी जांच की जा रही है। जांच के बाद संबंधित के परिजनों से रिकवरी कराई जाएगी।

दुकान के बाहर खड़े व्यापारी के बेटे से बदमाशों ने की मारपीट

संवाददाता, मझोला

घायल सम्यूम।

- पिता बोले- सफेद रंग की कार से आए थे पांच आरोपी बेटे को गाड़ी में खींचकर पीटा
- न्यूरिया पुलिस तहरीर मिलने पर जांच में जुटी

अमृत विचार: दुकान के बाहर खड़े व्यापारी के पुत्र पर कार सवार पांच लोगों ने हमला कर दिया। उसे पकड़कर गाड़ी से खींचते ले गए और पिटाई की। आरोपियों ने कार्रवाई करने पर परिवार समेत जान से मारने की धमकी दी है।

न्यूरिया थाने में दी गई तहरीर में नगर पंचायत गुलड़िया भिंडारा के वार्ड नंबर छह निवासी मोहम्मद अय्यूब ने बताया कि सोमवार शाम करीब 7:30 बजे वह नेहरू इंटर कॉलेज के पास दुकान के सामने खड़े थे। इस बीच सफेद रंग की कार आई। जिसमें पांच लोग सवार थे। आरोपियों ने उनके पुत्र मोहम्मद सम्यूम पर हमला कर दिया। आरोप है कि बेटे का गिरेबान पकड़ा और कार स्टार्ट कर भगाने लगे। भीतर सवार लोग बेटे की पिटाई करते रहे। उसे भिंडारा मंदिर के पास ले गए और फिर वहां पर भी मारपीट की। जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस घायल का मेडिकल परीक्षण कर जांच कर रही है।

पुराने भवन में कस्बा पुलिस चौकी शुरू

संवाददाता, बीसलपुर

पुलिस चौकी को लेकर पुलिस कर्मियों को निर्देश देती सीओ प्रगति चौहान।

अमृत विचार: एसपी अभिषेक यादव के निर्देश पर मोहल्ला हबीबुल्लाह खां शुमाली से स्टेशन जाने वाले मार्ग पर पूर्व विधायक द्वारा बनाए गए भवन में मंगलवार को कस्बा पुलिस चौकी शुरू की गई।

बता दें कि एसपी ने अपराधियों पर शिकंजा कसने पर अंकुश लगाने के लिए मोहल्ला हबीबुल्लाह खां शुमाली से होकर स्टेशन पर जाने वाले मार्ग पर करीब आठ साल पहले पूर्व /तत्कालीन विधायक रामसरन वर्मा ने भवन का निर्माण कराया था। उन्होंने इस भवन को पुलिस चौकी स्थापित करने के लिए दिया था। तत्कालीन कस्बा चौकी प्रभारी शरद यादव कुछ दिनों तक चौकी चलाते रहे लेकिन उनका स्थानांतरण इसी बीच हजारा थाना अध्यक्ष के पद पर हो गया। उसके बाद इस चौकी में पुलिसकर्मियों ने बैठना बंद कर दिया। पूर्व विधायक की शिकायत पर एसपी ने तत्काल पुलिस चौकी चालू करने के निर्देश दिए। जिसके अनुपालन में मंगलवार को सीओ प्रगति चौहान, कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने उक्त भवन में फर्नीचर उपलब्ध कराने के बाद पुलिस चौकी को पुनः शुरू करा दिया है। इस चौकी पर दरोगा प्रवेश कुमार, हेड कांस्टेबल मुनेश कुमार समेत कई पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

नेपाली हाथियों ने पंपिंग सेट तोड़े, फसलों को रौंदा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

नेपाली हाथियों द्वारा क्षतिग्रस्त किया गया पंपिंग सेट।

हाथियों द्वारा रौंदी गई गेहूं की फसल। ● अमृत विचार

- देर रात आबादी के नजदीक हाथियों के पहुंचने पर ग्रामीणों में हड़कंप
- वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंची, निगरानी में जुटी टीमें

अमृत विचार : नेपाली हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार रात नेपाली हाथियों ने मरौरी गांव में दस्तक देने के साथ ही जमकर उत्पात मचाया। खेतों में रखे किसानों के पंपिंग सेटों को तोड़ डाला और खेतों में खड़ी कई बीघा गेहूं की फसल को रौंद डाला। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जायजा लेने के बाद निगरानी बढ़ाई गई है। फिलहाल जंगली हाथियों द्वारा किए गए नुकसान के बाद ग्रामीणों में खासा आक्रोश देखा जा रहा है।

नेपाल की शुक्ला फांटा सेंचुरी से जंगली हाथियों की आमद अब वन महकमे के साथ ही किसानों के लिए सिरदर्द बनने लगी है। बीते दिनों नेपाल से आए हाथियों का झुंड ने महोफ रेंज में उत्पात मचाते हुए जंगल सीमा पर लगी करीब 50 मीटर जाल फैसिंग को तोड़ डाला था, साथ ही खेतों में खड़ी गेहूं और गन्ने की फसल को भी रौंद डाला था। अगले दिन हाथियों ने महोफ गेट पर जमकर उत्पात मचाया था। हालांकि इसके बाद जंगली हाथी शांत हो गए थे। इधर सोमवार रात नेपाली हाथी फिर उग्र हो उठे। हाथियों ने जंगल से निकलकर मरौरी गांव की सीमा में दस्तक दी। इस दौरान हाथियों ने किसान झम्मन लाल, परमाई लाल के खेत में रखे पंपिंग सेटों को तोड़ डाला। इसके बाद हाथियों ने खेतों में पहुंचकर गेहूं की फसलों को भी बुरी तरह रौंदा। ग्रामीणों के मुताबिक हाथियों ने किसान देवकुमार, डालचंद, प्रभुदयाल, कंधई लाल की 20 बीघा जमीन पर खड़ी गेंहू की फसल को रौंद डाला। हाथियों की आने की जानकारी मिलने के बाद गांव में रात भर खासा हड़कंप देखा गया। हाथियों की आवाजाही और फसलों के नुकसान को लेकर किसानों में खासा आक्रोश देखा जा रहा है। इधर सूचना मिलने के बाद मंगलवार सुबह क्षेत्रीय वनकर्मी और बाघ मित्र मौके पर पहुंचे। टीम ने किसानों से भी बात की। किसानों ने जल्द मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है। फिलहाल वन विभाग की ओर से निगरानी बढ़ा दी गई है। इस संबंध में पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि हाथियों के आने की जानकारी पर टीम को मौके पर भेजा गया था। ग्रामीणों को जागरूक करने के साथ निगरानी बढ़ा दी गई है।

नववर्ष के जश्न पर रहेगी पुलिस की नजर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पुलिस बल के साथ गश्त करते एएसपी और सीओ। ● अमृत विचार

- पिकनिक स्पॉट, मुख्य स्थानों पर तैनात रहेगी पुलिस, खाका तैयार
- रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, होटलों की होगी चेकिंग, एसपी ने दिए निर्देश

अमृत विचार : नए साल के जश्न की आड़ में अराजकता फैलाने वालों से पुलिस सख्ती से निपटेगी। 31 दिसंबर की रात अगर किसी ने कानून व्यवस्था से खेलने की कोशिश की तो सीधे सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा। शहर से लेकर हाईवे और पिकनिक स्पॉट तक खाकी की सख्त घेराबंदी रहेगी और हर संदिग्ध गतिविधि पर पुलिस की पैनी नजर होगी।

नए साल के जश्न को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है। 31 दिसंबर की शाम से लेकर एक जनवरी तक जिलेभर में सुरक्षा का कड़ा पहरा रहेगा। पिकनिक स्पॉट, होटल, ढाबे, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और प्रमुख बाजारों में पुलिस की पैनी नजर रहेगी। शराब के नशे में हुड़दंग, छेड़छाड़ या कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। नए साल के मौके पर बढ़ने वाली भीड़ और जश्न के माहौल को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। शहर के प्रमुख चौराहों, पिकनिक स्पॉट और भीड़भाड़ वाले इलाकों में करीब 200 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। 31 दिसंबर की शाम से एक जनवरी तक होटल, ढाबों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और प्रमुख बाजारों में सघन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। नववर्ष के जश्न के दौरान लोग पिकनिक स्पॉट और होटलों में पार्टी करते हैं, जहां नशे में हुड़दंग की घटनाओं की आशंका रहती है। इसे देखते हुए मंगलवार शाम से ही शहर में सतर्कता बढ़ा दी गई है। प्रमुख मार्गों और चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। एएसपी विक्रम दाहिया ने बताया कि जिले में दो सौ से अधिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। शहर में अतिरिक्त फोर्स के साथ कुछ पुलिसकर्मी सादी वर्दी में भी तैनात किए गए हैं, जो होटल, ढाबों, शराब की दुकानों, पार्कों और पिकनिक स्पॉट पर नजर रखेंगे। साथ ही महिला पुलिस कर्मी भी तैनात की जाएगी। शोहदों, नशा कर बवाल करने वालों और कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी और डायल 112 की गाड़ियों को लगातार भ्रमणशील रहने के निर्देश दिए गए हैं। 31 दिसंबर की शाम छह बजे से रात दो बजे तक होटल, ढाबों, धर्मशालाओं, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, सिनेमा हॉल और मुख्य बाजारों में विशेष चेकिंग टीमें करेंगी। संवेदनशील मार्गों पर बैरियर लगाकर वायरलेस के साथ पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। जश्न के नाम पर हुड़दंग करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★पतले-दुबले
★गाल पिचके
★कमजोर स्त्री-पुरुष
★मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
● स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
● हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
● इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
● वीर्य में शुक्राणु का कम होना
● ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
● यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
● मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

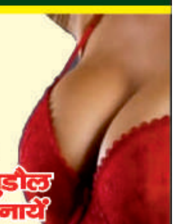

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें
अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें

Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें

गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें

डॉ. साहब
आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते

मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
21 दिसंबर 2025, रविवार
04 जनवरी 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

पार्किंग स्थल बने न कब्जा हटा, झेलते रहिए जाम

पूरे साल जिम्मेदारों ने व्यवस्था में सुधार के किए दावे, हकीकत में नहीं बदली शहर की तस्वीर, लोग हो रहे परेशान

शहर का हाल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : शहर की सड़कों पर लंबे समय से राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बनीं जाम की समस्या साल 2025 में भी दूर नहीं हो सकी है। इसके लिए धरना प्रदर्शन, जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन भी खूब हुए। जिम्मेदारों ने दौड़ भाग कर औपचारिकता भी निभाई, लेकिन व्यवस्था सुधार के नाम पर सिर्फ आश्वासन दिए जाते रहे। फुटपाथ पर काबिज अतिक्रमणकारियों पर शिकंजा नहीं कसा जा सका। वहीं, पार्किंग स्थल को लेकर भी कोई कदम नहीं उठाया जा सका है। नतीजतन अभी भी राहगीरों को जाम का झाम झेलना पड़ रहा है।

शहर की एक बड़ी समस्या सड़कों पर लगने वाला जाम है। ये समस्या कई सालों से बढ़ती जा रही है। दिन में कई बार मुख्य सड़कों पर वाहनों का लोड बढ़ते ही राहगीर फंसकर परेशान होते हैं। इसकी दो मुख्य वजह मानी जाती हैं। एक सड़कों पर पार्किंग स्थल न होने से बेतरतीब तरीके से वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है। बिना पार्किंग के प्रतिष्ठान हैं। बड़े -बड़े नामचीन प्रतिष्ठानों में पहुंचने वाले लोगों के वाहन भी सड़क और फुटपाथ घेरकर ही खड़े किए जाते हैं। इसके अलावा सड़कों पर दुकानों के आगे अतिक्रमण की भरमार है। 2015 में तत्कालीन सिटी मजिस्ट्रेट जितेंद्र कुमार शर्मा की अगुवाई में चलाए गए अभियान में शहर की सड़कों की असल चौड़ाई निकलकर सामने आई थी। इसके बाद आए जिम्मेदारों ने इतनी सख्ती नहीं की, जिससे अतिक्रमणकारियों से खाली कराए गए फुटपाथ बचे रहें। सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए कई बार अभियान चले और फजीहत कराकर समाप्त हो गए। इस साल कई बार अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे को उठाया। कई ज्ञापन दिए गए। धरना प्रदर्शन के साथ ही जाम लगाकर प्रदर्शन किया गया। अभी कुछ दिन पहले ही आंदोलन की चेतावनी दी गई थी, लेकिन फिलहाल इस बार भी आश्वासन पर स्थगित कर दिया गया। मुहिम रंग नहीं ला सकी। इस दौरान पार्किंग स्थल के लिए जगह भी चिन्हित की गई। वेंडिंग जोन बनाने की भी कार्रवाई चली। मगर चिन्हित जमीन पर भी सिर्फ वेडिंग जोन का बोर्ड ही लग सका। इसके अलावा जिन-जिन स्थानों से अतिक्रमण हटाया जाना था। वहां पर कार्रवाई नहीं की गई, फजीहत से बचने के लिए वहीं पर वेडिंग जोन के बोर्ड लगवा दिए गए। नतीजतन शहरवासियों को अभी भी जाम की दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों ने नगरपालिका के जिम्मेदारों के रुचि न लेने की बात कहकर साख बचाई तो नगरपालिका के जिम्मेदार ये कहते रहे कि प्रशासन की मदद से अभियान चलेगा। फिलहाल तस्वीर को बदला नहीं जा सका। सुनगढ़ी तिराहा, गांधी स्टेडियम रोड, रेलवे स्टेशन मार्ग, छीपीयान चौराहा, लोहा मंडी, जेपी रोड ही नहीं, टनकपुर हाईवे पर भी असम चौराहा से लेकर कचहरी तक हालात बदतर बने हुए हैं।

साप्ताहिक मंगल बाजार को लेकर सड़क पर लगा जाम। ● अमृत विचार

● फुटपाथ पर सजाई जा रही दुकानें, कहीं चल रहे वर्कशाप

साप्ताहिक बाजार को लेकर पहले की सख्ती

शहर के जामा मस्जिद घेर में साप्ताहिक बाजार मंगलवार को लगाई जाती है। यहां पर मस्जिद घेर परिसर में ही दुकानें लगाने की अनुमति हैं। गैर जनपद से बड़ी संख्या में व्यापारी आकर दुकानें लगाते हैं। नियम विरुद्ध तरीके से सड़कों पर ही दुकानें सजा दी जाती हैं। अस्पताल, स्कूल नजदीक हैं। एक बार तो जाम में फंसकर एक मरीज की जान भी चली गई थी। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने भी शिकायतें की। कुछ सख्ती हुई और दुकानें चंद दिन तक सड़कों पर नहीं लगाई गई। फिर धीरे-धीरे निगाहें फेर ली गई और अब बाजार सड़क पर ही सज रहा है। साप्ताहिक बाजार के दिन आसपास के कई मुख्य मार्ग पर आवागमन बाधित रहता है।

गांधी स्टेडियम रोड पर सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहन। ● अमृत विचार

ई-रिक्शा के रूट बनाए पालन नहीं करा पाए

अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग की समस्या का जब समाधान नहीं हो सका तो ई-रिक्शा को जाम की वजह बताकर सख्ती शुरु की गई। पुलिस और परिवहन विभाग ने संयुक्त रूप से ई-रिक्शा के रूट तय किए। बाजार समेत अन्य व्यस्ततम इलाकों में ई-रिक्शा के प्रवेश पर रोक लगाई। आदेश तो कर दिए गए, लेकिन उसका भी पालन जिम्मेदार नहीं करा सके हैं।

सजायाफ्ता सभासद की सदस्यता खत्म करने की मांग

अमृत विचारः साल के अंतिम दिनों में एक बार फिर नगरपालिका में चल रही सभासदों के बीच की रार अफसरों तक पहुंच गई। कुछ सभासद डीएम से मिले और वार्ड नंबर दो के सभासद राशिद हुसैन के खिलाफ मोर्चा खोला। सजायाफ्ता होने के बाद भी सदस्यता खत्म न होने पर जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। डीएम ने ईओ से संबंधित प्रकरण की रिपोर्ट मांगी है।

नगर पालिका में काफी समय से सभासदों के दो गुट बन चुके है। एक पक्ष पालिकाध्यक्ष के समर्थन में जबकि दूसरा राज्यमंत्री के नगर पालिका प्रतिनिधि के साथ शिकायतें करता है। सालभर दोनों तरफ से शिकायतें की जाती रही। मंगलवार को सभासदों के एक गुट ने डीएम से मुलाकात की। इस दौरान शिकायत कर बताया कि शहर के वार्ड नंबर दो के सभासद राशिद हुसैन को अपर सत्र न्यायालय कोर्ट नंबर पांच ने जुआ अधिनियम की विभिन्न धाराओं में सुनवाई करते हुए व अन्य आरोपियों को छह वर्ष के कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई थी। सजा होने के बाद सभासद को पद से हटा दिया जाना चाहिए था आरोप है कि नगर पालिका के जिम्मेदारों ने कोई कार्रवाई नहीं की है। आरोप लगाया कि पेशेवर अपराधियों और असामाजिक तत्वों को संरक्षण दिया जा रहा है।

केंद्र पर किसानों से हो रही थी वसूली

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः गन्ना क्रय केंद्रों की व्यवस्थाओं को चाक चौबंद होने का दावा करने वाले जिला गन्ना अधिकारी के सामने ही हकीकत खुल गई। निरीक्षण के दौरान किसानों ने बताया उनसे उतरवाई के नाम पर 150 रुपये लिए जा रहे है। पूछने पर तौल लिपिक कोई जवाब नहीं दे सके। फिलहाल अब कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

गन्ना क्रय केंद्र बिठौरा खुर्द का जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक रामभद्र द्विवेदी ने निरीक्षण किया। क्रय केंद्र पर प्रेमपाल तौल करा रहे थे। तौल लिपिक ने बताया कि वह इस क्रय केंद्र पर 18 दिसंबर से तौल कर रहे हैं। अब तक क्रय केंद्र पर 15307.64 क्विंतल गन्ने की खरीद की जा चुकी है। किसानों ने बताया कि वह तौल के लिए क्रय केंद्र पर पहुंचते हैं तो उनसे गन्ना उतराई के नाम पर 150 रुपये लिए जाते है। जब इस संबंध में तौल लिपिक से बात की गई तो वह कोई जवाब नहीं दे सका। निरीक्षण की मूल प्रति संबंधित दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही के लिए सहायक चीनी आयुक्त बरेली को भेज दी गई। जिला गन्नाधिकारी ने बताया कि डीएम के संज्ञान मे लाकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गन्ना क्रय केंद्र का निरीक्षण करते जिला गन्नाधिकारी खुशीराम भार्गव।

● निरीक्षण करने पहुंचे डीसीओ के सामने ही खुली पोल

यूपी बोर्ड : सूची से आठ सेंटर कटे, 11 नए जोड़े

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● 69 परीक्षा केंद्र हुए फाइनल अंतिम सूची जारी

● एसडीएम की संस्तुति पर हुआ फेरबदल, 18 फरवरी से है परीक्षा

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद 2026 परीक्षा को लेकर जनपद के 69 परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची जारी कर दी है। 6 दिसंबर तक अभिभावकों और छात्र-छात्राओं से आपत्तियां मांगी गई थी। अंतिम सूची में आठ परीक्षा केंद्रों को काटकर 11 नए परीक्षा केंद्र जोड़ते हुए 69 परीक्षा केंद्रों पर अंतिम मुहर लगा दी गई है। ऐसे में केंद्र बनवाने की होड़ में जुटे कई प्रबंधक और प्रधानाचार्य को निराशा हाथ लगी है।

बता दें कि यूपी बोर्ड की परीक्षा 18 फरवरी से आरंभ हो रही है। यह परीक्षा मार्च तक चलेंगी। इसको लेकर अभी एक माह पहले डीआईओएस की ओर से केंद्रों का निर्धारण करते हुए शुरुआत में 66 केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। जिसके बाद 4 दिसंबर तक आपत्ति मांगी गई थी। जिनमें स्कूल और प्रबंधक की ओर से अधिक दूरी और केंद्र बनाने का प्रस्ताव भेजा गया था। हालांकि सूची में कई ऐसे कॉलेजों को भी शामिल कर लिया गया था, जिनमें मूलभूत सुविधाएं नहीं थीं। आपत्तियों का निस्तारण करते हुए बोर्ड को भेज दी गई। इसके बाद कई स्कूल संचालकों ने दोबारा से अपने स्कूल को केंद्र बनाए जाने के लिए आपत्ति दर्ज की हैं, तो कुछ ने अपने स्कूल को हटाए जाने के लिए आवेदन दिया। कई स्कूल संचालकों ने छात्रों की क्षमता भी अधिक होने की बात कही गई थी। इन आपत्तियों के आधार पर अंतिम सूची को फाइनल करते हुए आठ केंद्रों को सूची से काट दिए गए हैं। इनमें नत्था देवी इंटर कॉलेज रुपपुर कमालू, राजकीय हाईस्कूल टंडोरपुर, जय सत गुरुदेव सविता आत्माराम इंटर कॉलेज महदिया पूरनपुर, उमाशंकर मैमोरियल इंटर कॉलेज पैतबोझी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय इंटर कॉलेज खमरिया पुल, राजकीय इंटर कॉलेज शेर मोहम्मद, श्रीरामलाल सबलपुर रम्पुरा फकीरे पूरनपुर और मॉडल इंटर कॉलेज माधोपुर अमरिया शामिल हैं। इन स्कूलों को एसडीएम की सत्यापन के दौरान व्यवस्थाएं नहीं पाई गई, इसलिए सूची से हटा दिया गया। इन स्कूलों को कटने के बाद नए तौर पर शहर में चिरौंजी लाल वीरेंद्र पाल इंटर कॉलेज, जेसीस रिवरडिल इंटर कॉलेज पूरनपुर, एसजीटीबी इंटर कॉलेज बड़ापुरा अमरिया, गुरु नानक इंटर कॉलेज मुड़ैलिया भैंसहा, उमाराव सिंह इंटर कॉलेज दियोरिया कला, चौधरी उमराव सिंह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, एसजीएस हाईस्कूल माला बाजार, चौधरी निहाल सिंह इंटर कॉलेज ऐमी, निशा गर्ल्स इंटर कॉलेज बीसलपुर, एसबीपीइंटर कॉलेज मुड़ैया रतनापुरी और जीडीएसके इंटर कॉलेज सफौरा बीसलपुर को सत्यापित करते हुए परीक्षा केंद्र के रुप में शामिल किया गया है। इनके परीक्षा केंद्रों को शामिल करने के बाद संख्या 69 पर पहुंच गई है। जिन पर बोर्ड की ओर से अंतिम मुहर लगा दी गई है। साथ ही केंद्रों पर अन्य व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं।

राज्यमंत्री ने चाय पर चर्चा कर सवालों के दिए जवाब

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः गन्ना विकास एवं चीनी मिल राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार मंगलवार सुबह चावला चौराहा पर पहुंचकर चाय पर चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुए। क्षेत्र के विकास और उपलब्धियों पर चर्चा हुई। इस दौरान उनका स्वागत भी किया गया।

कड़ाके की सर्दी के बीच मुख्य बाजार से सटे चौराहा पर हुए इस कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। चौपाल लगाकर सवाल जवाब हुए और राज्यमंत्री ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पीलीभीत विधानसभा क्षेत्र में विकास को तेज गति मिली है। मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, भरापचपेड़ा में खमीर प्लांट, पीएमश्री विद्यालय, शाही के समीप अटल आवासीय विद्यालय की स्थापना समेत बेरोजगार युवाओं के लिए भरापचपेड़ा में उद्योगों की स्थापना कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पीटीआर में पर्यटकों के लिए टेंट सिटी के निर्माण की स्वीकृति के बारे में भी बताया। इसके बाद उन्होंने अपने आवास पर जन समस्याएं सुनीं और निस्तारण के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। राज्यमंत्री ने अपने जनसहयोग कार्यालय पर भाजपा के पूर्व प्रदेश सह महामंत्री (संगठन) भवानी सिंह की जयंती पर पुष्पाजंलि अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर भाजपा नगराध्यक्ष इन्द्रेश सिंह चौहान, अंबरीश शर्मा, ओमकार मौर्य, सभासद साकेत सक्सेना, मनोज पटेल, विनोद तिवारी, श्रवण सिंह जैसवार, अटल वाल्मीकि, शिव नरायन, ऋषिराम श्रीवास्तव, विजय शाही, अनीता कश्यप आदि मौजूद रहे।

चाय पर चर्चा कार्यक्रम में लोगों से संवाद करते राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार। ● अमृत विचार

निशक्तजन सेवा संस्थान बांटेगा 100 कान की मशीन

पीलीभीत, अमृत विचारः नए साल पर निशक्तजन सेवा संस्थान की ओर से 100 ऐसे जरूरतमंद जो कि सुनने में असमर्थ हैं, उनको कान की मशीन निःशुल्क वितरित करेगा। इसे नए साल के पहले मासिक शिविर में वितरित किया जाएगा। जिसके लिए पंजीकरण किए जा रहे हैं।

निशक्तजन सेवा संस्थान के अध्यक्ष अमृतलाल ने बताया कि वर्ष 2026 में जिले में सुनने में असमर्थ अर्थात वधिरता के अभिशाप से लोगों को मुक्त करने का संकल्प लिया गया है। इसके लिए संस्थान द्वारा 12 जनवरी को लगाए जाने वाले मासिक शिविर में कम सुनने वाले लोगों को 100 कान की मशीनों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा।

बाल विवाह मुक्त भारत बनाने को किया प्रेरित

बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ लेते ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः महिला कल्याण विभाग द्वारा जिला प्रोबेशन अधिकारी और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरुक किया जा रहा है।

वीर बाल दिवस 100 दिन जागरूकता अभियान के तहत हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन की टीम भी लगाई है। टीम ने मंगलवार को जिला अस्पताल, स्वयं सहायता समूह प्रशिक्षण केंद्र, यशवंतरी मंदिर, गांधी स्टेडियम आदि सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर लोगों को बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाई। इसका उद्देश्य बाल विवाह को रोकना और लोगों को इसके प्रति जागरूक करना है। लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया।

बेवजह अधिक समय तक लंबित नहीं रखे जाएं आवेदन पत्रः जिलाधिकारी

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : डीएम ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में दशमोत्तर (उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थान) छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत जनपदीय अनुश्रवण व पर्यवेक्षण समिति की बैठक गांधी सभागार में संपन्न हुई। डीएम ने जनपद के समस्त विद्यालय/ शिक्षण संस्थानों (डिग्री कॉलेजों) के प्राचार्यों/प्रधानाचार्यों/ छात्रवृत्ति नोडल अधिकारियों को शासन द्वारा निर्धारित समय-सारिणी में निहित व्यवस्थानुसार विभिन्न वर्गों (सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक वर्ग, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति छात्र/ छात्राओं) की छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदनों को नियमानुसार शत-प्रतिशत पोर्टल से अग्रसारित/ निरस्त करने समस्त कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रत्येक दशा में विद्यालय/ संस्थान स्तर पर कोई भी आवेदन पत्र लंबित न रखने के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ राजेन्द्र कुमार श्रीवास, जिला समाज कल्याण अधिकारी चन्द्रमोहन विश्नोई, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी सुरेश कुमार मौर्य, रामलुभाई साहनी महाविद्यालय प्राचार्य डा. सचिन गिहार आदि मौजूद रहे।

बैठक में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, सीडीओ राजेंद्र कुमार व सीएमओ डॉ .आलोक कुमार।

बासमती निर्यात केंद्र के लिए चिन्हित भूमि को देखा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः जनपद की बासमती की खुशबू को दुनिया तक पहुंचाने के लिए जनपद में बासमती निर्यात प्रोत्साहन केंद्र को मंजूरी दी गई है। इधर मंजूरी मिलने के बाद केंद्र की स्थापना को लेकर तैयारियां भी शुरू हो चुकी है। मंगलवार को बासमती निर्यात केंद्र के संयुक्त निदेशक ने टांडा बिजैसी में पहुंचकर चिन्हित की गई भूमि का निरीक्षण किया। इस दौरान भूमि की नापजोख भी कराई गई। उम्मीद है कि जल्द ही निर्यात केंद्र का निर्माण शुरू कराया जाएगा।

शासन स्तर से बासमती की खेती को बढ़ावा देने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जनपद में भी प्रमुख फसलों के साथ ही बासमती की खेती की जाती है। खास बात यह है कि जनपद में पैदा होने वाले बासमती चावल देश के साथ कुछ अन्य देशों को भी निर्यात की जाती है। इधर जनपद में बासमती धान की खेती को बढ़ावा देने और उपज का बेहतर मूल्य दिलाने को लेकर केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने प्रयास किया। बीते दिनों केंद्रीय मंत्री के प्रयास के बाद जनपद में बासमती निर्यात प्रोत्साहन केंद्र एवं जैविक प्रदर्शन फार्म को मंजूरी भी दे दी गई थी। इसको लेकर अमरिया तहसील क्षेत्र के टांडा बिजैसी में सात एकड़ भूमि भी चिन्हित की गई। इधर, मंगलवार को मेरठ के मोदीपुरम स्थित बासमती निर्यात प्रोत्साहन केंद्र के संयुक्त निदेशक डॉ. रितेश शर्मा ने टांडा बिजैसी पहुंचकर चिन्हित भूमि का निरीक्षण किया। इस दौरान चिन्हित भूमि की नाप जोख भी कराई गई। स्थानीय अधिकारियों से प्रोत्साहन केंद्र के बारे में बातचीत भी की गई। इस दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को प्रोत्साहन केंद्र का निर्माण जल्द शुरू कराए जाने के निर्देश दिए। उम्मीद है कि बासमती निर्यात प्रोत्साहन केंद्र की स्थापना होने से पीलीभीत की पहचान देश-विदेश में एक प्रमुख बासमती उत्पादक एवं निर्यातक क्षेत्र के रूप में हो सकेगी। निरीक्षण के दौरान जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल समेत कार्यदायी संस्था के अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण करते संयुक्त निदेशक डॉ . रितेश शर्मा व अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

● टांडा बिजैसी में जल्द शुरू कराया जाएगा निर्माण कार्य

न्यूज ब्रीफ

तमंचे की बट से सिर फोड़ा, दो पर रिपोर्ट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खीरी के गांव सैदीपुर निवासी रामलखन ने बताया कि सोमवार को वह अपने खेत पर पहुंचा, जहां ग्राम प्रधान केशव राज व उसके साथी चोरी से गन्ना काट रहे थे। विरोध करने पर सभी ने लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि केशव राज ने तमंचे की बट से सिर पर वार किया, जिससे सिर फट गया, वहीं बाएं हाथ पर बगौड़ी लगने से हाथ कट गया। आरोपियों ने रास्ते में रोककर फर्जी मुकदमों में फंसाने और जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायल का मेडिकल परीक्षण कराया है।

गुरुद्वारे से सोलर पैनल व बैटरी चोरी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना फरधान क्षेत्र के ग्राम गुठना बुजुर्ग निवासी हरपाल सिंह ने बताया कि चोरों ने उसके खेत में लगे मोटरों के दो स्टार्टर चोरी कर लिए। इसके बाद घर के पास स्थित गुरुद्वारे का ताला तोड़कर वहां रखे सोलर पैनल, बैटरी व धार्मिक सामग्री उठा ले गए। पीड़ित के अनुसार गांव के ही मोहर्रम खां, मोनीश खां, फईम खां, जमशेद, दानिश खां व एक अज्ञात व्यक्ति को ग्रामीणों ने मौके पर देखा, लेकिन भय के कारण कोई गवाही देने को तैयार नहीं है। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक को लात-घूंसों और डंडों से पीटा

फरधान, अमृत विचार : थाना फरधान क्षेत्र के गांव चिन्हारपुर निवासी उमेन्द्र वर्मा ने बताया कि शाम करीब 5 बजे वह घर लौट रहा था। तभी परसराम, रामू, शीलू और लालगिरि ने उसे घेर लिया और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लात-घूंसों व डंडों से हमला कर उसे घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच एसआईअरविंद कुमार सिंह को सौंप दी है।

फिटनेस सेंटर बंद करने से व्यापारियों में रोष

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल जिला महामंत्री उमेश शुक्ला ने बताया कि राज्य सड़क एवं परिवहन मंत्रालय द्वारा फिटनेस सेंटर को बंद न किए जाने को लेकर बुधवार को सुबह 11 बजे एक ज्ञापन डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को दिया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में व्यापारी शामिल होंगे।

पालिका की बैठक में लिया गया ई-रिक्शा रूट का निर्णय खारिज

रूट प्लान पर नहीं बनी सहमति, पहले की तरह ही नगर में होगा संचालन, ई-रिक्शा चालक प्रतिनिधिमंडल रेट लिस्ट बनाकर प्रशासन को दे

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः नगर पालिका परिषद में 16 दिसंबर को चेयरमैन, अधिकारियों और गोला टूरिज्म के पदाधिकारियों के बीच हुई बैठक में ई-रिक्शा संचालन को लेकर बनाए गए रूट प्लान के निर्णय को मंगलवार को विधायक के साथ हुए मंथन के बाद खारिज कर दिया गया। इससे ई-रिक्शा चालकों को बड़ी राहत मिली है।

तहसील सभागार में विधायक अमन गिरि की अध्यक्षता में चेयरमैन विजय शुक्ला रिंकू, एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी, सीओ रमेश कुमार तिवारी, ईओ संजय कुमार समेत तहसील व पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हुई बैठक में नगर में ई रिक्शा के संचालन को पहले की तरह ही संचालित किए जाने, ई-रिक्शा चालकों, संचालकों को नगर पालिका से पंजीकरण कराए जाने, बगैर लाइसेंस और नाबालिक ई रिक्शा चालकों को रिक्शा न चलाएं जाने, ई रिक्शा पर चालक का नाम, मोबाइल नंबर अंकित किए जाने और रेट निर्धारित कर लिस्ट रिक्शा पर चस्पा किए जाने की सहमति बनी।

गोला तहसील सभागार की बैठक में विधायक, पालिकाध्यक्ष, एसडीएम और अन्य अधिकारी। • अमृत विचार

- नगर पालिका से पंजीकरण कराना और लाइसेंस जरूरी
- कागज पूरे किए जाने को एक माह का दिया गया समय

विधायक ने ई-रिक्शा चालकों के प्रतिनिधिमंडल से रेट लिस्ट बनाकर प्रशासन को देने की बात कही। ओवरवेट, ओवर हाइट ट्रकों से होने वाली दुर्घटना को लेकर यातायात निरीक्षक योगेंद्र पाल सिंह से इन पर लगाम लगाने, नगर में चार रूटों पर पायलट प्रोजेक्ट की तरह वन वे लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि उचित जगह उपलब्ध कराने पर दो मंजिला, भूमिगत पार्किंग की व्यवस्था भी करा दी जाएगी।

बैठक में लिए गए अन्य निर्णय

मंगलवार को तहसील सभागार में हुई बैठक में पटरी दुकानदारों के लिए जगह निर्धारित कर वेंडिंग जोन बनाने, ओवरहाइट, ओवरवेट गन्ना भरे वाहनों पर रोक लगाने, ई-रिक्शा के नगर में किराया निर्धारण को लेकर अगली बैठक करने, नगर में पायलट प्रोजेक्ट की तरह वनवे प्लान लागू किए जाने के लिए चार अस्थाई मार्ग तैयार करने को सीओ और यातायात पुलिस उप निरीक्षक को निर्देशित किया गया। इसके साथ ही ई रिक्शा पर मालिक और चालक का नाम, मोबाइल नंबर अंकित किए जाने को कहा गया। एक महीने के अंदर सभी आवश्यक प्रपत्र पूरे करने को भी निर्देशित किया गया।

विधायक के हस्तक्षेप से ई-रिक्शा चालकों को राहत

ई-रिक्शा के लिए रूट और किराया निर्धारण को लेकर सोमवार को ई रिक्शा चालकों ने हड़ताल कर विधायक को अपनी समस्याएं बताई थीं। मंगलवार को तहसील सभागार में एसडीएम, विधायक, चेयरमैन, गोला टूरिज्म के पदाधिकारी, व्यापारियों और ई-रिक्शा के प्रतिनिधिमंडल के मध्य हुई बैठक में ई-रिक्शा संचालक को चालकों को बड़ी राहत मिली है। अब नगर के ई रिक्शा चालक देहात और देहात के ई रिक्शा चालक शहर में भी संचालन पूर्व की तरह कर सकेंगे।

प्रतिनिधि मंडल के साथ अन्य ई-रिक्शा चालक भी दिखे संतुष्ट

नगर में ई रिक्शा संचालन को लेकर बैठक में पहले की तरह ही संचालन किए जाने की व्यवस्था से ई-रिक्शा चालकों के प्रतिनिधि मंडल के साथ अन्य रिक्शा चालक भी संतुष्टि दिखे। नगर के मोहल्ला मथुरा नगर निवासी ई रिक्शा चालक आशुतोष पांडे, सर्वादय नगर निवासी पवन कटियार, भूतनाथ कॉलोनी निवासी पंकज कश्यप, पिपरिया बुजुर्ग निवासी कलीम अली, गुप्ता कॉलोनी निवासी अशोक गुप्ता आदि चालको ने बैठक में तय किए गए प्रस्ताव पर सहमति व्यक्ति की। विधायक की अध्यक्षता में पिछली बैठक में निर्धारित किया गया रूट प्लान खारिज कर दिया गया। विधायक ने कहा कि ई रिक्शों का संचालन नगर में यथावत रहेगा। चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस और ई रिक्शा का पंजीकरण कराना आवश्यक होगा।

बैठक में नगर की अन्य समस्याओं पर हुई चर्चा

बैठक में एडवोकेट संदीप अवस्थी ने नगर में फुटपाथ पर आवागमन में होने वाली दिक्कतें, नाबालिग द्वारा चलाए जा रहे ई रिक्शा, माल, बैंक में पार्किंग की व्यवस्था आवश्यक रूप से किए जाने की बात कही। व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष पारस प्रसाद मिश्र ने नगर में पार्किंग व्यवस्था न होने के चलते जाम लगने, अतिक्रमण को लेकर नगर पालिका द्वारा हर महीने फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों का सतत निरीक्षण किए जाने, चालान, जुर्माना किए जाने की बात कही ताकि अतिक्रमण और जाम की समस्या से निजात मिल सके। गोला टूरिज्म के प्रेम गुप्ता ने ई रिक्शा के संचालक को तय की गई पहले की रूपरेखा बताई। एडवोकेट नरेश सिंह भदौरिया ने खुटार रोड पर फुटपाथ पर सब्जी की दुकानों के लगने से बनने वाली जाम की स्थिति, नगर की अलीगंज रोड रोड पर फास्ट फूड की दुकान रोड किनारे तक लगी होने, सड़क किनारे वाहनों के खड़े होने से लगने वाले जाम की समस्या बताई। श्रवण माहेश्वरी, जिला उपाध्यक्ष विनोद वर्मा, विनोद स्वर्णकार, अचल श्रीवास्तव, विधानसभा संयोजक अवधेश मिश्रा आदि ने जाम और अतिक्रमण से निजात दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने की बात कही।

हिंदू सम्मेलन श्रृंखला का किया गया आरंभ

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- आरएसएस शताब्दी वर्ष पर नगर में होंगे 12 विराट हिंदू सम्मेलन

अमृत विचारः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर सम्पूर्ण भारतवर्ष में हो रहे विराट हिंदू सम्मेलनों की श्रृंखला में गोला नगर में भी 12 सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में पंजाबी कॉलोनी स्थित श्रीराम मंदिर परिसर में आमंत्रण पत्र वितरण एवं अक्षत पूजन किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं अक्षत पूजन के साथ हुआ, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं राष्ट्रभाव से ओतप्रोत हो गया। नगर कार्यवाह महेन्द्र पाठक ने कहा कि आरएसएस का शताब्दी वर्ष राष्ट्र, संस्कृति और समाज के पुनर्जागरण का महत्वपूर्ण अवसर है। विराट हिंदू सम्मेलन समाज को संगठित कर सनातन मूल्यों, सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय एकता को सशक्त करने का कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि नगर के स्वयंसेवक अक्षत एवं निमंत्रण पत्र लेकर बस्ती में संपर्क करेंगे। साथ ही पोस्टर, होल्डिंग सहित अन्य माध्यमों से व्यापक जनसंपर्क किया जाएगा। सम्मेलन से पूर्व दो-तीन दिन पहले पदयात्रा भी निकाली जाएगी। उन्होंने समस्त हिन्दू समाज एवं नगर के गणमान्य नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने का आग्रह किया। बताया कि हिंदू सम्मेलन का पहला कार्यक्रम चार जनवरी को सायं 3 बजे, शहनाई गेस्ट हाउस लखीमपुर रोड गोला में होगा। इस अवसर पर नगर संघ चालक कौशल, जिला कार्यवाह विवेक, विधायक अमन गिरि सहित नगर के सैकड़ों गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, मातृशक्ति, युवा वर्ग एवं स्वयंसेवकों की मौजूदगी रही।

मनुवाद ब्राह्मणों पर टिप्पणी को लेकर विवादों में सपा नेता

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- ब्राह्मण भंगी एक समान नारे पर विहिप नेता ने जताई कड़ी आपत्ति
- ब्राह्मणों पर की टिप्पणी से भड़के लोगों ने शुरू किया प्रदर्शन

अमृत विचारः ब्लॉक बांकेगंज की ग्राम पंचायत कुकरा में सोमवार को आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में सपा नेता के मंच से नारा लगाने कि मनुवाद की क्या पहचान, ब्राह्मण भंगी एक समान को लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया। लोग उनके बयानों को लेकर काफी आक्रोशित हैं और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। उधर विहित नेता आचार्य संजय मिश्रा ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने सपा नेता को परिवार समेत घर वापसी का निमंत्रण दिया है।

दरअसल सोमवार को ग्राम पंचायत कुकरा में बिजली पासी, लखन पासी बाबा भीमराव अंबेडकर की मूर्ति के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया था। आयोजन में कई नेताओं के साथ सपा नेता रेहान खान भी शामिल थे। उन्होंने मनुस्मृति का बखान करते हुए मंच से कहा कि ब्राह्मण और भंगी एक समान हैं"। उनके इस कथन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसके बाद समाज के विभिन्न वर्गों में नाराजगी देखने को मिल रही है। कुछ लोगों का कहना है कि इस तरह की टिप्पणी से सामाजिक भावनाएं आहत हुई हैं और यह बयान समाज में वैमनस्य फैलाने वाला है।

कुछ लोगों ने इसे मनुवाद की आलोचना के संदर्भ में दिया वक्तव्य बताते हुए अलग तरह से व्याख्यायित करने की बात कही है। आक्रोशित लोगों ने सपा नेता रेहान खान का विरोध तेज करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। विहिप के प्रांतीय अधिकारी एवं प्रमुख समाजसेवी आचार्य संजय मिश्रा ने जारी बयान में कहा कि समाजवादी पार्टी के मंच से लगाए गए नारे से समाज में वैमनस्य फैलने की आशंका है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग मनुवाद और हिंदू धर्म की गलत व्याख्या कर रहे हैं।

आचार्य मिश्रा ने कहा कि मनुस्मृति सनातन परंपरा का ग्रंथ है, जो समाज को जोड़ने का कार्य करती है और इसमें किसी को छोटा-बड़ा नहीं माना गया है। जिनके पुरखों ने विदेशी आक्रमण कारी मुगलों के डर से माता, बहनों, बेटियों को मुगलों को सौंपकर स्वयं तलवार के डर से सलवार पहनकर क्रूर इस्लाम धर्म अपना लिया। वे आज हिंदू धर्म की व्याख्या कर रहे हैं। इनको स्वयं सोचना चाहिए कि इनकी बहन-बेटियों, दादा-दादी के साथ कैसा व्यवहार किया होगा, वह हिंदुओं, दलितों, ब्राह्मणों ने नहीं तुर्की मुगलों ने किया। इन्हें हिंदू धर्म पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। मनुस्मृति में कोई बड़ा छोटा नहीं है। ये सनातन है। रेहान खान प्रायश्चित कर पुनः मनुस्मृति के शरण में आ जाएं। इनके पुरखे भी तर जायेंगे और आज किसी आक्रांत की हिम्मत नहीं वो धर्म परिवर्तन कर घर वापसी से रोक सके।

सपा नेता ने वीडियो जारी कर दी सफाई

विवाद बढ़ने के बाद सपा नेता रेहान खान ने अपने बयान को लेकर सफाई दी है। उन्होंने वीडियो संदेश जारी कर कहा कि 29 दिसंबर को कुकरा में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मनु स्मृति से जुड़े कुछ अंशों का उल्लेख किया था। यदि उनके शब्दों से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो वे अपने शब्द वापस लेते हैं। उनका उद्देश्य किसी समाज या वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था।

सपा नेता रेहान खान।

आचार्य संजय मिश्रा।

सपा नेता रेहान खान के खिलाफ एसओ पंकज त्रिपाठी को ज्ञापन देते ब्राह्मण समाज के लोग।

बाघ ने गोवंशीय पशु का किया शिकार, दहशत में ग्रामीण

संवाददाता, संसारपुर

अमृत विचारः मैलानी थाना क्षेत्र एवं भरिगवां बीट के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिसनौर के मजरा जिझारपुर निवासी अंबिका प्रसाद के खेत में बाघ ने एक गाय को अपना निवाला बनाया। ग्रामीणों के द्वारा शोर मचाने पर बाघ गाय को घसीटते हुए गन्ने के खेत में ले गया। सूचना वन विभाग को दे दी गई है।

वनरेंज मैलानी की भरिगवां वीट के जिझारपुर गांव के करीब बीती रात बाघ ने एक गाय पर हमला कर दिया। बाघ गाय को घसीटकर अंबिका प्रसाद के गन्ने के खेत में ले गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने सूचना वन विभाग को दी। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पगचिह्न देखकर बाघ होने की पुष्टि की। घटना स्थल गांव से महज 50 मीटर दूर की है। जहां मानवीय गतिविधियां लगातार होती रहती हैं। यह रास्ता गांव के लोगों के आने जाने का मुख्य रास्ता है। जिझारपुर गांव जंगल से कुछ दूरी से सटा हुआ गांव है।

यहां हर वर्ष पांच या छह महीने में वन्यजीवों बाघ और तेंदुआ जैसे खूंखार, आक्रामक जीवों का हमला होता रहता है। वन विभाग टीम के वनरक्षक सागर कुशवाहा ने खेत में बने पगचिह्न को देखकर बाघ के होने की पुष्टि की। आसपास के लोगों से खेतों पर अकेले न जाने की अपील की एवं सभी से सतर्क रहने की सलाह दी। आसपास के क्षेत्र में इस घटना से लोगों में दहशत का माहौल बन गया है।

जिझारपुर के खेतों में बने बाघ के पगचिह्न।

ग्रामीणों के साथ कांबिंग करते वनकर्मी। • अमृत विचार

- वनकर्मियों ने पगचिह्न देखकर की शुरू कांबिंग

रंजिश के चलते दबंगों ने पिता-पुत्र को पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः थाना भीरा क्षेत्र के गांव भानपुर निवासी विनोद ने बताया कि उसके पड़ोसी पहाड़ी, सुरेंद्र, गुड्डू, मैना देवी पत्नी सुरेंद्र लंबे समय से रंजिश को लेकर उसे परेशान कर रहे थे। सोमवार को आरोपी उसे गाली दे रहे थे, विरोध किया तो आरोपियों ने लात-घूंसों व लाठी-डंडों से मारपीट की। आरोप है कि सुरेंद्र और गुड्डू ने धारदार हथियार से सिर पर वार कर घायल कर दिया। शोर सुनकर उसका पुत्र गौरव बचाने पहुंचा तो उसके साथ भी मारपीट की, उसे भी चोटें आईं। पीड़ित ने आरोप लगाया कि सभी आरोपी दबंग किस्म के हैं और जाते-जाते जान से मारने की धमकी देकर गए। घायल की तहरीर पर पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़, सास को पीटा

संवाददाता, खमरिया

- पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है

अमृत विचारः थाना खमरिया क्षेत्र के एक गांव की महिला ने बताया कि उसका पति बाहर काम करता है। वह अपनी सास के साथ घर पर रहती है। महिला का आरोप है कि रात करीब 11 बजे गांव का मेराज पुत्र मेहंदी दीवार फांदकर उसके घर में घुस आया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा।

शोर मचाने पर उसकी सास मौके पर पहुंची और बचाने का प्रयास किया, जिस पर आरोपी ने सास के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। शोर होने पर आसपास के लोग आ गए तो आरोपी भाग गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की है।

उधर, थाना ईसानगर क्षेत्र के गांव की महिला ने बताया कि रात करीब 9 बजे वह अपने टटिहार मकान में लेटी थी। तभी गांव का कमलेश यादव घर में घुस आया। आरोप है कि युवक चारपाई पर लेट गया और छेड़छाड़ करने लगा। उसने ने शोर मचाने की कोशिश की तो आरोपी ने उसका मुंह दबा लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें 9756905552, 8445507002

सूचना

मैंने अपने पुत्र अरविन्द कुमार उसकी पत्नी स्वाती राठौर (पुत्र वधु) के उनके गलत चाल चलन की वजह से संबंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, वह अपने कृत्य के लिए खुद जिम्मेदार होंगे। **रामऔतार पुत्र मोहनलाल चन्दपुर ख्यालीराम नवाबगंज बरेली**

सूचना

मेरी पत्नी का मेरे सर्विस रिकार्ड में बुक क्रमांक नं. 54/MT/Dec2016 है। पत्नी का नाम कल्पना व जन्मतिथि 02.10.1984 अंकित है जोकि गलत है सही नाम व जन्मतिथि कल्पना देवी व जन्मतिथि 01.07.1989 है जो सही है जोकि पत्नी के शैक्षिक अभिलेखों में भी दर्ज है। **राजेश कुमार पुत्र श्री भूपराम निवासी म.नं 225 चिनौर शाहजहाँपुर**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र पवन कुमार व पुत्रवधु अवदेश कुमारी को गलत आचरण, गलत संगत एवं गलत कृत्यों के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **वेदराम पुत्र स्व. चिम्मन लाल निवासी ग्राम मकरन्दपुर ताराचंद्र पोस्ट कुड़ढ़ बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र कृपाजीत राय व उसकी पत्नी सुजाता को गलत चाल-चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **कृष्णा राय पुत्र कालीपद राय निवासी ग्राम चन्दुईया थाना घुंघचिहाई जिला पीलीभीत।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अभिषेक को गलत चाल-चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **ओमप्रकाश पुत्र रामभरोसे निवासी ग्राम उदरहा थाना घुंघचिहाई जिला पीलीभीत।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अलविदा 2025

नए साल में पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर वाहन दौड़ने की उम्मीद

न ओवरब्रिज पर फर्राटा भर पाए वाहन, न ही दैनिक यात्रियों को मिली ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः साल बीत गया, लेकिन न तो गोला और फरधान रेलवे क्रॉसिंग ओवरब्रिज चालू हो सका, जिससे वाहनों के फर्राटा भरने की उम्मीद पूरी न हो सकी, वहीं गोला मैलानी के दैनिक यात्रियों को जिला मुख्यालय तक आने के लिए ट्रेन न मिल सकी। यह दोनों उम्मीदें साल 2025 में पूरी न हो सकीं, जो वर्ष 2026 की आस जरूर हैं।

फरधान और गोला की लखीमपुर रोड वाली क्रॉसिंग पर बन रहे ओवरब्रिज का निर्माण चार साल बाद भी अधूरा है। वाहन चालकों को उम्मीद थी कि साल के अंत में पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर रफ्तार भरने का सपना पूरा हो जाएगा, लेकिन ऐसा न होने से लोगों को मायूस होना पड़ रहा है। वहीं, फरधान रेलवे क्रॉसिंग पर लगभग काम पूर्ण होने से जनवरी 2026 में ओवरब्रिज शुरू होने की उम्मीद है।

दरअसल, पीलीभीत-बस्ती नेशनल हाईवे पर स्थित फरधान और गोला रेलवे क्रॉसिंग पर साल 2021 में ओवरब्रिज का निर्माण शुरू हुआ था। इनका निर्माण साल 2022 में ही पूरा होना था। मगर, कोरोना काल से लेकर अन्य रुकावटों के कारण ओवरब्रिज निर्माण को गति नहीं मिल सकी। इससे हाईवे पर से गुजरने वाले वाहन चालकों को रोजाना फरधान और गोला रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन निकलने के दौरान जाम में फंसकर परेशान होना पड़ता है। वहीं, कार्यदायी संस्था के जिम्मेदार बताते हैं कि अगले साल दोनों ओवरब्रिज चालू हो जाएंगे। वहीं, रेलवे अमान परिवर्तन होने के बाद मैलानी-लखनऊ के बीच रेल संचालन तो चालू हो गया, लेकिन गोला-मैलानी के दैनिक यात्रियों को जिला मुख्यालय तक आने के लिए ट्रेन न मिल सकी। इससे सुबह 10 बजे जिला मुख्यालय पर कोर्ट, कचहरी और सरकारी दफ्तरों में आने वाले दैनिक व कभी कभार वाले यात्रियों को ट्रेन मिलने की आस इस साल भी पूरी नहीं हो पाई।

इसकी वजह यह है कि ब्राडगेज होने के बाद 14 फरवरी 2020 से मैलानी से लखनऊ के बीच ट्रेनों का संचालन शुरू हो गया था, लेकिन इनकी संख्या गिनती की होने की वजह से एक भी ऐसी ट्रेन नहीं है, जिससे कोर्ट, कचहरी, अस्पताल से लेकर विकास भवन और छात्र-छात्राएं सुबह 10 बजे लखीमपुर आकर शाम को पांच बजे वापस हो सकें। यह उम्मीद 2025 में भी पूरी नहीं हो पाई, लेकिन अब लोगों को उम्मीद है कि शायद साल 2026 में उनकी आस पूरी हो जाए।

रेलवे लाइन के ऊपर जालीविहीन ब्रिज। • अमृत विचार

रेलवे स्टेशन लखीमपुर।

उपलब्धियां 2025

- गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस ट्रेन का बरेली के इज्जतनगर तक विस्तार।
- लखीमपुर डिपो अब तक अनुबंधित बसों के सहारे थे, लेकिन इस बार डिपो को 12 निगम की बसें मिलीं।
- लखीमपुर, गोला गोकर्णनाथ व मैलानी रेलवे स्टेशन का सौंदर्यीकरण कराया गया।
- लखीमपुर डिपो को 62 साल बाद नया बस अड्डा बनाने के लिए जमीन मिल गई।
- पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राजधानी लखनऊ से दुधवा और नेपाल बार्डर तक एसी बस सेवा शुरू हुई।

जिला अस्पताल में सुविधाओं के लिए परेशान होते रहे मरीज

शहर से 15 किलोमीटर मोतीपुर में जिला अस्पताल स्थित है। एक तो मरीजों को वहां तक पहुंचने के लिए धक्के खाने पड़ते हैं। दूसरे वहां पहुंचकर सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ता है। न तो हाइवे से अस्पताल तक रोड बन सकी और न ही मरीजों के लिए अस्पताल में लगी लिफ्ट ही दुरुस्त रहीं। उधर, आए दिन जिला एवं महिला अस्पताल की अल्ट्रासाउंड मशीन का खराब होने के साथ जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में सेपरेटेड यूनिट का शुरू न होना मरीजों को परेशान करता रहा।

न्यूज ब्रीफ

कृषक समाज कॉलेज का वार्षिकोत्सव 3 को

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर की लखीमपुर रोड स्थित कृषक समाज इंटर कॉलेज का वार्षिकोत्सव तीन जनवरी शनिवार को सुबह 10 .30 बजे से होगा। प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज ने बताया कि विद्यालय के प्रबंधक, पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा की अध्यक्षता में होने वाले वार्षिकोत्सव के मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ. प्रदीप कुमार और विशिष्ट अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा होंगे।

शिविर में बकाया 11 लाख रुपये वसूले

संपूर्णानगर, अमृत विचार : बिजली राहत योजना के तहत मंगलवार को उपकेंद्र संपूर्णानगर में बिजली उपभोक्ताओं ने पहुंच कर लगभग साढ़े आठ लाख रुपये बकाया जमा किया। वहीं 150 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। इसके अलावा अवर अभियंता पवन चन्द्र ने भानपुरी खजुरिया में शिविर लगाकर गांव में ढाई लाख रुपये की वसूली की। साथ ही 70 रजिस्ट्रेशन भी किए।

राष्ट्रीय बजरंग दल की बाइक रैली आज

बिलहरी, अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार कनौजिया की अगुवाई में श्रीराम मंदिर के दो वर्ष पूरे होने पर श्रीराम दरबार के साथ गांव उदयपुर के दुर्गा मंदिर से बुधवार यानी आज विशाल बाइक रैली निकाली जाएगी। जिलाध्यक्ष ने बताया कि यह रैली बांकेगंज ब्लाक कोषाध्यक्ष संजय सिंह चौहान के नेतृत्व में सुबह 11 बजे से निकलेगी। जो अयोध्यापुर से महेशपुर, ममरी, रोशन नगर मार्ग से अम्बरपुर होते हुए पुन: अयोध्यापुर में आकर समाप्त होगी।

कोतवाली में बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : हैदराबाद थाना क्षेत्र के छतौनिया गांव निवासी अनुज वर्मा पुत्र संतराम ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि वह 17 दिसंबर को सुबह सात बजे बाइक से सब्जी मंडी आया था। वापस आने पर बाइक खड़ी किए गए स्थान पर नहीं मिली। उन्होंने बहुत तलाश की, लेकिन बाइक नहीं मिली। सीसीटीवी कैमरे में एक अज्ञात व्यक्ति को सफेद चादर ओढ़े हुए बाइक ले जाते देखा गया है। उन्होंने अज्ञात चोर के खिलाफ बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

नायब तहसीलदार ने किया भट्ठों का निरीक्षण

केशवापुर, अमृत विचार : सदर तहसील क्षेत्र में केशवापुर कस्बे के निकटवर्ती ईंट भट्ठों की जांच सदर नायब तहसीलदार आलोक कुमार मिश्रा, राजस्व निरीक्षक नाथूराम और लेखपाल सहीम खान के साथ पहुंचकर की। उनके रिन्युअल व प्रदूषण के कागजात चेक किये गए। नायब तहसीलदार श्री मिश्रा ने बताया यह जांच प्रत्येक वर्ष की जाती है, जिसमें प्रपत्र पूरे न होने वाले भट्ठों पर कार्यवाही की जाती है।

भैंस चोरी की अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव बांसगांव निवासी प्रियांशु शुक्ला पुत्र अरविंद शुक्ला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि दो दिसंबर दो की रात उनकी भैंस को कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी करके ले गया है, जिसका काफी खोजबीन करने के बाद भी पता नहीं लगा है। उन्होंने अज्ञात के खिलाफ भैंस चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

नये साल का जश्न मनाने को दुधवा में उमड़ी भीड़

नियमों का उल्लंघन करने पर की जाएगी सख्त कार्रवाई, ठहरने की सभी व्यवस्थाएं पहले से ही फुल

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: बाघों, बारहसिंगों और दुर्लभ वन्यजीवों के लिए देश-दुनिया में पहचान बना चुके दुधवा नेशनल पार्क में नव वर्ष के जश्न को लेकर सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। दिसंबर के अंतिम दिनों में पर्यटकों की आमद इस कदर बढ़ गई है कि पार्क के भीतर स्थित सभी अतिथि गृह, थारू हट और डारमेट्री पूरी तरह भर चुकी हैं।

दुधवा में ठहरने की व्यवस्था न मिलने पर सैलानी पलिया नगर के होटलों और होम-स्टे का रुख कर रहे हैं, जहां भी लगभग सभी कमरे पहले से ही बुक हो चुके हैं। बहरहाल, दुधवा नेशनल पार्क इस समय नववर्ष के रंग में रंगा नजर आ रहा है। हरियाली, वन्यजीवों की चहलकदमी और ठंडी फिजाओं के बीच 31 दिसंबर की रात को नववर्ष का जश्न मनाने के लिए सैलानी उत्साह से भरे हुए हैं।

नववर्ष को यादगार बनाने की चाह में देश और प्रदेश के

दुधवा टाइगर रिजर्व का प्रवेश द्वार।

दुधवा में बाघों की साइटिंग।

विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में पर्यटक दुधवा पहुंच रहे हैं। इनमें राजनेताओं, उच्च प्रशासनिक अधिकारियों, न्यायाधीशों, विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के साथ-साथ संपन्न व्यापारी और प्रकृति प्रेमी भी शामिल हैं।

अधिकांश पर्यटक अपने निजी टूर प्लान के तहत परिवार और मित्रों के साथ यहां पहुंचे हैं और जंगल सफारी के साथ शांत, प्राकृतिक वातावरण में वर्ष 2026 का स्वागत करने को उत्सुक हैं। उल्लेखनीय है कि कड़ाके की ठंड के चलते स्कूलों में

> दुधवा में सैलानियों के लिए उपलब्ध सभी हटें नववर्ष पर फुल हो चुकी हैं। सिर्फ भ्रमण के लिए अतिरिक्त व्यवस्था की जा रही है। जंगल की शांति बनाए रखने का भी ध्यान दिया जा रहा है, जिसके लिए गाइडों और कर्मचारियों को दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।
>
> **-जगदीश आर, उप निदेशक दुधवा।**

छुट्टियां हो जाने से भी पर्यटकों की संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी देखी जा रही है। छुट्टियों का लाभ उठाते हुए बड़ी संख्या में लोग दुधवा की ओर रुख कर रहे हैं। सामान्य दिनों की तुलना में इस बार नववर्ष के मौके पर पर्यटकों की संख्या कई गुना अधिक बताई जा रही है। पर्यटकों की लगातार बढ़ती आमद को देखते हुए दुधवा टाइगर रिजर्व प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद है। जंगल सफारी, गाइड व्यवस्था, जिप्सी संचालन और सुरक्षा को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। डीटीआर के उपनिदेशक जगदीश आर. के अनुसार अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को पहले से ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिप्सी चालकों और गाइडों को पर्यटकों के साथ शालीन व्यवहार करने और पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि सभी को सुरक्षित और सुखद अनुभव मिल सके।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं

पार्क प्रशासन की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पार्क परिसर में पॉलिथीन के उपयोग, कूड़ा-कचरा या किसी भी प्रकार की अखाद्य सामग्री फेंकने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। कैंटीन संचालकों को भी साफ-सफाई और नियमों के पालन को लेकर सख्त निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि उनका उद्देश्य सैलानियों को अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराना है, लेकिन इसके साथ ही वन्यजीवों और जंगल की सुरक्षा सर्वोपरि है। यदि कोई पर्यटक जानबूझकर पार्क नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शराब के नशे में दबंगों ने युवक को पीटा, गंभीर रूप से घायल

संवाददाता, मझगईं

- **पांच हजार की नकदी व मोबाइल छीना, जान से मारने की धमकी**

अमृत विचार: थाना मझगई क्षेत्र के सकटूपुरवा गांव में शराब के नशे में धुत कुछ लोगों ने एक युवक को बेवजह घेरकर पीट दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपियों ने युवक से पांच हजार रुपये और मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार की है।

गांव निवासी शीला देवी ने बताया कि उनका बड़ा बेटा प्रह्लाद शराब के नशे में था और उसके पास करीब 10 हजार रुपये थे। उसे घर लाने के लिए उन्होंने अपने देवर अनिल कुमार पुत्र टेनी को भेजा था। जब अनिल प्रह्लाद को लेने मौके पर पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद कमलेश, रामविलास, संतोष और रंजीत भी शराब के नशे में थे। आरोप है कि सभी ने अनिल को देखते ही गालियां देनी शुरू कर दीं। गाली-गलौज से मना करने पर आरोपियों ने अनिल पर लात-घूंसों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

हमले में अनिल के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं और वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। इस दौरान आरोपियों ने अनिल की जेब से 5,000 रुपये और प्रह्लाद का मोबाइल फोन छीन लिया। शोर सुनकर आस-पड़ोस के लोगों ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह बीच-बचाव किया, तब जाकर अनिल की जान बच सकी। आरोप है कि जाते-जाते दबंगों ने अनिल और प्रह्लाद को जान से मारने की धमकी भी दी और मौके से फरार हो गए। पीड़िता शीला देवी ने बताया कि आरोपी दबंग किस्म के लोग हैं और गांव में पहले भी मारपीट की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर घायल अनिल का मेडिकल परीक्षण कराया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दूध की गाड़ी के सामने आया बाघ

संवाददाता, मझगईं

- **बाघ कुछ ही देर के बाद झाड़ियों में चला गया**
- **लगातार बाघ की चहलकदमी से ग्रामीण परेशान**

अमृत विचार: कस्बे के तिकोना फार्म क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया। जब एक दूध वाली गाड़ी के सामने अचानक बाघ आ गया। बाघ को सामने देख वाहन चालक ने गाड़ी रोक दी, जिससे कुछ पल के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

इलाके में लगातार बाघ की चहलकदमी बनी हुई है। इसके बाद भी वन विभाग ने उसे पकड़ने के लिए कोई जरूरी कदम नहीं उठाए हैं। इससे लोगों में वन विभाग के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है। श्यामल दूध डेयरी की गाड़ी मंगलवार सुबह निघासन की ओर जा रही थी। जैसे ही गाड़ी कस्बे के तिकोना फार्म में तारा सिंह की पुलिया के पास हाईवे पर पहुंची। तभी अचानक एक बाघ सामने आ खड़ा हुआ। बाघ को देख गाड़ी के पहिए जहां के तहां थम गए। वाहन में सवार मझगईं निवासी मोहम्मद वसीम ने बताया कि सामने बाघ को देखकर उनके होश उड़ गए। भीषण ठंड के बावजूद पसीना निकल आया। करीब बीस सेकेंड तक बाघ हाईवे पर खड़ा रहा, इसके बाद नकटे बाबा मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते से झाड़ियों में जाकर ओझल हो गया। तब जाकर वाहन सवारों ने राहत की सांस ली। गौरतलब है कि क्षेत्र में जंगली और हिंसक जानवरों की आवाजाही लगातार देखी जा रही है। कुछ दिन पूर्व बेला रपटा पुल के पास भी एक ऑटो के सामने बाघ आ गया था, हालांकि सामने से आ रहे दूसरे वाहन के कारण बड़ा हादसा टल गया था। इसके अलावा ग्राम पंचायत बेला कलां के मजरा बेला खुर्द गांव के उत्तर स्थित खेतिहर इलाके में एक आवारा सांड़ को बाघ के मार डाले जाने की घटना भी सामने आई थी, जिससे ग्रामीणों में भय और दहशत का माहौल बना हुआ है।

किसान खेतों की तरफ जाने से कतरा रहे हैं। इससे गन्ने की छिलाई के साथ ही खेती-किसानी का काम चौपट हो रहा है। वहीं हाईवे पर बाघ की दस्तक से राहगीरों की जान पर भी अब खतरा मंडराने लगा है, लेकिन वन विभाग ने अभी तक बाघ को पकड़ने के लिए कोई जरूरी एहतियातन कदम नहीं उठाए हैं। इससे लोगों की वन विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। वहीं लगातार हो रही इन घटनाओं से हाईवे से गुजरने वाले राहगीरों और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है।

भाई और भतीजों को घेरकर पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना खीरी क्षेत्र के गांव हरैय्या निवासी केशव कुमार ने बताया कि सोमवार को उसके भाई और भतीजे खेत पर गन्ना छिलवा रहे थे। तभी गांव सैदीपुर निवासी रामलखन उर्फ पप्पू, उसका पुत्र, देशराज, मनीष, परमजीत व अन्य कई लोगों के साथ खेत पहुंचा। पीड़ित के अनुसार आरोपियों के हाथों में लाठियां और धारदार हथियार थे। सभी ने जान से मारने की नीयत से उसके भाई-भतीजों को घेरकर हमला कर दिया। शोरगुल सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने उन्हें बचाया। सूचना यूपी 112 पुलिस को दी। पुलिस को आते देख आरोपी भाग निकले। आरोपियों ने धमकी दी कि तुम्हें और तुम्हारे भाइयों को जान से मार देंगे। एसओ निराला तिवारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। घायलों का मेडिकल कराया है।

गोरखपुर एक्सप्रेस के वातानुकूलित कोच में धुआं भरने से मचा हड़कंप

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: इज्जतनगर से गोरखपुर जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन के एसी कोच में मंगलवार शाम उस समय अफरा तफरी मच गई जब धुआं भरने लगा। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। ट्रेन जब लखीमपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो पहिए में उठ रही लपटों को देख अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंची जीआरपी व आरपीएफ के जवानों ने आग बुझाई।

इज्जतनगर से गोरखपुर जा रही ट्रेन संख्या 15010 के वातानुकूलित कोच वी 4 के पहिए में आग लग गई। इससे धीरे-धीरे कोच में धुआं भरने लगा। यात्रियों में हड़कंप मच गया। ट्रेन जब रेलवे स्टेशन पहुंची तो पहिए से उठती आग की लपटों को देख

रेलवे स्टेशन पर खड़ी इज्जतनगर-गोरखपुर एक्सप्रेस। • अमृत विचार

- **जीआरपी और आरपीएफ ने बुझाई पहिए में लगी आग**

यात्रियों में हड़कंप मच गया।

उधर ट्रेन रुकते ही बोगी में सवार यात्री जल्दबाजी कर उतरने लगे। मौके पर पहुंची जीआरपी और आरपीएफ ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। इससे बड़ा हादसा होने से बच गया। एसओ जीआरपी ने बताया कि आग वातानुकूलित बोगी के पहिए की रबड़ में लगी थी। जिसे बुझा दिया गया है। आशंका जताई जा रही है कि ट्रेन में आग गोला स्टेशन से चलने के दौरान ही लग चुकी थी, लेकिन लखीमपुर खीरी स्टेशन पर पहुंचने पर इसका पता चला। ट्रेन करीब 50 मिनट तक रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही।

आयुर्वेद दवाइयों से एलर्जी की बीमारियों को दी जा रही मात

संवाददाता, बिलहरी

अमृत विचार: गोला तहसील क्षेत्र के गांव जड़ौरा स्थित राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल के चिकित्सक डॉ. हरिशंकर वर्मा ने बताया कि इस समय सर्दी का मौसम चल रहा है।

जड़ौरा में लगभग 50 मरीजों की रोज ओपीडी होती है। लेकिन 50 मरीजों में लगभग 40 मरीजों की संख्या खांसी जुकाम, दमा, अस्थमा, बुखार आदि के मरीज अस्पताल पहुंचकर दवाएं ले रहे हैं। अस्पताल में आए हुए मरीजों को डॉ. हरिशंकर वर्मा ने बताया कि इस बदलते मौसम में मरीजों को फुल कपडे.पहनने के साथ गर्म पानी पीने की सलाह दी जाती है। हलाकि एलर्जी के चलते जड़ौरा अस्पताल में दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। लेकिन खांसी व एलर्जी में घरेलू नुस्खा जैसे गरम

मरीज को देखते राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल के चिकित्सक।

- **जड़ौरा के राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल में लगभग 50 मरीजों की रोज होती है ओपीडी**
- **50 में करीब 40 मरीज खांसी जुकाम, दमा, अस्थमा, बुखार आदि के होते हैं**

पानी में नमक डालकर गरारा करें व पिएं भी। शहद व हल्दी अदरक की मात्रा अपने खाने में बढ़ायें और समय-समय पर अपना चेकप आदि कराते रहें।

श्रीराम कथा में सुनाया राम जन्म का प्रसंग

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: स्वामी विवेकनन्द बाल उद्यान में हो रही श्रीराम कथा के दूसरे दिन कथाव्यास आचार्य अजयानंद महाराज ने कहा कि धरती पर जब जब धर्म की हानि होती है। साधु और सज्जनों को पीड़ित किया जाता है, तब तब परमात्मा का अवतरण होता है। अयोध्या के चक्रवर्ती सम्राट दशरथ के यहां भगवान श्रीराम, भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न चार पुत्रों का जन्म हुआ। श्रोताओं ने पुष्प वर्षा कर भगवान श्रीराम के अवतरण का उत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया। इस दौरान भूपेंद्र दीक्षित, सुरेश पांडे, आनंद त्रिवेदी, केके शुक्ल, पवन मिश्र, दुर्गा प्रसाद मिश्र, डॉ. वेदप्रकाश अग्निहोत्री तथा शशिबाला रावड़ा आदि मौजूद रहे।

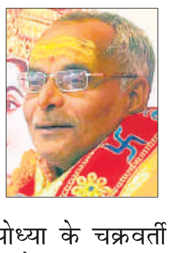

2026 का कैलेंडर: गणितीय पुनरावृत्ति का अद्भुत संयोग

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: नववर्ष 2026 की दस्तक के साथ ही गणित की दुनिया से जुड़ा एक रोचक और दुर्लभ संयोग सामने आया है। वर्ष 2026 का कैलेंडर न केवल तिथियों की सामान्य व्यवस्था को दर्शाता है, बल्कि इसके पीछे छिपी गणितीय पुनरावृत्ति की वैज्ञानिक प्रक्रिया भी विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रही है।

लखनऊ पब्लिक स्कूल, लखीमपुर शाखा के गणित शिक्षक अतुल सक्सेना के अनुसार वर्ष 2026 का कैलेंडर एक ऐसे गणितीय चक्र का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत और समाप्ति दोनों गुरुवार को होती है। उन्होंने अपने विस्तृत अध्ययन एवं स्वनिर्मित सैकड़ों वर्षों की अंक-कोड सारणी के आधार पर बताया कि 21वीं सदी में ऐसा कैलेंडर कुल 11 बार दोहराया जाएगा। अतुल सक्सेना के अनुसार यह

अतुल सक्सेना।

- **21वीं सदी में 11 बार दोहराया जाएगा समान कैलेंडर पैटर्न**

संयोग इससे पूर्व वर्ष 2009 और 2015 में भी देखा जा चुका है, जबकि 2026 इसका तीसरा उदाहरण होगा।

इसके बाद यही कैलेंडर पैटर्न 2037, 2043, 2054, 2065, 2071, 2082, 2093 और 2099 में भी दोहराया जाएगा। यदि पिछली शताब्दी पर नजर डालें तो 1903, 1914, 1925, 1931, 1942, 1953, 1959, 1970, 1981, 1987 और 1998 में भी यह संयोग ठीक 11 बार घटित हुआ था। उन्होंने स्पष्ट किया कि कैलेंडर की यह पुनरावृत्ति किसी चमत्कार का परिणाम नहीं, बल्कि पूर्णतः वैज्ञानिक और गणितीय प्रक्रिया है। सामान्य वर्षों में कैलेंडर प्रायः 6, 11 और 11 वर्षों के अंतराल पर स्वयं को दोहराता है, जबकि लीप वर्ष में यह अंतराल 28 वर्षों का होता है। यही कारण है कि एक ही सदी में निश्चित अंतराल पर समान कैलेंडर दोबारा सामने आते रहते हैं। यदि कोई शताब्दी वर्ष लीप वर्ष नहीं होता, तो कैलेंडर का क्रम पुनः बदल जाता है।

जुबानी कैलेंडर' से बिना कैलेंडर देखे जानें दिन

गणित को आमजन के लिए सरल और रुचिकर बनाने के उद्देश्य से अतुल सक्सेना ने जुबानी कैलेंडर की एक विशेष पद्धति भी प्रस्तुत की है। इस विधि की सहायता से बिना कैलेंडर देखे किसी भी तारीख का दिन आसानी से ज्ञात किया जा सकता है। वर्ष 2026 के जुबानी कैलेंडर के अनुसार जनवरी से दिसंबर तक माह-अंक कोड क्रमशः 3, 6, 6, 2, 4, 0, 2, 5, 1, 3, 6, 1 निर्धारित किए गए हैं। उदाहरण स्वरूप, 26 जनवरी 2026 का दिन जानने के लिए तिथि 26 में जनवरी का माह-अंक कोड 3 जोड़ने पर योग 29 प्राप्त होता है। इसे 7 से भाग देने पर शेषफल 1 आता है, जो सोमवार का संकेत देता है। इसी प्रकार 1 अप्रैल 2026 के लिए तिथि 1 में माह-अंक कोड 2 जोड़ने पर योग 3 आता है, जो सीधे बुधवार को दर्शाता है। शेषांक या दिन के कोड 0 से 6 तक क्रमशः रविवार से शनिवार के लिए निर्धारित होते हैं। अध्ययन यह भी दर्शाता है कि सामान्य वर्ष में जनवरी, अक्टूबर, फरवरी, मार्च व नवंबर जैसे महीनों की तिथियों पर पड़ने वाले दिन हमेशा समान होते हैं। अतुल सक्सेना ने बताया कि सामान्य वर्षों के कैलेंडर कुल सात प्रकार के होते हैं और लीप वर्ष के कैलेंडर भी सात प्रकार के ही होते हैं। एक सामान्य वर्ष में 365 दिन होते हैं, जिसमें 52 सप्ताह और एक अतिरिक्त दिन होता है। इसी कारण जो वर्ष लीप वर्ष नहीं होता, उसमें 1 जनवरी और 31 दिसंबर का दिन समान होता है।

गुरु पर्व पर निकाली गई प्रभात फेरी

संवाददाता, पलियाकलां

अमृत विचार: श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बीच मंगलवार को गुरु साहब की सजी-धजी पालकी के साथ प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभातफेरी में शामिल श्रद्धालु कीर्तन करते हुए नगर की प्रमुख सड़कों, स्टेशन रोड, माल गोदाम रोड, नगर पालिका रोड से शेर सिंह चौराहा होते हुए मेला रोड व संपूर्णानगर रोड तक पहुंचे।

प्रभात फेरी का समापन पुनः गुरुद्वारा परिसर में हुआ, जहां देर तक कीर्तन-भजन का आयोजन किया गया। इसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं को भंडारा प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान विशेष रूप से गुरुद्वारा सिंह सभा के प्रधान रेशम सिंह, उप प्रधान हरपाल सिंह, सेक्रेटरी कमलजीत सिंह, जसवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में स्त्री-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

घने कोहरे व कड़ाके की सर्दी में प्रभात फेरी में शामिल श्रद्धालु। • अमृत विचार

3 जनवरी को निकलेगा विशाल नगर कीर्तन जुलूस

गुरुद्वारा के मैनेजर बलवीर सिंह ने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर 03 जनवरी को विशाल नगर कीर्तन जुलूस निकाला जाएगा। नगर कीर्तन में पंच प्यारों की अगुवाई में अनेक कीर्तनकारी जत्थे शामिल होंगे। वहीं गतका पार्टी पारंपरिक शस्त्र कला के करतब भी प्रदर्शित किए जाएंगे। मणकपुर (पंजाब) से गरजा सिंह के नेतृत्व में आने वाला थाडी जत्था कीर्तन के माध्यम से गुरु गोबिंद सिंह जी एवं अन्य गुरुओं के कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालेगा। 05 जनवरी को गुरुद्वारा परिसर में भव्य धार्मिक समागम आयोजित किया जाएगा, जिसमें शबद-कीर्तन, गुरुओं के इतिहास और उनसे जुड़ी कथाओं का व्याख्यान होगा। इस दौरान गुरुद्वारे में पूरे दिन विशाल लंगर का आयोजन किया जाएगा।

इंटर कॉलेज में लगे कैंप में 88 मरीजों की हुई जांच

संवाददाता, बिझौली

- **41 मरीजों की आंख का होगा नि:शुल्क ऑपरेशन**
- **आंखों के रोगों के प्रति सावधानियां के बारे में डॉक्टरों ने बताया**

अमृत विचार: नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटर कॉलेज करनपुर रजागंज में डॉ. श्रॉफ चौरिटी आई हॉस्पिटल द्वारा आंखों की निःशुल्क जांच के लिए लगाए गये कैंप में 88 लोगों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 41 को मोतियाबिंद के लिए चिह्नित किया गया, जिनमें से मंगलवार को 24 मरीजों को ऑपरेशन के लिए ले गए हैं। बाकी दो दिन बाद फिर लेने आएंगे और सभी 41 लोगों का निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा, जिन्हें मुफ्त दवाई, चश्मा और लेंस भी दिए जाएंगे।

सर्जन डॉ. सुमैया ने बताया कि स्कूल में 88 लोगों की निःशुल्क मोतियाबिंद की जांच की गई, जिसमें मरीजों की आंखों का लाल होना, मोतियाबिंद, आंखों का गड़ना, आंखों में सूजन, आंखों के संबंधित अन्य रोगों की जांच हुई। आंखों में होने वाले रोगों के प्रति सावधानियां, आंखों की सुरक्षा के बारे में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताया। कैम्प का आयोजन जिला पंचायत के पूर्व सदस्य महेशचंद्र कनौजिया ने किया।

सर्जन डॉ. सुमैया, कोऑर्डिनेटर समीर अली, शोभित कुमार, मुस्कान, भावना, अंशिका, राधा, सोनम, स्नेहा, कोमल, सारिका, आशा उपासना, अय्याज, प्रमोद कुमार, अमरीका प्रसाद वर्मा सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

कड़ाके की ठंड में होगा नए साल का स्वागत

संवाददाता, लखीमपुर/ मूड़ा सवारान

अमृत विचार: कड़ाके की ठंड के बीच इस बार नए साल का स्वागत होगा। तापमान लुढ़कने के साथ ही कोहरे से इस साल की आखिरी रात घिरी रहेगी। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस बार जनवरी में सर्दी का सितम अधिक रहेगा।

दिसंबर के आखिरी दिनों में मौसम दिन पर दिन सर्द हो रहा है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पारा लुढ़कने और सर्द हवा से लोग ठिठुर गए हैं। कई दिनों से दिनभर बादल छाए रहते हैं जिससे धूप नहीं निकली है। यह स्थिति अगले कई दिनों तक बनी रहेगी। न्यूनतम तापमान 8 डिग्री पर रहने का अनुमान है।

वहीं नए साल का स्वागत भी कड़ाके की ठंड के बीच होगा। इस वर्ष की आखिरी रात कोहरे से

ठंड में अलाव तापते ग्रामीण। • अमृत विचार

- **कोहरे से गिरी रहेगी नए साल की रात, जनवरी में खूब सताएगी सर्दी**
- **मंगलवार को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया**

ढकी रहने और नए साल की सुबह कोहरा छाया रहने का अनुमान है। वहीं जनवरी में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। साल 2025 के आखिर में लगातार बढ़ती ठंड बच्चों और बुजुर्गों के लिए बीमार कर रही है अस्पतालों में पहुंचने वाले मरीजों में बच्चों की संख्या अधिक है। बढ़ती ठंड में 5 साल तक के बच्चों एवं 60 से अधिक उम्र के बुजुर्गों में सांस की नली में सूजन और फेफड़ों में संक्रमण देखा जा रहा है।

जिसके कारण उन्हें न सिर्फ खांसी की समस्या हो रही है बल्कि सांस लेने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों में बुखार, बंद नाक, सांस, खांसी के लक्षण मिल रहे हैं बुजुर्गों में अत्यधिक खांसी व सांस लेने में परेशानी इसके लक्षण हैं।

गायत्री महायज्ञ में आस्था, संस्कार और समरसता का होगा संगम

एक से पांच जनवरी तक देश-विदेश से जुटेंगे श्रद्धालु, सवा किलोमीटर लंबी परिक्रमा के लिए 18 फीट चौड़ा मार्ग तैयार, वेदों के नाम से बनाए चार प्रवेश द्वार

केके मौर्य, निघासन

अमृत विचारः नगर पंचायत निघासन में अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में आयोजित होने जा रहे राष्ट्रीय शौर्य समृद्धि विराट 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। कस्बे का झंडी रोड इन दिनों पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंगा हुआ है। यज्ञ स्थल पर भगवा व सफेद रंग से सजे विशाल पंडाल, पीले पुष्पों से सुसज्जित स्तंभ तथा सायंकाल जगमगाती रंग-बिरंगी रोशनियां श्रद्धालुओं को स्वतः ही अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। कार्यकर्ता तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

कार्यक्रम करीब 40 एकड़ भूमि पर आयोजित किया जा रहा है। यज्ञ की आहुतियों के लिए 251 कुंड पूरी तरह तैयार हैं। स्वास्तिक आकार में निर्मित भव्य यज्ञशाला में एक समय में लगभग 2500 श्रद्धालु आहुतियां दे सकेंगे। विशिष्ट अतिथियों व वीआईपी श्रद्धालुओं के लिए आठ विशेष कुण्ड सुरक्षित रखे हैं। यज्ञशाला के भीतर चार तत्व वेदी, एक आकाश तत्व वेदी, सर्वोतोभद्र मंडल के साथ-साथ सप्तऋषि एवं अरुंधति माता का विधिवत स्थान स्थापित किया गया है। यज्ञशाला की परिक्रमा लगभग सवा किलोमीटर लंबी होगी, जिसके लिए 18 फीट चौड़ा मार्ग तैयार किया गया है। आयोजन स्थल पर 51 फीट ऊंचा धर्मध्वज भी स्थापित की गई है, जो धर्म, संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बनेगी। इस विराट आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों के अलावा पड़ोसी देश नेपाल से भी गायत्री परिवार के कार्यकर्ता पहुंचकर सेवा कर रहे हैं। सैकड़ों स्वयंसेवकों के सहयोग से आयोजन समिति प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटी है। प्रवचन पंडाल में एक साथ करीब 25 हजार श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की गई है।

श्रद्धालुओं के लिए मां भगवती भोजनालय में प्रतिदिन दोनों समय हजारों लोगों के सामूहिक भोजन की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा प्रवचन पंडाल के समीप लगभग दो हजार आगंतुकों के ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है तथा 64 अस्थायी शौचालयों का निर्माण कराया है। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य का समाधि स्थल, अर्धनारीश्वर कटआउट, सजल श्रद्धा-प्रखर प्रज्ञा प्रदर्शनी, हिमालय प्रदर्शनी, जीवंत गोमाता के दर्शन एवं विराट पुस्तक मेला शामिल हैं, जहां आध्यात्मिक साहित्य के साथ जीवन निर्माण से जुड़ी सामग्री उपलब्ध रहेगी। यज्ञ स्थल पर श्रद्धालुओं के प्रवेश के लिए चारों वेदों ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद के नाम पर भव्य द्वार बनाए गए हैं। प्रत्येक द्वार वेदों की महत्ता और भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। प्रवचन स्थल पर तिरंगा ध्वज, सजल श्रद्धा–प्रखर प्रज्ञा, देव आत्मा हिमालय प्रदर्शनी, विराट पुस्तक मेला तथा अर्धनारीश्वर स्वरूप में चित्र स्थापना की गई है। यह विराट यज्ञ करीब 40 एकड़ भूमि में आयोजित किया जा रहा है।

प्रवचन पंडाल के पास एक साथ करीब 25 हजार श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा मां भगवती भोजनालय की व्यवस्था की गई है, जिसमें दोनों समय आए हुए श्रद्धालु भोजन कर सकेंगे। इसके अलावा प्रवचन पंडाल के पास एक और पंडाल लगाया गया है, जिसमें करीब दो हजार लोगों के ठहरने की सुविधा रहेगी। इसके अलावा 64 अस्थायी शौचालयों का भी निर्माण कराया गया है। महायज्ञ को संपन्न कराने में गायत्री शक्ति पीठ के ट्रस्टी विनोद सिंह, दामोदर प्रसाद वर्मा, रविंद्र यादव, मोनू दीक्षित के साथ पूर्व विधायक आरएस कुशवाहा, ब्लॉक प्रमुख पति अमनदीप सिंह, विकास अग्रवाल के अलावा आदि जनप्रतिनिधियों ने आयोजन में विशेष सहयोग प्रदान किया है। जसपाल सिंह पल्ला और पप्पू जोशी ने खेत आदि का भी सहयोग किया है।

अर्द्धनारीश्वर का लगाया गया चित्र। • अमृत विचार

मुख्य कार्यालय पर कलशों का रंग कर तैयार करते कार्यकर्ता। • अमृत विचार

251 जोड़ों का होगा दहेज रहित विवाह

आदर्श सामूहिक विवाह समारोह के तहत 251 जोड़ों का दहेज रहित विवाह संपन्न कराने का लक्ष्य रखा गया है। यह आयोजन सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध सशक्त संदेश देने के साथ-साथ सादगी, समरसता और समानता की भावना को मजबूत करेगा। आयोजन के मुख्य आयोजक विनोद सिंह ने बताया कि यह महायज्ञ, गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा शांतिकुंज हरिद्वार में सौ वर्ष पूर्व प्रज्वलित अखंड दीप तथा गुरुमाता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महायज्ञ के दौरान सभी संस्कार, ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था पूर्णतः निःशुल्क रहेगी।

पार्किंग स्थल व मार्गदर्शन व्यवस्था

- झंडी रोड : नंदीश्वर बाबा के सामने मेला मैदान
- ढखरेवा रोड : विनोद वर्मा, मनोज वर्मा व दिनेश वर्मा के खेत
- पलिया रोड : नगर पंचायत का खेल मैदान
- सिंगाही रोड : एब्लान पब्लिक स्कूल के सामने
- श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यज्ञ स्थल तक पहुंचने के लिए मार्गदर्शक मैप व संकेतक भी लगाए गए हैं।

कलश यात्रा में शामिल होंगे एक लाख श्रद्धालु

निघासन में पहली बार हो रही ऐतिहासिक गायत्री महायज्ञ की शुरुआत पहली जनवरी गुरुवार को कलश यात्रा के साथ होगी। इस यात्रा में करीब एक लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद हैं। कलश यात्रा में पीत वस्त्र धारी महिलाएं 25 हजार कलशों के साथ यात्रा में शामिल होंगी।

रंजिश के चलते भाइयों ने कुल्हाड़ी से किया हमला

बिजुआ, अमृत विचारः थाना भीरा क्षेत्र के रणा बाजार निवासी बृजपाल सिंह ने बताया कि गांव के ही रंजीत सिंह उर्फ राजा भइया व योगेंद्र सिंह ने सोमवार को उस पर कुल्हाड़ी से हमला किया।

हमले में बृजपाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी पूर्व में भी इस प्रकार की हरकत कर चुके हैं और यह छठी बार है। जब उसके ऊपर हमला किया गया है। हमले के बाद आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायल का मेडिकल परीक्षण कराया है।

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रिहासतुल्ला खां पुत्र स्व. अजमतुल्ला खां एक आवासीय भवन है जोकि खेत नं. 504, 508/1 ग्राम सुर्खा छावनी अन्दर चुन्गी तहसील व जिला बरेली रकबा 56.86 वर्ग मीटर का है तथा इसका मूल बैनामा जिसके विक्रेता मिढई लाल पुत्र खूबी राम के द्वारा अजमतउल्ला खां पुत्र श्री अब्दुल्ला खां के पक्ष में निष्पादित हुई है। बैनामा दिनांक 30.09.1988 जिल्द सं. 1874 के पेज नं. 398 से 399 में नं. 945 जो मूल बैनामा खो गया है जिसकी एफआईआर 24.12.25 को करा दी गई है।

सोनू सिंह यादव
एडवोकेट
सेवा ग्रह लिमिटेड
मो. 9524585756

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 9392/7निविदा(सी0डी0–2)(ई–टेण्डर)–08/2025–26 दिनांक 17.12.2025

ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0, बदायूँ के कार्यक्षेत्र में निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार आइटम दरों पर (Item Rate Bids) ई–निविदा दिनांक 02.01.2026 से दिनांक 16.01.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता बिड से संबंधित अभिलेख जैसे कि कान्ट्रेक्ट डाटा, प्रपत्र, शर्तें, विषिष्टियाँ, बिल ऑफ क्वांन्टिटी आदि एवं बिड की संषोधित/परिषिष्ट शर्तें इत्यादि का भली–भाँति परीक्षण कर लें। निविदा दिनांक 16.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में) अनुमानित निर्माण लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत	विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	वित्तीय वर्ष 2025–26जनपद बदायूं में बदायूं–बिजनौर मार्ग (राज्य मार्ग संख्या–51) के बिल्सी नगर पर बाईपास का निर्माण कार्य।	3122.00	78.07	3200.07	48.10	2714.00	15 माह

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.inपर लॉग इन किया जा सकता है।

(वन्दना सोनकर)
अधिषासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0,बदायूँ

(के0के0सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0,बरेली

UP-243279 दिनांक 29.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली।

पता :– ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल विकास भवन, बरेली।

पत्रांक :– 2712/ग्रा0अ0वि0/निविदा–पत्रा0/बाण्ड क्लर्क/2025–26 दिनांक :– 24.12.2025

–:: निविदा सूचना ::–

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली में भवन/सडक निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उत्तर प्रदेश में पात्र ए0,बी0,सी0,डी0 एवं ई0 श्रेणी के निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता कार्य के लिये निविदा जमा कर सकते है।

2– तालिका के अनुसार कार्यो का विवरण:–

क्रम सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में) (GST सहित)	धरोहर धनराशि (रूपये में)	निविदा मूल्य समस्त करों सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	बरेली	सी0एस0 इन्टरनेशनल स्कूल जाग्रतिनगर में टाइल्स व पुताई कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	5.000	10000.00	766.00	03 माह
2	बरेली	मो0 खडौआ में मुख्य मार्ग के निकट टीन शैड उसके निकट एक स्नान घर एवं एक मूत्रालय का निर्माण कार्य (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	9.997	20000.00	766.00	03 माह
3	बरेली	विकास खण्ड–भोजीपुरा के ग्राम वोहित में होली चौराहे से रामरक्षपाल के मकान तक सी0सी0 रोड एवं नाली निर्माण कार्य (एम0एल0सी0–भोजीपुरा)	9.430	18900.00	766.00	03 माह
4	बरेली	बंजरिया जागीर में इम्तयाज डाइवर के घर से मेन रोड तक व बडे अंसारी के घर से कदीर अंसारी के घर तक सी0 सी0 रोड एवं नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–भोजीपुरा)	7.457	15000.00	766.00	03 माह
5	बरेली	ग्राम मनेहरा में ओमप्रकाश के मकान से नन्हे बाबू के मकान तक सी0 सी0 रोड का निर्माण कार्य। ((वि0नि0–भोजीपुरा)	5.186	10400.00	766.00	03 माह
6	बरेली	ग्राम कलारा में जेबरहील के मकान से सकूर अहमद के मकान तक तक सी0 सी0 रोड का निर्माण कार्य। (वि0नि0–भोजीपुरा)	4.693	9400.00	677.00	03 माह
7	बरेली	ग्राम रमियापुर में मेनरोड से कंचन यादव की चौपाल तक सी0 सी0 रोड का निर्माण कार्य। (वि0नि0–भोजीपुरा)	9.969	20000.00	766.00	03 माह
8	बरेली	वार्ड नं0–60 शहदाना में गोपालराम मान्टेसरी स्कूल वाली गली में सी0सी0 सडक निर्माण कार्य (वि0नि0–कैण्ट)	9.133	18300.00	766.00	03 माह
9	बरेली	वार्ड नं0–12 फौजी के टाल से हेमन्त के मकान तक सी0सी0 सडक निर्माण कार्य (वि0नि0–कैण्ट)	7.634	15300.00	766.00	03 माह
10	बरेली	वार्ड नं0–12 में प्रजापति कालौनी में लक्ष्मी देवी के मकान से मनोज सिंह के मकान तक सी0सी0 सडक निर्माण कार्य (वि0नि0–कैण्ट)	9.879	19800.00	766.00	03 माह
11	बरेली	वार्ड नं0–40 आकाशपुरम में भारत सिंह के मकान से मनोज कुमार सागर के मकान तक सी0सी0 सडक निर्माण कार्य (वि0नि0–कैण्ट)	1.389	2800.00	559.00	03 माह
12	बरेली	वार्ड नं0–06 हेमन्त के मकान से रहमत के मकान तक सी0सी0 सडक निर्माण कार्य (वि0नि0–कैण्ट)	7.057	14200.00	766.00	03 माह
13	बरेली	वार्ड नं0–06 केबी मेडिकल से कन्हैया के मकान होते हुये तेज सिंह पप्पू वीरेन्द्र वाली गली में सी0सी0 सडक निर्माण कार्य (वि0नि0–कैण्ट)	7.666	15400.00	766.00	03 माह
14	बरेली	वार्ड नं0–06 रमेश के मकान से कन्हैया के मकान तक व कन्हैया के मकान से गोपाल के मकान तक सी0सी0 सडक निर्माण कार्य (वि0नि0–कैण्ट)	6.100	12200.00	766.00	03 माह
15	बरेली	वार्ड नं0–17 पीलीभीत रोड पर पंचशील कालौनी से पवन बिहार के बीच में 01 यात्री शैड का निर्माण कार्य। (वि0नि0–कैण्ट)	6.180	12400.00	766.00	03 माह
16	बरेली	स्पोट्स स्टेडियम बरेली के मल्टीपरपज हॉल में आन्तरिक विद्युतिकरण एवं फलड लाईट कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	3.940	7900.00	677.00	03 माह

3. निविदा विक्री की अवधि : दिनांकः– 02.02.2026 से 04.02.2026 तक (पूर्वान्ह 11.00 वजे से अपरान्ह 4.00 वजे तक)
4. निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 05.02.2026 को मध्याहन 12.00 बजे तक
5. निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन, जनपद–बरेली।
6. निविदा खुलने का दिनांक एवं समयः दिनांक 05.02.2026 अपरान्ह 12:30 बजे

अधिक जानकारी के लिये अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग कार्यालय, द्वितीय तल, विकास भवन, बरेली से सम्पर्क कर सकते हैं।

नोट :– उपरोक्त समस्त निविदायें बजट की प्रत्याशा में आमंत्रित की जा रही हैं।

UP-243308 दिनांक 29.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(विनय कुमार शर्मा) अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड, बरेली।

जहरीला पदार्थ खाकर युवक ने दी जान

संवाददाता जलालाबाद

अमृत विचारः जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव तिकोला तालुके निवासी 32 वर्षीय वीरपाल रविवार सुबह खेत पर पानी लगाने जा रहा था। पत्नी से कपड़े मांगने को लेकर विवाद हो गया था। वह खेत पर चला गया था। दोपहर एक बजे मीट लेकर घर आया। उसने पत्नी से मीट बनाने को कहा तो मना कर दिया। वह नाराज होकर गांव के बाहर गया और जहरीला पदार्थ खा लिया। गांव वालों ने उसके परिवार वालों को सूचना दी। परिवार वाले मौके पर पहुंचे और वीरपाल को नगरिया अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। मृतका की मां के अनुसार उसका बेटा मीट लेकर आया था और पत्नी ने बनाने से मना कर दिया था। इस बात से बेटे ने जहरीला पदार्थ खा लिया।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर निगम, बरेली

पत्रांक : 409/रा.वि./प्र.रा./2026-27 दिनांक : 30.12.25

सूचना–नीलामी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निगम के ठेकों की सार्वजनिक नीलामी उसके आगे उल्लिखित तिथि पर पूर्वान्ह 11:00 बजे से नगर निगम बोर्ड हाल में की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति ठेकों की बोली में भाग लेने से पूर्व पैन कार्ड, आधार कार्ड की छायाप्रति व जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र एवं नगर निगम राजस्व विभाग द्वार जारी अदेयता प्रमाण–पत्र तथा जमानत धनराशि नकद/बैंक ड्राफ्ट/एफ.डी.आर. के रूप में नगर निगम के पक्ष में देय हो जमा करके बोली में भाग ले सकते हैं। ठेके की अवधि स्वीकृति की दिनांक से 01 वर्ष की होगी, ठेका राशि पर 18 प्रतिशत जी.एस.टी. पृथक से देय होगी।

क्र.सं.	ठेके का नाम	जमानत धनराशि	नीलामी तिथि	नीलामी स्थल
1.	श्यामगंज सब्जी मण्डी	50,000.00	05.01.2026	नगर निगम बोर्ड हाल

यदि किसी कारणवश उक्त ठेकों की सार्वजनिक नीलामी निर्धारित तिथि को नहीं होती है तो ठेके की सार्वजनिक नीलामी दिनांक 06.01.2026 को होगी।

(राजीव कुमार राठी)
प्रभारी राजस्व
नगर निगम, बरेली

सेक्शन–1

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड – बदायूँ।

(पता :– कक्ष सं0 226, प्रथम तल, विकास भवन, जिला – बदायूँ।)

पत्रांक :– 1303 /ग्रा0अ0वि0/निविदा पत्रा0/2025–26 दिनांक :– 22.12.2025

मैनुअल निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बदायूँ में मार्ग निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उत्तर प्रदेश में पात्र पंजीकृत ए, बी, सी एवं डी सीमा के अनुरूप श्रेणी के निविदाताओं से मोहरबन्द निविदायें मैनुअल टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता किसी कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा डाल सकता है।

1. कार्य से संबन्धित विवरण निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि बिड.सि0 (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जीएसटी सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
विधान परिषद सदस्य (एम0एल0सी0) – बदायूँ।						
1.	बदायूँ	शहर बदायूँ कृष्णा पार्क में शीतल पेयजल (सदर बदायूँ)	2.271	0.05	589.00	02 माह
2.	बदायूँ	जिला सहकारी बैंक बदायूँ के पास शीतल पेयजल (सदर बदायूँ)	2.271	0.05	589.00	02 माह
3.	बदायूँ	बदायूँ रेलवे स्टेशन के गेट पर शीतल पेयजल (सदर बदायूँ)	2.271	0.05	589.00	02 माह
4.	बदायूँ	शहर बदायूँ मो0 पटियाली सराय कूंचीनीम में मैनरोड से अंजू सक्सेना के मकान होते हुये राजकमल के मकान एवं अमित वर्मा के मकान तक सी0सी0 एवं नाली कार्य (सदर)।	2.988	0.06	589.00	03 माह

2. कार्यालय में निविदा विक्रय की तिथि :– 01.01.2026 से 14.01.2026 तक प्रातः 10:00 बजे से सायः 05:00 बजे तक।
3. मोहरबन्द निविदा प्राप्ति (डालने) के लिए अन्तिम तिथि/समय :– दिनांक 15.01.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक। कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बदायूँ/कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल–बरेली/कार्यालय जिलाधिकारी, बदायूँ।
4. प्राप्त मोहरबन्द निविदायें खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 15.01.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे ।

निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जाएगा। सभी संभावित निविदाताओं को सलाह दी जाती है कि अधिक जानकारी के लिए विभागीय वैबसाईट http://upred.gov.in पर जानकारी प्राप्त करते रहें।

UP-243299 दिनांक 29.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(राजेश कुमार) अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड–बदायूँ।
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से।

बलरामपुर की टीम विजेता, गोला उपविजेता

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः कृषक समाज इंटर कॉलेज में 63वें प्रादेशिक हॉकी टूर्नामेंट का फाइनल मैच स्टार इलेवन बलरामपुर की टीम ने जीत लिया। ध्यानचंद क्लब गोला की टीम उपविजेता रही। मुख्य अतिथि ने विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया।

कृषक समाज इंटर कॉलेज में खेले गये 63वें प्रादेशिक हॉकी टूर्नामेंट का फाइनल मैच का आरंभ मुख्य अतिथि पूर्व ओलंपियन देवेंद्र सिंह भंडारी, कॉलेज प्रबंधक पूर्व सांसद रविप्रकाश वर्मा, नारायण लाल वर्मा, पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. लखपति राम वर्मा, विनोद चंद्र मिश्रा, श्याम मूर्ति शुक्ला, प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज, टूर्नामेंट के संयोजन मंत्री लखपत भारती ने टीम का परिचय प्राप्त कर किया। फाइनल मैच ध्यानचंद क्लब गोला और स्टार इलेविन बलरामपुर के मध्य प्रारंभ हुआ। खेल के 4 वें मिनट में बलरामपुर के खिलाड़ी विनय ने फील्ड गोल किया। 9 वें मिनट में गोला के खिलाड़ी हरमनदीप सिंह ने पेनाल्टी कार्नर के द्वारा गोल किया। 35वें मिनट में बलरामपुर के खिलाड़ी कुनाल ने फील्ड गोल किया।

38वें मिनट में बलरामपुर के खिलाड़ी बजरंगी ने पेनाल्टी कार्नर से गोल किया। 45 वें मिनट में गोला के खिलाड़ी हरमनदीप सिंह ने पेनल्टी कार्नर के द्वारा गोल किया। इस प्रकार बलरामपुर कह टीम 3-2 से विजयी रही। फाइनल मैच के अंपायर रवि शंकर मिश्र, बृजेश यादव रहे। मुख्य अतिथि श्री भंडारी ने विजेता और उप विजेता टीम को ट्राफी और व्यक्तिगत पुरस्कार भेंट किये। उन्होंने इस आयोजन के लिये आयोजक मंडल की प्रशंसा कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। सह संयोजन मंत्री अशोक कुमार वर्मा, मीडिया प्रभारी डॉ अनिल कुमार, अरुण शेखर, देवेंद्र सिंह, आशीष पांडे, ओमप्रकाश डेविड, कौशल, सौरभ गुप्ता, राजश्री शुक्ला, सरोज कुमार वर्मा, कपिल, सुमित, वीरेंद्र सहित समस्त स्टाफ और तमाम खेलप्रेमी मौजूद रहे।

गोला में विजेता टीम को ट्रॉफी देते मुख्य अतिथि देवेंद्र सिंह भंडारी। • अमृत विचार

- मुख्य अतिथि ने विजेता और उपविजेता टीम को किया पुरस्कृत

मतदाता सूची का किया अवलोकन

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचारः मंगलवार को संविलियन विद्यालय परिसर में त्रिस्तरीय ग्राम पंचायत सिंगाही खुर्द की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया। बूथ लेवल अधिकारियों ने मतदाता सूची सार्वजनिक की, जिसकी सूचना पूर्व में सोशल मीडिया के माध्यम से ग्रामीणों को दी गई थी।

खराब मौसम के बावजूद गांव के महिला एवं पुरुष मतदाता बड़ी संख्या में विद्यालय परिसर पहुंचे और मतदाता सूची में अपने-अपने नाम खोजते नजर आए। इस दौरान कई मतदाताओं ने नाम न होने, नाम दो बार दर्ज होने एवं संशोधन से जुड़ी समस्याएं सामने रखीं। मतदाता अभिषेक मिश्र ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए पूर्व में आधार कार्ड के साथ फार्म भरकर जमा किया था, लेकिन अंतिम सूची में नाम दर्ज नहीं मिला। इस पर उन्होंने पुनः आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन किया।

वहीं 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा-युवतियों में पहली बार मतदाता बनने को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। उन्होंने मतदाता फार्म भरकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी के प्रति जागरूकता दिखाई। अंतिम प्रकाशन के दौरान बीएलओ रामप्रवेश, कपिल कुमार, सुनील सिंह, सिकंदर सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

मतदाता सूची में अपना नाम खोजते लोग। • अमृत विचार

- मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन पर लगा नाम सुधार व नामांकन का कैंप

रंजिश में कुल्हाड़ी से किया हमला

बिजुआ, अमृत विचारः थाना भीरा क्षेत्र के रणा बाजार निवासी बृजपाल सिंह ने बताया कि गांव के ही रंजीत सिंह उर्फ राजा भइया व योगेंद्र सिंह ने सोमवार को उस पर कुल्हाड़ी से हमला किया। हमले में बृजपाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी पूर्व में भी इस प्रकार की हरकत कर चुके हैं और यह छठी बार है। जब उसके ऊपर हमला किया गया है। हमले के बाद आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायल का मेडिकल परीक्षण कराया है।

ग्राम सचिव को गांव की समस्याओं से कराया रूबरू

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचारः ग्राम पंचायत सिंगाही खुर्द में नवनियुक्त ग्राम पंचायत सचिव केके गुप्ता पदभार ग्रहण करने के पश्चात मंगलवार को गांव पहुंचे। जहां उनकी मुलाकात कस्बे की सामाजिक संस्था युवा जनहित सेवा समिति के अध्यक्ष आलोक प्रताप सिंह से हुई। उन्होंने मौके का निरीक्षण करा कर समस्याएं बताईं और उनके निराकरण की मांग की।

समिति अध्यक्ष आलोक प्रताप सिंह ने ग्राम सचिव को वार्ड 4, 5, 6, 7 व 8 सहित मिल मार्ग पर नालियों का स्थलीय निरीक्षण कराया। इस दौरान भाजपा मंडल महामंत्री धर्मेंद्र प्रताप सिंह, मनोज वाजपेयी एवं विवेक कुमार सिंह मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान ग्राम सचिव को बताया कि लंबे समय से सफाई न होने से नालियां बजबजा रही हैं और कई स्थानों पर चोक हैं, जिससे पानी भर जाता है।

इस दौरान सफाई कर्मी भी मौजूद रहे। ग्राम पंचायत सचिव केके गुप्ता ने बताया कि उन्होंने गांव के संभ्रांत नागरिकों से मुलाकात कर गांव की समस्याओं को जाना है। शीघ्र सफाई व्यवस्था के लिए रोस्टर तैयार कर नियमित सफाई कराई जाएगी।

यदि आप किसी से प्रेम करते हैं, तो उसे जाने दें, क्योंकि यदि वह लौट आता है, तो वह हमेशा आपका था। यदि नहीं लौटता, तो वह कभी आपका था ही नहीं।

खलील जिब्रान, दार्शनिक

नए साल में नई परिभाषा

दुनिया की सबसे पुरानी भूगर्भीय संरचनाओं में शामिल अरावली को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने ही आदेश को वापस लेना यह संकेत है कि न्यायालय को प्रस्तुत परिभाषा और उसके दूरगामी पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर शंकाएं उत्पन्न हुई हैं। यह घटनाक्रम बताता है कि अरावली जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को परिभाषित करने में जल्दबाजी और अधूरी वैज्ञानिक कसौटियां खतरनाक साबित हो सकती हैं। नया आदेश यह साबित करता है कि पिछला फैसला किंचित जल्दबाजी में लिया गया था।

अदालत ने स्वयं यह स्वीकारा कि नई परिभाषा से 'संरचनात्मक विरोधाभास' तो पैदा नहीं हो रहा, यह जांचना आत्यावश्यक है। अदालत की स्वीकारोक्ति बताती है कि सरकार का जवाब अंतिम सत्य मान लेने लायक भरोसेमंद नहीं थे। जिस नई परिभाषा को अदालत ने पहले स्वीकार किया था, वह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति ने प्रस्तुत की थी। उद्देश्य अरावली की रक्षा बताई गई थी, पर आरोप यह हैं कि उक्त परिभाषा के मानदंड, जैसे 100 मीटर की ऊंचाई- व्यावहारिक रूप से अरावली के बड़े हिस्से को संरक्षण से बाहर कर देते हैं। यदि समिति का उद्देश्य संरक्षण था, तो यह परिभाषा अपने परिणामों में विपरीत कैसे हो सकती है? लाजिमी है कि यह पुनर्विचार आवश्यक था। राजस्थान में 12,081 पहाड़ियों में से केवल 1,048 के 100 मीटर से अधिक ऊंचे होने के दावे को मानने से 92 फीसद से अधिक पहाड़ियां संरक्षण से बाहर हो जाएंगी। यह तथ्यात्मक स्थिति बताती है कि ऊंचाई-आधारित परिभाषा अरावली की वास्तविक भूगर्भीय और पारिस्थितिक निरंतरता को नज़रअंदाज़ करती हैं। नतीजा- अंधाधुंध खनन और रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए दरवाज़ा खुल सकता है। अरावली की प्रकृति 'टुकड़ों में बंटी पहाड़ियों' की नहीं, बल्कि एक जुड़े हुए पारिस्थितिक, प्राकृतिक तंत्र की है। यदि पहाड़ियां 100 मीटर से ऊंची हों, पर 500 मीटर से अधिक दूरी पर हों, तब भी वे भूजल रिचार्ज, जैव-विविधता और जलवायु नियमन के साझा कार्य करती हैं। ऐसे में उन्हें अलग-अलग इकाइयों के रूप में नहीं, बल्कि एक सतत पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना ही वैज्ञानिक दृष्टि से उचित है। 'विनियमित' या 'सतत' खनन की अवधारणा कागज़ पर आकर्षक लग सकती हैं, पर अरावली जैसे नाज़ुक क्षेत्र में कड़ी निगरानी के बावजूद इसके प्रतिकूल प्रभावों को नकारा नहीं जा सकता। ढलानों का कटाव, भूजल स्तर में गिरावट और जैव-विविधता का नुकसान दीर्घकाल में अपरिवर्तनीय हो सकता है।

एफएसआई द्वारा लंबे समय से अपनाया गया 3-डिग्री ढलान का मानदंड अधिक समावेशी और भू-आकृतिक वास्तविकताओं के करीब रहा है। इसके विपरीत, सरकार द्वारा सौंपी गई नई सूची में कई जिलों को संरक्षण क्षेत्र से बाहर कर दिया गया है, जिससे उन क्षेत्रों में पर्यावरणीय दबाव तेज़ी से बढ़ सकता है। अरावली उत्तर-पश्चिम भारत में रेगिस्तान बनने से रोकने, भूजल रिचार्ज करने और आजीविका बचाने की रीढ़ है, इसलिए इसे केवल ऊंचाई से नहीं, बल्कि उसके पर्यावरणीय, भूगर्भीय और जलवायु महत्व से परिभाषित किया जाना चाहिए।

प्रसंगवश

दुनियाभर में नव वर्ष के हैं अनोखे रंग

दुनिया भर के देशों में नया वर्ष मनाने की प्रथाएं एवं परंपराएं हैं। कई काफी अनोखी हैं। प्राचीन रोम में नये वर्ष के अवसर पर भेंट देने की परंपरा थी। रोम के एक बादशाह ने तो भेंट देने के लिए मात्र नववर्ष का अवसर ही नियत किया था। इसके अतिरिक्त अन्य अवसरों पर भेंट दिया जाना निषिद्ध था। स्काटलैंड में नये वर्ष के स्वागत के लिए 31 दिसंबर की रात में 12 बजे से पूर्व ही युवक अपने-अपने घरों से निकलकर अपने-अपने मित्रों के घर जाते हैं। सभी लोग अपने साथ मक्खन, डबल रोटी, टाफियां, केक एवं चाय आदि का सामान भी लाते हैं। 12 बजे रात्रि के बाद जो अतिथि सबसे पहले घर में प्रवेश करता है, उसका स्वागत अत्यंत धूम-धाम तथा हर्ष के साथ किया जाता है। समाज में ऐसी मान्यता है कि नये वर्ष में प्रवेश करने वाला प्रत्येक अतिथि अपने साथ सुख-सम्द्धि एवं सौभाग्य लेकर आता है। अतिथि अपने साथ लाये हुए नाश्ते के सामान को परिवार के प्रत्येक सदस्यों में बांटता है।

अंजु अग्निहोत्री

लेखिका

दक्षिणी अफ्रीका में नया वर्ष राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे क्यू क्वेचवाना कहा जाता है। क्यू क्वेचबाना से तात्पर्य है, ज्वार की फसल तैयार होने के उपलक्ष्य में भगवान को धन्यवाद देने का उत्सव। इसी दिन यहां का राजा अपनी सेनाओं का निरीक्षण भी करता है एवं वीरता प्राप्त सैनिकों को विवाह करने की अनुमति भी प्रदान की जाती है। इस दिन सामूहिक रूप से विवाह का भी आयोजन होता है। बर्मा में नये वर्ष की दिन तिजांन नामक पर्व मनाया जाता है जो नये वर्ष का स्वागत पर्व है। इस दिन जलक्रीड़ा का विशेष आयोजन होता है, जिसमें एक-दूसरे पर पानी फेंका जाता है। तिजांन के दिन प्रातः काल ही भगवान बुद्ध की मूर्तियों को स्वच्छ सुगंधित जल में नहला कर उसकी पूजा की जाती है।

ईरान में नया वर्ष अत्यंत ही हर्षपूर्ण वातावरण में धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार मनाया जाता है। ईरान में नये वर्ष के उत्सव को नौरोज कहा जाता है। नौरोज से 15 दिन पहले ही घर में किसी स्थान पर गेहूं अथवा जौ बो दिया जाता है। नौरोज का दिन आते-आते यह अंकुरित हो जाता है। नौरोज के दिन परिवार के सभी लोग किसी मेज के चारों तरफ बैठ जाते हैं तथा मेज के ऊपर शीशा, अंडा एवं मोमबत्ती रख दिया जाता है। इसके साथ ही एक प्याले में स्वच्छ एवं पवित्र जल के साथ रोटी एवं पवित्र ग्रंथ भी रख दिया जाता है। पानी से युक्त प्याले में गेहूं या जौ के अंकुर को डाल दिया जाता है। बाली द्वीप में नये वर्ष के प्रथम दिन का गालुंगन के दिन सभी लोग मित्रों एवं रिश्तेदारों को उपहार देते हैं तथा उनसे मिलने के लिए दूर दराज गांवों तक भी चले जाते हैं। गालुगंन दिवस के एक सप्ताह बाद तक यह उल्लासमय वातावरण चलता रहता है। एवं सभी काम-धंधे बंद रहते हैं।

जापान में वर्ष के प्रथम दिन नव वर्षोत्सव मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक घरों की विशेष सजावट की जाती है तथा घर के दरवाजे पर हरे बांस के टुकड़े एवं चीड़ वृक्ष की शाखाएं रखी जाती हैं। इनके समाज में बांस सच्चरित्रता तथा दृढ़ता और चीड़ के साथ-साथ गोहेई अर्थात् कागज के तिकोने टुकड़े भी लटकाये जाते हैं। नव वर्ष के दिन प्रातः नदी तालाब या कुंआ से जल लाया जाता है, जिसे नवजात जल कहा जाता है। जापानियों में ऐसी मान्यता है कि इस जल को पीने से आयु में वृद्धि होती है। इस दिन चावल से बने विशेष भोज्य पदार्थ मोर्चा एवं कमल की जड़ खाने की भी प्रथा है। अगर किसी जापानी के ऊपर कर्ज रहता है, तो वह इस दिन निश्चित ही चुकाने का प्रयास करता है।

राष्ट्र निर्माण की कुंजी है व्यक्ति निर्माण

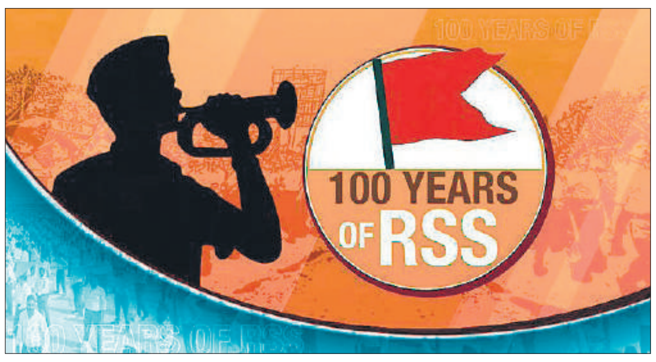

नुसरत जहां

एजीए हाईकोर्ट लखनऊ बेंच

एक ओर राष्ट्रीय प्रतीक का चिन्ह और दूसरी ओर भारत माता का चित्र अंकित किए हुए सिक्के और डाक टिकट भारत के प्रधानमंत्री की ओर से स्मारक के तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामाजिक स्थापना के सौ वर्ष पूरे हो जाने के उपलक्ष्य में जारी किया गया। इसका अर्थ है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारत मां के प्रति समर्पित है। भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराओं का संरक्षण व संवर्धन करने, राष्ट्र निर्माण के लिए अनुशासन, देशभक्ति तथा सेवाभाव से निरंतर कार्य करते हुए यह देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी तेजी से अपनी समृद्धता को विस्तार दे रहा है।

27 सितंबर 1925 को जब डॉ. केशवराम बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी, तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि आगामी वर्षों में यह संगठन इतना प्रभावशाली बन जाएगा। भारत माता के प्रति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इस अतुलनीय और अनुकरणीय योगदान को देखते हुए दिल्ली के लाल किले की प्राचीर से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इसे विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन बताया। राष्ट्र प्रथम विचारधारा को लेकर चलते हुए आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कई आनुषंगिक संगठनों को साथ लेकर कार्य करते हुए अपने उद्देश्यों की पूर्ति में निरंतर अग्रसर है।

जब भारत गुलामी का दंश झेल रहा था। भारत में सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा था, जिसे देखकर भारत के बुद्धिजीवी वर्ग में चिंता थी। इन्हीं परिस्थितियों में संघ की स्थापना हुई।

संघ अपनी स्थापना का सफल शताब्दी वर्ष मना रहा है, तो लाजमी है कि उसके 100 वर्षों के कार्यों की एक छोटी सी झलक तो जानने की उत्सुकता तो होगी ही न। 1925 में जब संघ की स्थापना हुई, तो भारत गुलामी का दंश झेल रहा था। भारत में स्वतंत्रता आंदोलन चरम पर था। भारत में सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा था, जिसे देखकर भारत के बुद्धिजीवी वर्ग में चिंता थी। इन्हीं परिस्थितियों में संघ की स्थापना हुई और उसने अपना कार्य- राष्ट्र प्रथम का ध्येय लेकर भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान और भारत के विकास के लिए कार्य करना प्रारंभ किया।

गांधीजी ने वर्धा में आरएसएस शिविर का दौरा किया, वहां स्वयंसेवकों के कठोर अनुशासन, सादगी से कार्यों को करते हुए देखा, छुआ-छूत की अनुपस्थिति से वे बहुत प्रभावित हुए। यह तथ्य उनके साप्ताहिक पत्र 'हरिजन' में प्रकाशित हुआ था। आजादी के समय जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन हुआ, तो लोग विस्थापित हुए। हिंसा के दौरान कई लोगों की हत्या हुई और कई लोग घायल हुए। उन घायलों की सेवा, बिना भेदभाव शवों के अंतिम संस्कार, पीड़ितों को भोजन, चिकित्सा जैसे कार्यों को संघ के स्वयंसेवक पूरे मनोबल से कर रहे थे।

1947-48 में कबायली आक्रमण के दौरान शरणार्थियों को राहत कार्यों द्वारा मदद की गई। 1954 में स्वयंसेवकों ने दादरा और नागर हवेली को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। पुर्तगाली सैनिकों की गोलाबारी में कई स्वयंसेवकों ने प्राण न्यौछावर किए। राष्ट्र के प्रति संघ के समर्पण को देखने के लिए केआर मलकानी द्वारा लिखित पुस्तक 'द आरएसएस स्टोरी' का अध्ययन किया जा सकता है।

आपातकाल के दौरान आरएसएस के हजारों स्वयंसेवकों ने सरकारी तानाशाही का विरोध खुलकर किया। कुछ कार्यकर्ता भूमिगत रहते हुए जनता के बीच प्रेस के माध्यम से अखबारों, पत्रिकाओं और पर्चों के जरिए सूचना का प्रचार-प्रसार करते थे। 'द इकॉनॉमिक' ने लिखा था कि इस आंदोलन की मुख्य ताकत जनसंघ और उससे जुड़े संगठन आरएसएस है, जो कि सदैव लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रति संकल्पित है।

अगस्त 1967 में हिंदी दैनिक हिन्दुस्तान में प्रकाशित एक साक्षात्कार में प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी अरुणा आसफ अली ने बताया कि मैंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अंग्रेजों से छिपने के लिए आरएसएस के दिल्ली संघचालक लाल हंसराज गुप्ता के घर शरण ली थी, जहां उन्होंने लगभग 15 दिनों तक उन्हें गोपनीय तरीके से रखा। वहां पर लालजी ने मेरी सुरक्षा का पूरा प्रबंध कर रखा था। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि किसी को भी मेरे उनके घर पर रहने की जानकारी न मिले। स्वाधीनता संग्राम में आरएसएस के स्वयंसेवकों की भूमिका और समर्पण को लेकर माणिक चंद्र वाजपेयी और श्रीधर पराडकर ने अपनी पुस्तक 'ज्योति जला निज प्राण की' में विस्तार से चित्रण किया है।

वर्तमान में आयोजित यह शताब्दी वर्ष कार्यक्रम छह सरसंघचालकों की साधना का प्रतिफल है। इसमें प्रथम सरसंघचालक एवं संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार हैं। माधव सदाशिव गोलवलकर द्वितीय सरसंघचालक हैं, जो गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध हैं। उन्हें संघ के प्रबल विस्तारण के रूप में जाना जाता है। वही अखंड भारत के स्वप्नदृष्टा थे। तृतीय सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रय देवरस, जिन्हें आदरपूर्वक बालासाहेब देवरस भी कहा जाता है, सेवा कार्यों का एक नवीन आयाम स्थापित किया। चतुर्थ सरसंघचालक प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया पहले ऐसे सरसंघचालक थे, जिन्होंने विदेश जाकर आरएसएस का व्यापक विस्तार किया। पंचम सरसंघचालक सीतारमैया सुदर्शन स्वदेशी के कट्टर समर्थक तथा भारत की संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति बड़े सजग व प्रबल पक्षधर थे।

छठे एवं वर्तमान सरसंघचालक मोहन भागवत के कार्यकाल में आरएसएस शताब्दी वर्ष मना रहा है। मोहन भागवत जी समरसता और समावेशी समाज के पक्षधर हैं, जो व्यक्ति को धार्मिक पहचान से कहीं ज्यादा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के रूप में देखते हैं। दिल्ली और बंगलौर के सम्मेलन में दिया गया, उनका यह कथन बहुत प्रभावशाली है कि धर्म व्यक्तिगत पसंद का विषय है। इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। उनका आग्रह देश-समाज के सभी वर्गों और पंथों को साथ लेकर चलने का है।

email: nusratfahad8@gmail.com

आमने

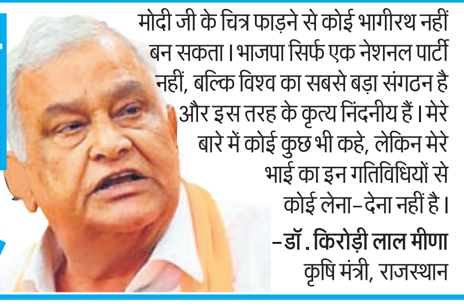

मोदी जी के चित्र फाड़ने से कोई भागीरथ नहीं बन सकता। भाजपा सिर्फ एक नेशनल पार्टी नहीं, बल्कि विश्व का सबसे बड़ा संगठन है और इस तरह के कृत्य निंदनीय हैं। मेरे बारे में कोई कुछ भी कहे, लेकिन मेरे भाई का इन गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं है।

-डॉ. किरोड़ी लाल मीणा
कृषि मंत्री, राजस्थान

सामने

डाक बंगला किसी की बपौती नहीं है। न ही हमने वहां कोई पोस्टर हटाए। डाक बंगले की चाबी कहां रखी है? इसकी सूचना पहले ही दी जा चुकी थी। मैं खुद और दौसा सांसद डाक बंगला पहुंचे थे, लेकिन वहां ताला लगा मिला।

-डीसी बैरवा
कांग्रेस विधायक, राजस्थान

ब्रिक्स: कई बाधाएं हैं पाकिस्तान-तुर्किए की राह में

दिग्विजय सिंह

कानपुर

भारत का दुश्मन पाकिस्तान और तुर्किए 11 देशों के समूह ब्रिक्स में शामिल होने को बेकरार है, लेकिन उनका यह सपना पूरा होता नहीं दिखा रहा है। ब्रिक्स में फिलहाल ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया शामिल हैं। चीन चाहता है कि भारत इन देशों के समूह में शामिल होने की सहमति दे, लेकिन उसकी यह चाहत पूरी नहीं होगी, क्योंकि आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे पाकिस्तान और तुर्किए के लिए चीन चाहे जितना जोर लगा ले, बिना भारत की सहमति के वह सफल नहीं होगा। ब्रिक्स में किसी देश को तभी सदस्यता मिलती है, जब सभी देशों की सहमति हो। तुर्किए आमंत्रित सदस्य तो है, लेकिन पाकिस्तान को यह दर्जा भी नहीं मिला है। भारत शुरू से ही इन देशों की सदस्यता का विरोध करता आया है। भारत पहली जनवरी से ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा।

तुर्किए नाटो व यूरोपीय संघ पर अपनी निर्भरता को घटाना चाहता है। उसने यूरोपीय संघ में शामिल होने का बहुत प्रयास किया, लेकिन उसे इसमें भी सफलता नहीं मिली। नाटो देशों के साथ भी उसके संबंध अच्छे नहीं हैं। नाटो के साथ तनावपूर्ण संबंधों और यूरोपीय संघ में शामिल होने की इच्छा की पूर्ति न होने की वजह से ही वह ब्रिक्स का सदस्य बनना चाहता है। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका भी नहीं चाहते कि तुर्किए को इस ग्रुप की सदस्यता मिले। इन देशों के भारत में समर्थन की वजह से भी चीन परेशान है।

आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे पाकिस्तान और तुर्किए के लिए चीन चाहे जितना जोर लगा ले, बिना भारत की सहमति के वह सफल नहीं होगा।

भारत, तुर्किए की हर कदम पर मदद करता रहा है। प्राकृतिक आपदाओं के समय सर्वाधिक मदद भारत की तरफ से ही की जाती रही है, लेकिन जब भी मौका आया तुर्किए भारत के विरोध में खड़ा हुआ। कश्मीर के मुद्दे पर तो संयुक्त राष्ट्र संघ हो या अन्य कोई मंच हर जगह उसने पाकिस्तान का पक्ष लिया। उसने न सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान का साथ दिया, बल्कि उसे हथियार भी मुहैया कराया। ऑपरेशन सिंदूर की निंदा करने वाले देशों में तुर्किए आगे था। अब तो वह बांग्लादेश में भी भारत विरोधी गतिविधियों को हवा देने में लगा है। वहां पर आईएसआई की उपस्थिति कराने में अहम भूमिका निभाई है।

बांग्लादेश और पाकिस्तान की बीच सुलह का सूत्रधार भी तुर्किए के राष्ट्रपति को ही माना जाता है। यही वजह है कि भारत तुर्किए की राह में दीवार बनकर खड़ा है। इससे पहले भी भारत के विरोध के कारण तुर्किए को सदस्यता नहीं मिली थी। रही बात पाकिस्तान की तो भारत के रहते पाकिस्तान इस समूह का सदस्य कभी नहीं बन पाएगा। पाकिस्तान ने इसके लिए चीन की शरण ली है, पर चीन कुछ नहीं कर सकता। भारत के हाथ ब्रिक्स की अध्यक्षता आने से पाकिस्तान और तुर्किए तो परेशान हैं हीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के माथे पर भी बल आ गया है, क्योंकि भारत को अध्यक्षता उस समय मिल रही है, जब ट्रंप की अपरिपक्व व कठोर नीतियों के कारण भारत, चीन और रूस एक साथ आ गए हैं।

ब्राजील भी इन देशों के साथ मजबूती से खड़ा है। ट्रंप के टैरिफ हथियार की धार कमजोर करने में ब्राजील ने अहम भूमिका निभाई है। ट्रंप को डर है कि कहीं ब्रिक्स देश डॉलर के मुकाबले अपनी मुद्रा न लांच कर दें। अगर मुद्रा लांच होगी, तो इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर बड़ी और करारी चोट होगी, हालांकि ब्रिक्स देशों ने नई मुद्रा लांच करने का कोई संकेत तो नहीं दिया है, लेकिन यह तय है कि समूह के सदस्य देश सौ प्रतिशत कारोबार डालर के बजाय खुद की मुद्रा में करने को राजी हैं। यह भी अमेरिका के लिए किसी झटके से कम नहीं होगा।

ब्रिक्स में शामिल देश कृषि क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने में जुटे हैं। खाद्य सुरक्षा को वैश्विक दक्षिण के लिए एक रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में मान्यता दे रहे हैं। कृषि व्यापार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, जलवायु-अनुकूल खेती और मूल्य श्रृंखला विकास में साझेदारी का विस्तार कर रहे हैं। ये कवायद अमेरिका को चुभ रही है। यही वजह है कि ट्रंप लगातार इन देशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं, हालांकि उनकी धमकी से 11 देशों वाले ब्रिक्स समूह को कोई फर्क पड़ता नजर नहीं आ रहा है।

अगस्त में ही भारत ने अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया था। भारत द्वारा जारी आधिकारिक परिपत्र के तहत ब्रिक्स देशों को वह अपना 100% व्यापार भारतीय रुपये में करेगा। यह फैसला अमेरिका के लिए झटका था। बेलारूस, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब और बांग्लादेश भी चाहते हैं कि उन्हें ब्रिक्स की सदस्यता मिले। भारत ने बेलारूस, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब की सदस्यता का विरोध नहीं किया है। अन्य देश भी इन देशों की सदस्यता को लेकर कोई विरोध नहीं कर रहे हैं। ऐसे में यह उम्मीद है कि पाकिस्तान और तुर्किए को छोड़ अन्य देशों को सदस्यता मिल सकती है।

सोशल फोरम

फिनलैंड की पूर्व राष्ट्रपति क्यों बनीं 'बेघर'

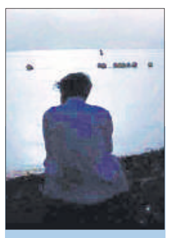

कलम रंगदार

ब्लॉगर

वह न तो कोई भिखारिन हैं और न ही कोई ऐसी शरणार्थी, जिसकी ज़िंदगी पूरी तरह बिखर चुकी हो। वह तार्या हालोनेन हैं- फिनलैंड की राष्ट्रपति, जिन्होंने 2000 से 2012 तक देश का नेतृत्व किया।

उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान फिनलैंड दुनिया के सबसे बेहतरीन देशों में शामिल हो गया। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे के मामले में। फ़िनिश कंपनियां भी खूब फली-फूलीं। नोकिया, वार्त्सिला और सून्टो जैसे बड़े नाम लगातार सफल होते रहे। सिर्फ़ 55 लाख की आबादी और कड़ाके की ठंड के बावजूद, फिनलैंड मज़बूती से आगे बढ़ता रहा।

इस तस्वीर में पूर्व राष्ट्रपति सेकेंड-हैंड कपड़े पहने हुए हैं और सड़क पर घंटों बैठी दिखाई देती हैं। बिलकुल किसी बेघर इंसान की तरह। उन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि वे खुद उस पीड़ा को महसूस कर सकें और दूसरों को भी गरीबों और शरणार्थियों की ज़िंदगी की कठिनाइयों को समझा सकें।

उन्होंने कहा, "मैं भी एक भिखारिन या शरणार्थी हो सकती थी, लेकिन किस्मत ने मुझे राष्ट्रपति बना दिया। यही वजह है कि जो लोग उतने खुशकिस्मत नहीं हो पाए, उनके लिए मेरे दिल में गहरी संवेदना है।"

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

चार साल में सड़क ने लील लीं 7.77 लाख जिंदगी

हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में सड़क हादसों को लेकर जो कहा, वह केवल एक मंत्री का बयान नहीं था, बल्कि भावुक, विचलित और एक बेचैन इंसान की स्वीकारोक्ति भी थी कि सड़क हादसे ऐसी राष्ट्रीय त्रासदी है, जिसे हम ठीक से रोक नहीं पा रहे हैं। गडकरी का यह कहना कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सवाल उठते हैं, तो उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है। इस मामले में केवल सरकार की नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक विफलता को प्रकट करती है।

सड़क हादसों के आंकड़े डराते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपी मानवीय कहानियां उनसे भी ज्यादा डराती हैं। गडकरी ने जो जानकारी संसद में दी है, उसके अनुसार देश में हर साल लगभग 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाओं होती हैं और इनमें 1.8 लाख से ज्यादा लोग मारे जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन लगभग 485 लोग घर से निकलते हैं और फिर कभी लौटकर नहीं आते। कोई पिता ऑफिस जाते हुए मर जाता है। कोई बेटा कॉलेज जाते वक्त दम तोड़ देता है, तो कोई मां सब्जी लेने सड़क पार करते हुए दुनिया को अलविदा कह जाती है। सड़क पर होने वाली हर मौत के साथ एक परिवार टूट जाता है।

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

वर्ष 2018 से 2022 के बीच सड़क हादसों में 7.77 लाख से अधिक लोगों की जान जाना केवल एक आंकड़ा नहीं है। यह 7.77 लाख अधूरे सपने और ऐसा दुःख है जो अक्सर चुपचाप सह लिया जाता है। वर्ष 2024 में हादसों की संख्या बढ़कर लगभग 1.80 लाख तक पहुंच जाना यह सवाल खड़ा करता है कि क्या इस दर्द का कोई अंत नहीं है। सबसे पीड़ादायक सच यह है कि मरने वालों में सबसे बड़ी संख्या युवाओं की है। 18 से 34 वर्ष की उम्र में जब कोई अपने जीवन की दिशा तय कर रहा होता है और जब परिवार उससे उम्मीदें लगाए बैठा होता है, तब उसकी मौत का मतलब केवल एक व्यक्ति का मर जाना नहीं होता। सड़क हादसा सिर्फ उस एक व्यक्ति को नहीं मारता, वह पूरे परिवार का भविष्य छीन लेता है।

हम अक्सर हादसों के लिए तेज रफ्तार, लापरवाही, नशा आदि कारणों से ड्राइवर को दोष देते हैं। सही है हादसों के ये कारण भी हैं, लेकिन खराब सड़क डिजाइन, बिना संकेतक के बने कट, अंधे मोड़, अधूरी सर्विस लेन, कमजोर ट्रैफिक व्यवस्था भी हादसों के जिम्मेदार हैं। सिर्फ ड्राइवरों को दोष देने से सड़क हादसे नहीं रुकेंगे। जैसा कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी ने कहा है, सड़क हादसों का सबसे बड़ा कारण अब भी लोगों की लापरवाही है। कई लोग आज भी हेलमेट पहनने से बचते हैं या फिर ट्रैफिक सिग्नल तोड़ते हैं, जबकि भारी जुर्माने का प्रावधान है। जब तक लोगों को सही ट्रेनिंग और जागरूकता नहीं मिलेगी, तब तक ये समस्या बनी रहेगी। हादसे रोकने के लिए हर कारण को दूर करने पर विचार करना होगा। हादसे के बाद मदद का समय पर नहीं पहुंचना भी हताहतों की तादाद बढ़ने का कारण है।। अगर सही समय पर इलाज मिल जाए तो कई जानें बच सकती हैं।

कई बार एंबुलेंस देर से पहुंचती है। लोग मदद करने से डरते हैं। अस्पतालों में व्यवस्था नहीं होती। कई लोग सड़क पर नहीं, बल्कि इलाज न मिलने से मर जाते हैं। हादसे रोकना केवल सरकार की नहीं, समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोग सीट बेल्ट नहीं लगाते। हेलमेट को बोझ समझते हैं। रेड लाइट तोड़ना सामान्य बात मानते हैं। जब तक सड़क सुरक्षा को हम अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक कोई भी नीति पूरी तरह काम नहीं कर सकती। सड़क हादसे रोकने के लिए सामूहिक रूप से काम करना होगा। हर किसी को इसमें योगदान देने के लिए आगे आना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

जौनपुर का शाही किला शहर से करीब दो किलोमीटर दूर गोमती नदी के किनारे शाही पुल के पास स्थित है। इस ऐतिहासिक किले का निर्माण फिरोज शाह तुगलक ने वर्ष 1362 में कराया था। यह वह समय था जब तुगलक वंश ने जौनपुर को एक मजबूत सैन्य व प्रशासनिक केंद्र का दर्जा दिया था। यह किला अपनी भव्यता और स्थापत्य कला के लिए मशहूर है। मुख्य द्वार के पास शौर्य का प्रतीक विजय स्तंभ, विशाल द्वार और मेहराब देखने लायक हैं। किले से गोमती नदी का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। जौनपुर की विरासत को दर्शाने के साथ शाही किला इतिहास प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

- मनोज त्रिपाठी, कानपुर

जौनपुर का शाही किला

ऐतिहासिक धरोहर, वास्तुकला की झलक

शाही किला अपनी मजबूत दीवारों, ऊंचे दरवाजों और सुरक्षा की दृष्टि से तैयार की गई गहरी खाई के लिए जाना जाता है। किले का मुख्य द्वार काफी बड़ा और नक्काशीदार है। प्रवेश द्वार की ऊंचाई 36 फुट है, इसके उपर एक विशाल गुंबद बना है। किले के भीतर का गेट 26.5 फुट ऊंचा और 16 फुट चौड़ा है। कभी किले के भीतर कई महल, बावड़ियां और खूबसूरत इमारतें थीं, लेकिन वर्तमान में कुछ ज्यादा नहीं बचा है। किले के भीतर एक मस्जिद और एक तुर्की हम्माम ही केवल दो प्रमुख संरचनाएं बची हैं। परिसर में एक दरगाह के साथ एक गेट जैसी संरचना भी है। हम्माम पर बने ऊंचे,नीचे गुंबद बहुत सुंदर ढंग से बनाए गए हैं। वर्तमान में किला एक संरक्षित इमारत है।

राठौर राजाओं के मंदिरों और महलों की सामग्री का प्रयोग

शाही किला को कन्नौज के राठौर राजाओं के मंदिरों और महलों की सामग्री का उपयोग करके बनाया गया था। इस किले को अनेक शासकों द्वारा कई बार नष्ट किया गया। मुगल साम्राज्य के शासन के दौरान किले का व्यापक जीर्णोद्धार और मरम्मत की गई। इसकी वजह किले का सामरिक रूप में महत्वपूर्ण होना था। बाद में यह किला अवध के नवाबों के अधीन रहा, लेकिन ब्रिटिश शासन के समय इसकी स्थिति कमजोर होती गई।

पत्थर की दीवारों से घिरा एक अनियमित चतुर्भुज

पूर्व में इसे केरार कोट किला कहते थे। किले का लेआउट पत्थर की दीवारों से घिरा एक अनियमित चतुर्भुज है। दीवारें उभरी हुई मिट्टी की दीवारों से घिरी हुई है। हालांकि मूल संरचनाओं के अधिकांश अवशेष खंडहर हालत में हैं या दफन हो चुके हैं। मुख्य द्वार पूर्व की ओर है। सबसे बड़ा आंतरिक द्वार 14 मीटर ऊंचा है। इसकी बाहरी सतह अशलर पत्थर से बनी है।

बाहरी दीवारों पर सजावटी आले, मेहराबों के बीच नीले-पीले पत्थर

16 वीं शताब्दी में जौनपुर के गवर्नर मिनम खान के संरक्षण में मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल के दौरान एक और बाहरी द्वार स्थापित किया गया था। इसे एक बगल की बुर्ज के आकार में डिजाइन किया गया है। बाहरी द्वार के मेहराबों के बीच के स्पैन्ड्रेल या रिक्त स्थान को नीले और पीले रंग के पत्थरों से सजाया गया था। बाहरी द्वार की दीवारों में सजावटी आले बनाए गए हैं। किले की संरचना में स्थापित गुंबदों के शीर्ष पर खुलने के कारण प्रकाश अंदर आता है।

तुर्की शैली का हम्माम, मस्जिद निर्माण में हिंदू और बौद्ध शिल्प

किले के भीतर आदर्श तुर्की शैली का एक स्नानघर है, जिसे आमतौर पर हम्माम या भूलभुलैया के नाम से जाना जाता है। हम्माम आंशिक रूप से भूमिगत बना हुआ है, जिसमें इनलेट और आउटलेट चैनल, गर्म और ठंडा पानी और इसी तरह की अन्य सुविधाएं हैं। भीतर एक मस्जिद भी है। इब्राहिम बरबक द्वारा बनवाई गई इस मस्जिद के निर्माण में हिंदू एवं बौद्ध शिल्प कला की छाप साफ दिखाई पड़ती है। इसे जौनपुर शहर की सबसे पुरानी इमारत गिना जाता है। इसके बगल में 12 मीटर ऊंचा पत्थर का स्तंभ है, जिस पर एक फारसी शिलालेख खुदा हुआ है, जो मस्जिद के निर्माण की कहानी बताता है। मस्जिद में तिहरे मेहराब हैं और इसके ऊपर तीन निचले केंद्रीय गुंबद हैं।

रंग-तरंग

खामोश पत्थरों में उतरता संगीत

इतिहास की किताबों में दर्ज कई इमारतें समय के साथ खामोश हो जाती हैं, लेकिन हैदराबाद के सिकंदराबाद स्थित 300 साल पुरानी बंसीलालपेट बावड़ी आज फिर से सांस ले रही है। कभी उपेक्षित और गुमनामी में डूबी यह ऐतिहासिक जल संरचना अब संगीत और कला के जरिए शहर की एक जीवंत सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है। 'टैंगी सेशंस' नामक समूह की पहल ने इस बावड़ी को हर वीकेंड एक अनोखे सांस्कृतिक मंच में बदल दिया है। आम दिनों में शांत रहने वाली नक्काशीदार पत्थर की सीढ़ियां शनिवार और रविवार की शाम रोशनी से जगमगा उठती है। शाम 5:45 से रात 8 बजे तक ढलते सूरज की सुनहरी किरणें, बावड़ी की गहराई से आती ठंडी हवा और पानी में पड़ती रोशनी का

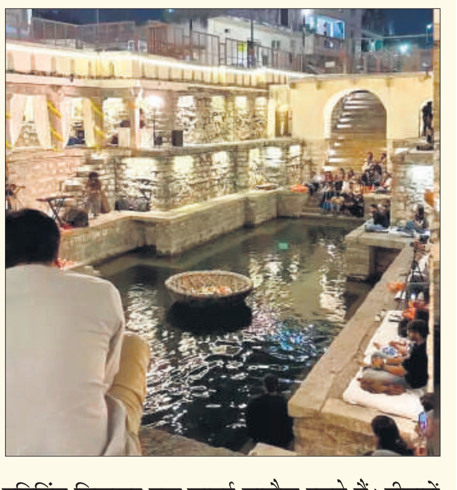

प्रतिबिंब मिलकर एक जादुई माहौल रचते हैं। दीवारों से टकराती संगीत की लहरें दर्शकों को इतिहास और वर्तमान के बीच एक रूहानी यात्रा पर ले जाती हैं। टैंगी सेशंस के संस्थापक अर्जुन का मानना है कि विरासत को सहेजने के लिए केवल ढांचे का संरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे जीवंत बनाए रखना जरूरी है। उनके अनुसार, जब लोग बार-बार ऐसे स्थलों पर सांस्कृतिक अनुभव के लिए आते हैं, तो वे केवल दर्शक नहीं रहते, बल्कि उस विरासत के संरक्षक बन जाते हैं। यह पहल दर्शाती है कि कला और संगीत पुराने स्मारकों को नई पीढ़ी से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन सकते हैं। बंसीलालपेट बावड़ी आज सिर्फ एक ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि हैदराबाद की सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक बन चुकी है।

यहां होने वाले कार्यक्रमों की सूची काफी विविधतापूर्ण है। इसमें लोक संगीत, सूफी गायन, कविता पाठ, मुशायरे, थिएटर और आधुनिक रैप सेशंस भी शामिल होते हैं। आयोजक ध्वनि के स्तर (Acoustics) का विशेष ध्यान रखते हैं ताकि संगीत बावड़ी की गरिमा और शांति के साथ मेल खाए। अब तक यहां सूफी गायकों से लेकर वायलिन वादक अभिजीत गुरजले जैसे कलाकार अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ राहत इंदोरी और संजीता भट्टाचार्य जैसे नामचीन सितारे भी यहां शिरकत कर चुके हैं।

आर्ट गैलरी

क्लाउड मोनेट की 'Bridge over a Pond of Water Lilies'

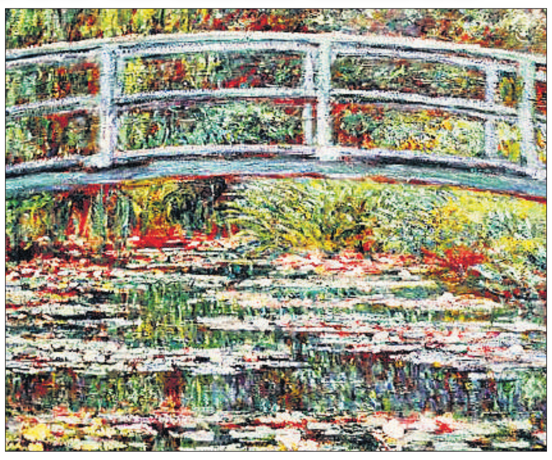

'वॉटर लिली के तालाब पर पुल' क्लाउड मोनेट की 1899 की मशहूर इंप्रेशनिस्ट ऑयल पेंटिंग है। इसमें फ्रांस के गिवर्नी में उनके वॉटर लिली गार्डन के ऊपर बनाया गया जापानी-स्टाइल का लकड़ी का पैदल पुल दिखाया गया है। इसमें चमकीले हरे, नीले और गुलाबी रंगों को एक्सप्रेसिव ब्रशस्ट्रोक के साथ इस्तेमाल किया गया है। यह पेंटिंग न्यूयार्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट के कलेक्शन का हिस्सा है।

क्लाउड मोनेट के बारे में

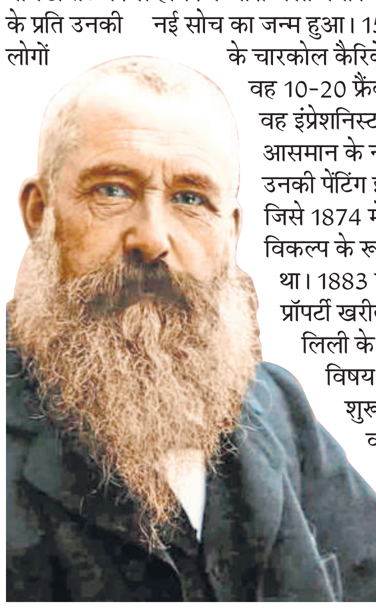

ऑस्कर-क्लाउड मोनेट फ्रांसीसी चित्रकार थे। वह फ्रेंच इंप्रेशनिस्ट पेंटिंग के संस्थापक भी रहे। उनके पिता एडोल्फ मोनेट किराना व्यापारी थे। सबसे बड़े बेटे क्लाउड जब पांच बरस के थे, तो परिवार नॉर्मंडी तट पर ले हावरे के पास चला गया। उनका ज्यादातर समय समुद्र तटों पर बीता। यहीं से प्रकृति के प्रति उनकी नई सोच का जन्म हुआ। 15 साल की उम्र तक, मोनेट ने ले हावरे के कई स्थानीय लोगों के चारकोल कैरिकेचर बनाकर अपना नाम कमा लिया था। ये चित्र, जिन्हें वह 10-20 फ्रैंक में बेचते थे, उन पर 'ओ. मोनेट' के सिग्नेचर थे। वह इंप्रेशनिस्ट दर्शन के सबसे सुसंगत कलाकार थे। खासकर खुले आसमान के नीचे लैंडस्केप पेंटिंग के मामले में। 'इंप्रेशनिज्म' शब्द उनकी पेंटिंग इंप्रेशन, (इंप्रेशन, सनराइज) के शीर्षक से लिया गया है, जिसे 1874 में मोनेट और उनके सहयोगियों द्वारा सैलून डी पेरिस के विकल्प के रूप में आयोजित पहली स्वतंत्र प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया था। 1883 से, मोनेट गिवर्नी में रहते थे, जहां उन्होंने एक घर और प्रॉपर्टी खरीदी और एक बड़ा लैंडस्केपिंग प्रोजेक्ट शुरू किया, जिसमें लिली के तालाब शामिल थे, जो उनके सबसे मशहूर कामों का विषय बने। उन्होंने 1899 में वॉटर लिलीज की पेंटिंग बनाना शुरू किया, पहले जापानी पुल को मेन सब्जेक्ट बनाकर वर्टिकल व्यू में और बाद में बड़ी-बड़ी पेंटिंग्स की सीरीज में, जिसमें वह अपनी जिंदगी के अगले 20 साल लगातार व्यस्त रहे। मोनेट का निधन 5 दिसंबर, 1926 को 86 साल की उम्र में फेफड़ों की बीमारी से हुआ। उनकी इच्छा के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार छोटा और सादा रहा।

रोमानिया की अनोखी परंपरा

नए साल का जश्न दुनियाभर में अलग-अलग अंदाज में मनाया जाता है। कहीं केक काटे जाते हैं, कहीं आतिशबाजी होती है, तो कहीं संगीत और नृत्य के साथ नए साल का स्वागत किया जाता है, लेकिन रोमानिया में नए साल का जश्न एक बिल्कुल अलग और अनोखी परंपरा के साथ मनाया जाता है, जिसे देखकर कोई भी हैरान रह जाए।

यहां लोग नए साल के अवसर पर भालुओं जैसी भारी-भरकम पोशाकें पहनकर सड़कों पर उतरते हैं और पारंपरिक नृत्य करते हैं। इस परंपरा को 'डांस ऑफ द बेयर' कहा जाता है, जो सदियों पुरानी लोक मान्यताओं से जुड़ी हुई है। माना जाता है कि भालू शक्ति, साहस और संरक्षण का प्रतीक होता है। भालू का यह नृत्य बुरी आत्माओं को दूर भगाने और आने वाले साल के लिए धरती को उपजाऊ व समृद्ध बनाने में सहायक माना जाता है। नृत्य के दौरान ढोल-नगाड़ों की तेज धुनें, रंग-बिरंगी वेशभूषा और सामूहिक उत्साह पूरे माहौल को जीवंत बना देते हैं। यह परंपरा न सिर्फ आस्था का प्रतीक है, बल्कि रोमानिया की सांस्कृतिक विरासत और लोक जीवन की गहराई को भी दर्शाती है।

परंपराएं दुनिया की

फड़ चित्रकला: लोकआस्था की जीवंत परंपरा

फड़ चित्रकला राजस्थान की एक दुर्लभ और ऐतिहासिक लोककला है, जिसकी परंपरा लगभग 700 वर्षों से एक ही वंश में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है। इसकी उत्पत्ति राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के पास स्थित शाहपुरा क्षेत्र में मानी जाती है। फड़ वस्तुत: एक विशाल स्क्रॉल पेंटिंग होती है, जिसमें स्थानीय देवी-देवताओं और लोकनायकों की विस्तृत धार्मिक कथाएं चित्रित की जाती हैं। इन चित्रों को चलती-फिरती या 'मोबाइल मंदिर' के रूप में देखा जाता था। रबारी जनजाति के पुजारी-गायक, जिन्हें भोपा और भोपी कहा जाता है, इन्हें अपने साथ गांव-गांव ले जाते थे।

लोकायन

रबारी जनजाति देवनारायणजी (विष्णु के अवतार) और लोकनायक पाबूजी की वीर गाथाओं को गायन और कथा-प्रस्तुति के माध्यम से जीवंत करते थे। सूर्यास्त के बाद फड़ को खोला जाता था और यह प्रस्तुति पूरी रात चलती रहती थी। स्थानीय बोली में 'फड़' का अर्थ 'मोड़ना' होता है, जो इस कला के स्वरूप को भी दर्शाता है। फड़ चित्रकला अत्यंत श्रमसाध्य और अनुशासनबद्ध प्रक्रिया से बनती है। इसे हाथ से बुने मोटे सूती कपड़े पर बनाया जाता है, जिसे पहले रातभर भिगोया जाता है ताकि धागे मजबूत हो सकें। इसके बाद चावल या गेहूं के आटे से बने स्टार्च से कपड़े को कड़ा किया जाता है, धूप में सुखाया जाता है और मूनस्टोन से रगड़कर सतह को चिकना व चमकदार बनाया जाता है।

इस कला की एक विशेषता इसका पूर्णतः प्राकृतिक होना है। रंग पत्थरों, फूलों, पौधों और जड़ी-बूटियों से तैयार किए जाते हैं। कलाकार इन्हें स्वयं बनाते हैं और गोंद व पानी के साथ मिलाकर कपड़े पर प्रयोग करते हैं। फड़ चित्रकला में पीला, नारंगी, हरा, भूरा, लाल, नीला और काला रंग प्रमुख रूप से दिखाई देते हैं। प्रत्येक रंग का प्रतीकात्मक उपयोग होता है- पीला प्रारंभिक रेखांकन और आभूषणों के लिए, नारंगी शरीर के अंगों के लिए, हरा वनस्पति के लिए, भूरा वास्तु संरचनाओं के लिए, लाल शाही वस्त्रों और सीमाओं के लिए, नीला जल व पर्दों के लिए, जबकि काला रंग अंत में रूपरेखा उभारने के लिए प्रयोग किया जाता है। इतनी सख्त पारंपरिक सीमाओं के कारण यह कला एक समय लुप्त होने की कगार पर पहुंच गई थी। ऐसे में प्रसिद्ध फड़ चित्रकार और पद्मश्री से सम्मानित श्री लाल जी जोशी ने 1960 में भीलवाड़ा में जोशी कला कुंज की स्थापना कर इस परंपरा को नया जीवन दिया। उन्होंने पहली बार परिवार के बाहर के कलाकारों को भी फड़ कला सिखाने का साहसिक कदम उठाया। उनके पुत्र गोपाल और कल्याण जोशी के नेतृत्व में यह प्रयास और विस्तृत हुआ और 1990 में इस संस्थान का नाम चित्रशाला रखा गया। आज तक चित्रशाला में 3,000 से अधिक कलाकार प्रशिक्षित हो चुके हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल कला को जीवित रखना नहीं, बल्कि उसकी पारंपरिक तकनीकों और प्राकृतिक रंगों की जटिल प्रक्रियाओं को भी संरक्षित करना रहा है। फड़ चित्रकला केवल दृश्य सौंदर्य की कला नहीं, बल्कि सदियों पुरानी लोककथाओं, आस्था और सांस्कृतिक स्मृति का जीवंत दस्तावेज है। आधुनिक समय में ऐसी कलात्मक विरासतों को बढ़ावा देना आवश्यक है, क्योंकि यही भारत की लोकसंस्कृति और ऐतिहासिक चेतना को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाती हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,675.08	25,938.85
गिरावट	20.46	3.25
प्रतिशत में	0.02	0.01

सोना 1,39,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,41,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, बुधवार, 31 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2535, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2250, रविन्द्रा 2410, फॉर्चुन 13किग्रा 1980, जय जवान 1990, सचिन 2010, सूरज 1990, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1855, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2185, चक्र टिन 2300, ब्लू 2085, आशीर्वाद मस्टर्ड 2300, स्वास्तिक 2490

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल प्रति कु. : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल, 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7200, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3500, मसूरी- 950, बासमती- 5200, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 2400, साबुत चना दाल- 2000, मूंग साबुत- 4500, राजमा- 8500-11500, दाल उड़द- 5400, साबुत मसूर दाल- 3000, मसूर दाल- 2600, उड़द साबुत- 4800, काबुली चना- 8000, अरहर दाल- 10000, लोबिया/करमानी- 1100

अश्लील और गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें वर्ना भुगतने पड़ेंगे नतीजे

केंद्र ने ऑनलाइन मंचों और सोशल मीडिया कंपनियों को जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने ऑनलाइन मंचों विशेषकर सोशल मीडिया कंपनियों को आगाह किया कि यदि वे अश्लील, अभद्र, बाल यौन शोषण से जुड़ी और अन्य प्रकार की गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो उन्हें कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 29 दिसंबर 2025 को जारी चेतावनी में सोशल मीडिया कंपनियों से अपने अनुपालन ढांचे की तत्काल समीक्षा करने और अपने मंच पर अश्लील एवं गैरकानूनी सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही कहा कि ऐसा करने में विफल रहने पर उन्हें देश के कानून के तहत मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है।

केंद्र सरकार की ओर से कहा गया है कि सोशल मीडिया मध्यस्थों सहित मध्यस्थों को याद दिलाया जाता है कि वे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत वैधानिक रूप से बाध्य हैं कि वे अपने मंचों पर या उनके माध्यम से अपलोड, प्रकाशित, होस्ट, साझा या प्रसारित की गई तृतीय-पक्ष की जानकारी के संबंध में दायित्व से छूट प्राप्त करने की शर्त के रूप में उचित सावधानी बरतें। यह चेतावनी ऐसे समय जारी की गई है कि जब इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यह पाया कि सोशल मीडिया मंच अश्लील, भद्दी, अनुचित और गैरकानूनी सामग्री पर सख्ती से कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। केंद्र ने दोहराया है कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और/या सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के प्रावधानों का पालन नहीं करने पर मध्यस्थों, मंचों तथा उनके उपयोगकर्ताओं के खिलाफ आईटी अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अन्य लागू आपराधिक कानूनों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को आईटी अधिनियम व आईटी नियम, 2021 के उन प्रावधानों की भी याद दिलाई है जिनके तहत ऑनलाइन मंचों को यह सुनिश्चित करने के लिए यथोचित प्रयास करने होते हैं कि उनके कंप्यूटर संसाधनों का उपयोग करने वाले लोग ऐसी कोई जानकारी होस्ट, प्रदर्शित, अपलोड, संशोधित, प्रकाशित, प्रसारित, संग्रहित, अद्यतन या साझा न करें जो अश्लील (पोर्नोग्राफिक), बाल यौन शोषण से जुड़ी (पीडोफिलिक), बच्चों के लिए हानिकारक या अन्यथा गैरकानूनी हो। मंत्रालय ने कहा कि उसके संज्ञान में यह आया है कि मध्यस्थों द्वारा उचित परिश्रम संबंधी दायित्वों के पालन में अधिक निरंतरता एवं सख्ती की आवश्यकता है।

तय समय के भीतर हटाएं गैरकानूनी सामग्री

आईटी मंत्रालय ने मध्यस्थों से कहा कि वे अदालत के आदेश या उपयुक्त सरकार या उसकी अधिकृत एजेंसी से प्राप्त सूचना पर गैरकानूनी सामग्री को तुरंत हटाएं या उस तक पहुंच निष्क्रिय करें। यह कार्रवाई आईटी नियम, 2021 में निर्धारित समयसीमा के भीतर सख्ती से की जाए। आईटी नियम, 2021 के तहत अनिवार्य है कि यदि किसी व्यक्ति की ओर से शिकायत की जाती है और सामग्री प्रथमदृष्टया किसी को यौन कृत्य या आचरण में दर्शाती है या उसका प्रतिरूपण है तो मध्यस्थ 24 घंटे के भीतर ऐसी सामग्री को हटाएं या उस तक पहुंच निष्क्रिय करें। ऑनलाइन मंचों से अपने आंतरिक अनुपालन ढांचे, सामग्री नियंत्रण प्रक्रियाओं और उपयोगकर्ता प्रवर्तन तंत्र की तत्काल समीक्षा करने तथा आईटी अधिनियम व आईटी नियम, 2021 के प्रावधानों का सख्त पालन सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।

उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली गिरावट

मुंबई। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को प्रमुख सूचकांक दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 20.46 अंक (0.02%) गिरकर 84,675.08 अंक पर बंद हुआ। यह ऊपर 84,806.99 अंक और नीचे 84,470.94 अंक तक गया। एनएसई का निफ्टी-50 सूचकांक भी 3.25 अंक यानी 0.01 प्रतिशत टूटकर 25,938.85 अंक पर आ गया। मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली ज्यादा देखी गई। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.22 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.28 फीसदी नीचे बंद हुआ। धातु, बैंकिंग और ऑटो सेक्टरों में लिवाली की जोर रहा। वहीं, रियलिटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रियलिटी, आईटी, रसायन और स्वास्थ्य समूहों में बिकवाली हावी रही।

भारत को रूस से कच्चे तेल का आयात घटा, 2022 के बाद सबसे निचला स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी

- नवंबर में 18.4 लाख बीपीडी था, दिसंबर में रह गया 12 लाख

दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात तेजी से घट सकता है लेकिन यह गिरावट आपूर्ति स्रोतों में किसी संरचनात्मक बदलाव के बजाय अल्पकालिक बाधाओं की ओर इशारा करती है।

ताजा आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात घटकर लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) रहने का अनुमान है, जो नवंबर में 18.4 लाख बीपीडी था। यह स्तर दिसंबर 2022 के बाद सबसे निचला होगा। भारतीय रिफाइनरी गैर-प्रतिबंधित इकाइयों से रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखे हुए हैं। विश्लेषकों ने अक्टूबर में ही इस गिरावट की ओर इशारा किया था। ऐसा रूस के शीर्ष निर्यातकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी कार्रवाई तथा रूस से जुड़े उत्पाद प्रवाह पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के चलते हुआ।

केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, दिसंबर में भारत में रूसी कच्चे तेल की मांग तेजी से सुस्त हुई और आयात 2022 के बाद सबसे निचले स्तर पर आ गया है। प्रमुख रिफाइनरी ने रोसनेफ्ट और लुकोइल पर लगे प्रतिबंधों के बाद खरीद घटा दी है। यह एक अल्पावधि का समायोजन है और जनवरी से नए बिचौलियों के आने तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं के दोबारा स्थापित होने के साथ धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और वह यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया था।

वित्तीय विवरण, वार्षिक रिटर्न दाखिल करने के लिए एक महीना और मिला

- कंपनियां अब 31 जनवरी तक दाखिल कर सकेंगी अपना वार्षिक रिटर्न

नई दिल्ली। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने मंगलवार को कंपनियों के लिए वित्तीय विवरण और वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 31 जनवरी, 2026 तक बढ़ा दी। यह विस्तार कंपनी कानून के तहत वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित फाइलिंग के लिए दिया गया है। पहले यह समयसीमा 31 दिसंबर को समाप्त होने वाली थी।

मंत्रालय ने यह फैसला विभिन्न हितधारकों से मिले आवेदनों को ध्यान में रखते हुए लिया है। कई कंपनियों और पेशेवरों ने फाइलिंग प्रणाली से जुड़ी तकनीकी और प्रक्रियागत समस्याओं की ओर मंत्रालय का ध्यान दिलाया था। मंत्रालय ने एक परिपत्र में कहा, हितधारकों से मिले आवेदनों को देखते हुए सक्षम प्राधिकारी ने यह निर्णय लिया है कि कंपनियों को वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित अपनी वार्षिक फाइलिंग 31 जनवरी 2026 तक बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के पूरी करने की अनुमति दी जाए। परिपत्र के अनुसार, अतिरिक्त शुल्क के बगैर दाखिल किए जा सकने वाले ई-फॉर्म में एमजीटी-7, एमजीटी-7ए, एओसी-4, एओसी-4 सीएफएस, एओसी-4 एनबीएफसी (इंड एएस), एओसी-4 सीएफएस एनबीएफसी (इंड एएस) और एओसी-4 (एक्सबीआरएल) शामिल हैं।

रिलायंस के लिए कार्यबल में दस गुना उत्पादकता बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने रिलायंस एआई घोषणा पत्र का मसौदा पेश किया। इसमें समूह को एआई आधारित उन्नत प्रौद्योगिकी उद्यम बनाने की महत्वाकांक्षी योजना है। साथ ही छह लाख से अधिक कर्मचारियों की उत्पादकता में दस गुना सुधार करने तथा भारत की अर्थव्यवस्था पर 10 गुना प्रभाव डालने का लक्ष्य रखा गया है।

एआई को मानव इतिहास का सबसे प्रभावशाली तकनीकी विकास बताते हुए अंबानी ने कहा कि उनका समूह भारत की एआई क्रांति का नेतृत्व करना चाहता है, ठीक वैसे ही जैसे उसने डिजिटल रूपांतरण का किया था। समूह का संकल्प हर भारतीय के लिए आसानी से एआई उपलब्ध कराना है, जिसमें सुरक्षा, भरोसा और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए सभी व्यवसायों में एआई को गहराई से समाहित किया जाएगा।

पाइपलाइन शुल्क ढांचे में सुधार के बाद सीएनजी-पीएनजी कीमतें घटनी शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

- आने वाले दिनों में कई शहरी गैस कंपनियां घटा सकती हैं कीमतें

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) की तरफ से पाइपलाइन शुल्क ढांचे में किए गए सुधार का सीधा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचने लगा है। शहरी गैस वितरक कंपनियों ने सीएनजी और घरों तक पाइप से पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस की कीमतों में कटौती शुरू कर दी है।

पीएनजीआरबी ने 16 दिसंबर को प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के लिए एक युक्तिसंगत और एकीकृत शुल्क ढांचे की घोषणा की थी। यह नया ढांचा एक जनवरी, 2026 से लागू होने वाला है। इस फैसले के बाद थिंक गैस कंपनी ने कई राज्यों में गैस कीमतें घटाने की घोषणा कर दी है और आने वाले दिनों में कई अन्य शहरी गैस वितरक कंपनियों के ऐसा करने की संभावना है। नियामक का कहना है कि नए ढांचे से गैस परिवहन प्रणाली अधिक सरल, न्यायसंगत और किफायती बनेगी। प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण, सीएनजी और घरेलू रसोई ईंधन के रूप में किया जाता है।

संशोधित शुल्क व्यवस्था के तहत दूरी आधारित शुल्क क्षेत्रों की संख्या तीन से घटाकर दो कर दी गई है। ये दो शुल्क क्षेत्र 300 किलोमीटर तक और उससे अधिक दूरी के हैं। सीएनजी और घरेलू पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए अब पूरे देश में एकसमान, कम दर वाला जोन-1 शुल्क ही लागू होगा। यह दर लगभग 54 रुपये प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट है, चाहे गैस स्रोत की दूरी कुछ भी हो। इससे पहले लंबी दूरी वाली गैस पर अधिक शुल्क वसूला जाता था। शुल्क कटौती के बाद शहरी गैस वितरण से जुड़ी कंपनी थिंक गैस ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब में सीएनजी की कीमतों में 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम तक और घरेलू पीएनजी में लगभग तीन रुपये प्रति मानक घन मीटर की कटौती की घोषणा की है।

पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा पर दायर की जनहित याचिका

हिंसा रोकने में संवैधानिक विफलता का आरोप, न्यायिक हस्तक्षेप का आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी

> हम भारतीय हैं, इसे साबित करने के लिए हमें आपको कौन सा प्रमाणपत्र दिखाना चाहिए। टकराव के क्रूर हिंसा में बदलने से पहले ये शब्द बेहद दुखद रूप से एंजेल चकमा के संवैधानिक नागरिकता के बारे में आखिरी दर्ज बयान बन गए। - **याचिका**

पूर्वोत्तर राज्यों और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के खिलाफ देश में नस्ली भेदभाव एवं हिंसा को रोकने न्यायिक हस्तक्षेप का आग्रह करते हुए उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें इस तरह की हिंसा रोकने में लगातार संवैधानिक विफलता का भी जिक्र किया गया है।

जनहित याचिका त्रिपुरा के 24 वर्षीय एमबीए छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मद्देनजर 28 दिसंबर को दायर की गई थी। चकमा की 27 दिसंबर को देहरादून के सेलाक्वी क्षेत्र में नस्ली हमले में लगी गंभीर चोटों के कारण मृत्यु हो गई थी। उनाकोटी जिले के मचमारा के रहने वाले चकमा अगरतला के होली क्रॉस स्कूल से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद एमबीए करने के लिए देहरादून गए थे, जहां उसके छोटे भाई माइकल की मौजूदगी में चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी गई। चकमा के परिजन इस घटना में शामिल सभी आरोपियों के लिए मौत की सजा या कम से कम आजीवन कारावास की मांग कर रहे हैं।

दिल्ली के वकील अनूप प्रकाश अवस्थी ने केंद्र सरकार और सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को जनहित याचिका में पक्षकार बनाया है। याचिका में कहा गया है, पूर्वोत्तर राज्यों और भारत के अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के भारतीय नागरिकों के खिलाफ नस्ली भेदभाव और हिंसा के मुद्दे के समाधान के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की जाती है। याचिका में चकमा की मौत से संबंधित मीडिया की खबरों का भी हवाला दिया गया। इसमें कहा गया है, व्यापक दिशा-निर्देश तैयार करने, नस्ली अपमान को घृणा अपराधों की एक अलग श्रेणी के रूप में मान्यता देने और इसके लिए सजा निर्धारित करने के उद्देश्य से एक उपयुक्त रिट (कानून बनने तक अंतरिम) जारी की जाए।

याचिका में केंद्र और राज्यों को यह निर्देश देने का आग्रह किया गया कि वे केंद्रीय स्तर के साथ-साथ प्रत्येक राज्य के स्तर पर एक नोडल एजेंसी या स्थाई निकाय या आयोग या निदेशालय का गठन करें, जहां इस तरह के नस्ली अपराधों की रिपोर्ट की जा सके और उनका निवारण किया जा सके। याचिका में कहा गया है, केंद्रीय स्तर के साथ-साथ प्रत्येक राज्य के स्तर पर संबंधित पक्षों को निर्देश दिया जाए कि वे प्रत्येक जिले/महानगर में नस्ली अपराधों से निपटने के लिए एक समर्पित विशेष पुलिस इकाई का गठन करें। कहा गया है कि चकमा की हत्या कोई अलग-थलग घटना नहीं है, बल्कि यह पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों के खिलाफ नस्ली दुर्व्यवहार और हिंसा के लंबे समय से चले आ रहे सिलसिले का हिस्सा है।

कामकाज में सुगमता के लिए एसओपी जारी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है, जिसमें उसके समक्ष पेश होने वाले वकीलों की ओर से दलीलों और लिखित निवेदन प्रस्तुत करने के लिए समयसीमा निर्धारित की गई है। यह कदम न्यायालय के कामकाज में सुगमता और न्याय मुहैया कराने की व्यवस्था में तेजी लाने के लिए उठाया गया है। सीजेआई सूर्यकांत और शीर्ष कोर्ट के अन्य न्यायाधीशों ने सोमवार को एक परिपत्र जारी किया, जिसमें सभी मामलों में मौखिक दलीलें प्रस्तुत करने की समयसीमा का पालन करने के लिए एसओपी तय की गई है। तत्काल प्रभाव से लागू इस एसओपी में कहा गया है, वरिष्ठ अधिवक्ता, दलील रखने वाले वकील और रिकॉर्ड पर मौजूद अधिवक्ता, नोटिस के बाद और नियमित सुनवाई वाले सभी मामलों में मौखिक बहस करने की समयसीमा सुनवाई शुरू होने से कम से कम एक दिन पहले प्रस्तुत करेंगे। यह समय-सीमा न्यायालय को 'एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड' (एओआर) को पहले से उपलब्ध कराए गए उपस्थिति पर्ची जमा करने के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। कहा गया है कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं सहित बहस करने वाले वकील, अपने एओआर या पीठ द्वारा नामित नोडल वकील के माध्यम से, सुनवाई की तारीख से कम से कम तीन दिन पहले दूसरे पक्ष को एक प्रति देने के बाद संक्षिप्त नोट या लिखित प्रस्तुति दाखिल करेंगे, जो पांच पृष्ठ से अधिक का नहीं होगा।

चकमा की हत्या की धीमी जांच पर त्रिपुरा सरकार में नाराजगी

- भाजपा की सहयोगी पार्टी टिपरा मोथा ने लगाया अपराध को कमतर आंकने का आरोप
- चकमा के परिवार को त्रिपुरा सरकार की ओर से पांच लाख रुपये देने की घोषणा

अगरतला। त्रिपुरा सरकार ने देहरादून में नस्लीय हिंसा के शिकार हुए एंजेल चकमा के परिवार को एकमुश्त पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता की मंगलवार को घोषणा करते हुए कहा कि चकमा के परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इस बीच त्रिपुरा सरकार में भाजपा की सहयोगी पार्टी टिपरा मोथी ने मामले की जांच में धीमी प्रगति पर नाराजगी भी जताई है।

त्रिपुरा सरकार में भाजपा की सहयोगी टिपरा मोथा के संस्थापक प्रद्योत किशोर देबबर्मन ने एंजेल की हत्या में शामिल भगोड़े को पकड़वाने में मदद करने वाले सूचना देने वालों को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। उत्तराखंड सरकार की ओर से भगोड़े की गिरफ्तारी के लिए 25,000 रुपये के इनाम की खबरों पर देबबर्मन ने जांच की गंभीरता पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, क्या एंजेल की जान की कीमत यही है। उन्होंने अधिकारियों से आदिवासी समुदायों के खिलाफ अपराधों को कमतर आंकने से बचने की अपील की।

एमबीए के 24 वर्षीय छात्र एंजेल और उनके छोटे भाई माइकल पर 9 दिसंबर को उत्तराखंड में देहरादून के सेलाकुई इलाके में कुछ लोगों ने चाकू से हमला किया था। एंजेल की उपचार के दौरान 26 दिसंबर को मौत हो गई, जबकि माइकल का इलाज चल रहा है। त्रिपुरा में छात्र संगठनों ने एंजेल और उनके भाई पर हुए नस्लीय हमले के खिलाफ प्रदर्शन जारी रखा है, जबकि उत्तराखंड पुलिस ने हमले में नस्लीय मकसद होने से इन्कार किया है।

चुनावी लाभ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दे रही हैं ममता बनर्जी : अमित शाह

कोलकाता, एजेंसी

- केंद्रीय गृहमंत्री ने तृणमूल प्रमुख पर बंगाल की जनसांख्यिकी बदलने का लगाया आरोप

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशी घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है जिससे पिछले कुछ वर्षों में राज्य की जनसांख्यिकी खतरनाक रूप से बदल गई है। कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग घुसपैठ को लेकर चिंतित हैं और भाजपा 2026 में राज्य में दो-तिहाई बहुमत से सत्ता में आने के बाद इसे समाप्त करेगी।

शाह ने कहा कि विधानसभा चुनाव अप्रैल में होंगे और देश से घुसपैठियों को बाहर निकालना मुख्य एजेंडा होगा। शाह ने घोषणा की कि बंगाल में घुसपैठ को समाप्त करने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय ग्रिड स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा, इंसान छोड़ दीजिए, परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा, इस प्रकार की मजबूत ग्रिड की रचना हम करेंगे। शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आवश्यक भूमि उपलब्ध न कराए जाने के कारण केंद्र सरकार भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी घुसपैठ रोकने में नाकाम रहने के लिए बीएसएफ को दोषी ठहराती हैं। मैं उनसे इस सार्वजनिक मंच से कह रहा हूं कि बांग्लादेश से सटे राज्यों में केवल यही राज्य सरकार है, जो सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराती।

शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को यह जवाब देना होगा कि भाजपा शासित असम, त्रिपुरा या देश के पश्चिमी राज्यों जैसे राजस्थान और गुजरात के अलावा पंजाब और कश्मीर की तुलना में पश्चिम बंगाल में घुसपैठ की समस्या अधिक गंभीर क्यों है। उन्होंने कहा, ऐसा सिर्फ बंगाल में ही क्यों होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां आपकी सीधी निगरानी में घुसपैठ होती है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य की जनसांख्यिकी में धीरे-धीरे लेकिन लगातार बदलाव होता है, जिससे आपका वोट बैंक मजबूत होता है।

कांग्रेस का आयोग पर एसआईआर पर यूटर्न का आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग पर एसआईआर को लेकर बार-बार यूटर्न लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग को स्पष्ट करना चाहिए कि वह किस प्रक्रिया का पालन तथा किस एप का उपयोग कर रहा है।

पार्टी के लोकसभा सदस्य शशिकांत सेंथिल ने यह दावा भी किया कि आयोग ने बिहार में एसआईआर के दौरान डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर का उपयोग बंद किया, लेकिन 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में फिर से शुरू कर दिया है। सेंथिल ने कहा, पहले डुप्लीकेट मतदाता की पहचान और उन्हें चिह्नित करने के लिए 'डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर' का उपयोग किया जाता था। यदि कोई एक से अधिक बूथ या जिले में पंजीकृत पाया जाता है तो सॉफ्टवेयर इसे चिह्नित करता है, जिसके बाद बीएलओ निवास की जांच करने के लिए जमीनी सत्यापन करता है।

पांच महीने बाद भी धनखड़ को सरकारी आवास नहीं

- अगस्त में आवास मंत्रालय को लिखे पत्र भी कोई कार्रवाई नहीं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के पांच महीने बाद भी जगदीप धनखड़ को सरकारी आवास नहीं मिला है। अगस्त में धनखड़ ने केंद्र सरकार को सरकारी आवास के लिए एक पत्र भी लिखा था लेकिन उसका भी कोई नतीजा नहीं निकला।

धनखड़ ने इस वर्ष संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके कुछ हफ्तों बाद सितंबर में उन्होंने अपने आधिकारिक आवास 'उपराष्ट्रपति एन्क्लेव' को खाली कर दिया था और दक्षिण दिल्ली के छतरपुर इलाके में एक निजी फार्महाउस में चले गए थे। धनखड़ ने 22 अगस्त को आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर पूर्व उपराष्ट्रपतियों को प्राप्त होने वाले आधिकारिक आवास का अनुरोध किया था। धनखड़ के करीबी एक व्यक्ति ने कहा, इसके बाद भी अभी तक उन्हें वह आवास उपलब्ध नहीं कराया गया है , जिसके वह हकदार हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति होने के नाते धनखड़ लगभग दो लाख रुपये प्रति माह की पेंशन, टाइप-8 बंगला, एक निजी सचिव, एक अतिरिक्त निजी सचिव, एक निजी सहायक, एक चिकित्सक, एक नर्सिंग अधिकारी और चार निजी परिचारकों के हकदार हैं।

तृणमूल का जवाब, चुनाव में 50 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी भाजपा

- कुलदीप सेंगर और बृजभूषण सिंह को संरक्षण देने वाले महिला सुरक्षा पर उपदेश न दें

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा के दो-तिहाई बहुमत हासिल किए जाने का उनका दावा हवा-हवाई है।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ब्रत्य बसु ने कहा कि चुनाव में भाजपा 50 सीट का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकेगी और उसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ेगा। तृणमूल की वरिष्ठ नेता और मंत्री शशि पांजा ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शाह की टिप्पणियों के जवाब में कहा, बिलकिस बानो के बलात्कारियों को आपकी पार्टी के कार्यकर्ता माला पहनाते हैं। आपकी पार्टी कुलदीप सेंगर और बृज भूषण को संरक्षण देती है जिन पर अत्याचार करने के आरोप लगे हैं। शाह को महिलाओं की सुरक्षा पर उपदेश नहीं देना चाहिए। पांजा ने शाह और भाजपा पर उस अपराजिता विधेयक को पारित होने में बाधा डालने का आरोप लगाया जिससे बलात्कारियों को दोषी पाए जाने के बाद नजीर बनने वाली सजा सुनिश्चित हो पाती।

जिया के कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश के बीच संबंध रहे जटिल और तनावपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी

• बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

भारत के दो पूर्व राजनयिकों ने कहा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का राजनीतिक उत्थान, उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की पुनः स्थापना के प्रति देश की दृढ़ता का प्रतीक था और साथ ही उन्होंने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को भी मजबूती दी, जो उनके पति की मृत्यु के बाद पूरी तरह बिखरने के गंभीर खतरे का सामना कर रही थी।

उन्होंने यह भी कहा कि खालिदा जिया के कार्यकाल के दौरान भारत-बांग्लादेश संबंध जटिल और अक्सर तनावपूर्ण रहे, जिसका कारण पूर्वोत्तर भारत में उग्रवादियों को कथित समर्थन और उन्हें बांग्लादेश में पनाह मिलना बताया गया। हालांकि सैन्य शासन के पश्चात उनकी देश में लोकतंत्र बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीणा सिकरी ने कहा कि जिया के दूसरे कार्यकाल (2001-2006) के दौरान पाकिस्तान का प्रभाव काफी अधिक था और यह भारत के लिए बेहद कठिन समय था। पूर्व राजनयिक वेणु राजामोनी ने कहा कि जिया के शासन में भारत-बांग्लादेश संबंध जटिल और अक्सर तनावपूर्ण रहे।

पति की कब्र के बगल में होंगी सुपुर्द-ए-ख़ाक

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को बुधवार को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा और उन्हें उनके पति एवं पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के बगल में दफन किया जाएगा। अंतरिम सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की लंबे समय तक प्रमुख रहीं और तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकीं जिया का सुबह ढाका में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। विधि सलाहकार आसिफ नजरुल ने बताया कि जिया का अंतिम संस्कार बुधवार को जोहर की नमाज के बाद संसद के साउथ प्लाजा और उससे सटे मानिक मियां एवेन्यू में होगा।

आधुनिक अस्त्र शस्त्रों से लैस होगी सेना

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने अपनी तीनों सेनाओं को और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया है। इसके लिए सेनाओं को नए और अत्याधुनिक हथियारों और युद्ध में सहायक उपकरणों से लैस किया जा रहा है जो नई युद्ध प्रणाली में कारगर साबित होंगी। हाल ही में सरकार ने 79 अरब रुपये के सैन्य साजो सामान की खरीद को मंजूरी दी है। जिसके तहत तोपखाना रेजिमेंट की क्षमता में इजाफा करने के लिए घातक ड्रोन, कम ऊंचाई पर उड़ने वाले वायुयानों और ड्रोन का पता लगाने के लिए लो लेवल रडार, रॉकेट लांचर, लंबी दूरी तक मार करने वाले गाइडेड रॉकेट और लंबी दूरी तक मार करने वाली एंटी ड्रोन प्रणाली मार्क-2 शामिल है। इनसे न केवल सेना को मजूबती मिलेगी वरन वैश्विक परिदृश्य में भारत की सामरिक ताकत में भी इजाफा होगा।

बढ़ेगी देश की ताकत

बड़े हथियार और रणनीतिक प्रणालियां

• रक्षा मंत्रालय ने जिन हथियार और प्रणालियों की खरीद के प्रस्तावों को मंज़ूरी दी है। उसमें विशेष रूप से लॉइटर म्यूनिशन, लंबी दूरी के रॉकेट, उन्नत राडार और ड्रोन इंटरसेप्शन सिस्टम शामिल हैं, जिससे भारतीय सेना की युद्ध-क्षमता काफी मजबूत होगी। सेना के लिए क्लोज-क्वार्टर बैटल कार्बाइन जैसे आधुनिक छोटे हथियारों की खरीद भी तय हुई है, जो नजदीकी युद्ध और शहरी मुकाबलों में सैनिकों की प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाएंगे। नौसेना के लिए हैवी-वेट टॉरपीडो की खरीद से समुद्री लड़ाकू क्षमता में इज़ाफा होगा। इसके पूर्व भी सेना के लिए खरीद सौदों को मंजूरी दी गई थी।

कम ऊंचाई के वॉर में बढ़ेगी क्षमता

• **लो लेवल रडार :** ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना का ध्यान जहां कम ऊंचाई वाले हवाई युद्ध में क्षमता बढ़ाने पर है। लो लेवल रडार कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन, यूएवी की पहचान कर सकेंगे और उन्हें खतरे से पहले नष्ट किया जा सकेगा।

लांग रेंज गाइडेट रॉकेट : लांग रेंज गाइडेड रॉकेट सामान्य रॉकेटों की तुलना में अचूक निशाना लगाने में सक्षम होगा।

एंटी ड्रोन प्रणाली मार्क-2 : रेंज ज्यादा होने से यह युद्ध क्षेत्र और भीतरी इलाकों में रक्षा करने में सक्षम होगी। इससे दूर से ही दुश्मन को मार गिराया जा सकता है।

ऑटो टेक ऑफ प्रणाली : वायुसेना को स्वचालित टेक ऑफ और लैंडिंग रिकार्डिंग प्रणाली मुहैया कराई जाएगी जिससे हवाई सुरक्षा की कमियां दूर होंगी।

महत्वपूर्ण भूमिका

• 2025 में सेना के कई सफल ऑपरेशन्स में इन नई प्रणालियों की भूमिका रही है, और इससे सेना की समग्र तैयारी और आत्म-निर्भरता में वृद्धि हुई है। आधुनिक युद्ध अब सिर्फ़ सैनिक ताकत नहीं, बल्कि तकनीक और प्रणाली की ताकत है। मॉडर्न हथियार और सिस्टम से सेनाओं की वास्तविक सैन्य सक्षमता बढ़ेगी, खासकर सीमा पर चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के मुकाबले में।

समुद्र में भी मजबूत

• नौसेना को भी मानव रहित निगरानी ड्रोन के अलावा अन्य संशाधनों से लैस किया जा रहा है। नौसेना के युद्धपोतों और पनडुब्बियों को बंदरगाह पर सुरक्षित लाने और ले जाने के लिए बोलार्ड पुल टग्स दिए जाएंगे। गुप्त संचार के लिए हाई फ्रिक्वेंसी सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो मैनपैक से लैस किया जाएगा। यह पीठ पर लादा जा सकने वाली संचार प्रणाली है जिसे आसानी से हैक नहीं किया जा सकेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

पुतिन ने मुर्मू, मोदी को दी नववर्ष की बधाई

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित विश्व के नेताओं को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। क्रेमलिन कहा कि क्रिसमस और नव वर्ष 2026" के लिए ये शुभकामनाएं दी गईं। पुतिन ने चीन और स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रमंडल देशों के नेताओं को शुभकामनाएं दीं, लेकिन उन प्रमुख यूरोपीय देशों को नजरअंदाज किया, जो वर्तमान में यूक्रेन युद्ध के कारण मॉस्को के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। हालांकि, पुतिन ने नाटो और यूरोपीय संघ के मित्र सदस्य देशों हंगरी और स्लोवाकिया के नेताओं को भी शुभकामनाएं दीं।

चीन कर रहा ताइवान पर हमले की तैयारी

ताइपे। अमेरिकी सीनेटर रोजर विकर ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि चीन ने ताइवान पर हमला करने की तैयारी तेज कर दी है। उन्होंने कहा कि चीन की तैयारी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की नाकाबंदी करने की क्षमता दिखाने और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को ताइपे पर दबाव बनाने की अनुमति देने के लिए डिजाइन की गई है। रोजर ने कहा कि ये अभ्यास पीएलए की ताइवान की नाकाबंदी लागू करने की क्षमता दिखाने और कम्युनिस्ट चीनी पार्टी को ताइपे पर दबाव बनाने की अनुमति देने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

कंबोडिया की सीमा पर ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध

नोम पेन्ह। कंबोडिया ने खासकर थाईलैंड से लगे अपने सीमावर्ती इलाकों में सोमवार की रात से बिना इजाजत के ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है । कम्बोडिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा, राजधानियों और प्रांतों में विशेष रूप से कोह कोंग, पुरसात, बट्टमबांग, बंतेय मीनचे, ओडार मीनचे, प्रेह विहार और पायलिन के सीमावर्ती प्रांतों में बिना अनुमति के सभी प्रकार के मानवरहित हवाई वाहनों (ड्रोन) के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाता है।

मीरा स्याल नव वर्ष की सम्मान सूची में शामिल

लंदन। प्रसिद्ध ब्रिटिश-भारतीय कलाकार मीरा स्याल मंगलवार को जारी उन ब्रिटिश-भारतीयों की सूची में शामिल हैं, जिन्हें महाराजा चार्ल्स तृतीय ने नव वर्ष पर सम्मानित किया है। स्याल को डेमहुड की उपाधि से नवाजा गया है। लंदन में रहने वाली हास्य कलाकार, लेखिका, अभिनेत्री और फिल्म निर्माता को साहित्य, नाटक और परोपकार सेवाओं के लिए डेम मीरा की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर ईरान पर हमला करेगा अमेरिका

ट्रंप ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के दौरान दी चेतावनी

• हमास को भी जल्द हथियार छोड़ने के लिए चेताया

पाम बीच (फ्लोरिडा), एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि उसने अपने परमाणु कार्यक्रम को दोबारा शुरू करने की कोशिश की तो अमेरिका उसके परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला कर सकता है। ट्रंप ने यह चेतावनी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का अपने फ्लोरिडा स्थित आवास पर स्वागत के दौरान दी। नेतन्याहू गाजा सहित अन्य मुद्दों पर व्यापक बातचीत के लिए फ्लोरिडा पहुंचे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह चेतावनी ऐसे समय में दी है जब वे लगातार यह दावा करते रहे हैं कि जून में ईरान के प्रमुख परमाणु संवर्धन स्थलों पर अमेरिकी हमलों से तेहरान की परमाणु क्षमताएं पूरी तरह से खत्म हो गई हैं। हालांकि, इजराइली अधिकारियों के हवाले से स्थानीय मीडिया में ऐसी रिपोर्ट हैं कि ईरान इजराइल पर हमला करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलें फिर से तैयार कर सकता है। नेतन्याहू के मार-ए-लागो एस्टेट पहुंचने के तुरंत बाद ट्रंप ने कहा कि अब मैं सुन रहा हूं कि ईरान फिर से निर्माण करने की कोशिश कर रहा है और अगर वे ऐसा कर रहे हैं तो हमें उन्हें कुचलना पड़ेगा। हम उन्हें कुचल देंगे। ईरान का कहना है कि वह देश में किसी भी स्थल पर अब यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा है। वह पश्चिमी देशों को यह संकेत देने की कोशिश कर रहा है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर संभावित बातचीत के लिए तैयार है लेकिन संभावना जताई जा रही है कि नेतन्याहू तेहरान के खिलाफ फिर से संभावित सैन्य कार्रवाई पर ट्रंप के साथ चर्चा करेंगे। नेतन्याहू की यह यात्रा गाजा के लिहाज से भी अहम है। ट्रंप अमेरिका की मध्यस्थता में इजराइल-हमास संघर्षविराम समझौता कराने की दिशा में नई गति पैदा करना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि वह वार्ता के दूसरे चरण तक जल्द से जल्द पहुंचना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने साथ ही कहा कि लेकिन हमास को निरस्त्र करना होगा।

फ्लोरिडा में मार-ए-लागो क्लब में दोपहर के भोजन के दौरान मुलाकात करते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू।

ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा, हमले की स्थिति में कड़ा जवाब देंगे

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने मंगलवार को कहा कि किसी भी हमले की स्थिति में उनका देश कड़ा जवाब देगा। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के जवाब में उनका यह बयान आया है। पेजेशकियान ने एक्स पर पोस्ट किया कि किसी भी क्रूर आक्रमण पर इस्लामिक गणराज्य ईरान का जवाब कठोर और हतोत्साहित करने वाला होगा। ईरानी राष्ट्रपति ने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन उनका यह वक्तव्य ट्रंप के बयान के बाद आया है। ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की कोशिश करता है, तो अमेरिका सैन्य हमले कर सकता है। ट्रंप ने सोमवार को संकेत दिया कि वह ईरान के खिलाफ एक और अमेरिकी हमले का आदेश दे सकते हैं। पेजेशकियान ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच तनाव पहले ही बढ़ चुका है। ईरान का कहना है कि वह यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा है।

सेना को कार्बाइन, नौसेना को मिलेंगे तारपीडो

नई दिल्ली, एजेंसी

• रक्षा मंत्रालय ने 4666 करोड़ के अनुबंधों पर किए हस्ताक्षर

रक्षा मंत्रालय ने सेना के लिए क्लोज क्वार्टर बैटल (सी क्यू बी) कार्बाइन और नौसेना के लिए हेवी वेट तारपीडो की खरीद के 4,666 करोड़ रुपये के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में इन अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए। सेना और नौसेना के लिए सहायक उपकरणों के साथ लगभग 4 लाख 25 हजार सीक्यूबी कार्बाइन खरीदी जाएंगी और इसके लिए भारत फोर्ज लिमिटेड और पीएलआर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 2,770 करोड़ रुपये का अनुबंध किया गया है। सी क्यू बी स्वदेशी, हल्की और कॉम्पैक्ट बंदूक है जिसे खास तौर पर नजदीकी लड़ाई और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह उपलब्धि 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के तहत पुरानी हथियार प्रणालियों को अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीक में बदलते हुए भारतीय सैनिकों को विश्वस्तरीय मारक क्षमता से लैस करने के असाधारण और सतत प्रयासों की परिणति है। सीक्यूबी आधुनिक पैदल सेना के शस्त्रागार का अहम हिस्सा हैं।

रूस ने अपने बेड़े में शामिल की नई परमाणु मिसाइल

मास्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसकी परमाणु सक्षम ओरेश्निक मिसाइल प्रणाली सक्रिय सेवा में शामिल हो गयी है। रूस-यूक्रन युद्ध को लेकर शांतिवार्ता में शामिल वार्ताकारों की लड़ाई को खत्म करने को लेकर की जा रही कोशिशों के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है।

मंत्रालय ने बताया कि ये मिसाइलें पड़ोसी देश बेलारूस में तैनात की गयी हैं जहां सैनिकों ने इस अवसर पर एक संक्षिप्त समारोह आयोजित किया । हालांकि मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि कितनी मिसाइलें तैनात की गई हैं । उसने कोई अन्य विवरण भी नहीं दिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिसंबर के आरंभ में कहा था कि ओरेश्निक इस महीने युद्धक सेवा में शामिल हो जाएगी।

सऊदी अरब ने यमन पर की बमबारी, बढ़ा तनाव

दुबई, एजेंसी

• यूएई से अलगाववादियों के लिए लाए हथियारों पर साधा निशाना

सऊदी अरब ने यमन के बंदरगाह शहर मुकाला पर एक अलगाववादी संगठन के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आई हथियारों की खेप को निशाना बनाकर बमबारी की। संयुक्त अरब अमीरात ने इन हमलों की तत्काल पुष्टि नहीं की। यह हमला सऊदी अरब और यूएई समर्थित 'सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल' (एसटीसी) के बीच तनाव और बढ़ने का संकेत देता है। इससे रियाद और अबू धाबी के रिश्तों में भी तनाव बढ़ने का संकेत मिलता है।

यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ एक दशक से जारी युद्ध में दोनों देश अलग-अलग पक्षों का समर्थन करते रहे हैं। सऊदी अरब द्वारा किए गए हवाई हमलों के बाद यमन में हूती-विरोधी बलों ने मंगलवार को आपातकाल की घोषणा कर दी।

इन बलों ने अपने नियंत्रण वाले इलाकों में सभी सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद करने की घोषणा की। साथ ही, हवाई अड्डों और बंदरगाहों में प्रवेश पर भी रोक लगा दी है। केवल उन लोगों पर प्रतिबंध नहीं है जिन्हें सऊदी अरब ने अनुमति दी है। बाद में, सऊदी अरब ने यूएई को चेतावनी दी कि यमन में अलगाववादियों की गतिविधियों को उसके द्वारा दिया जा रहा समर्थन बेहद खतरनाक है। सऊदी विदेश मंत्रालय के इस बयान में यूएई को एसटीसी की हालिया गतिविधियों से सीधे तौर पर जोड़ा गया। यह बयान अलगाववादियों के कदमों को लेकर अबू धाबी के लिए चेतावनी है।

बांग्लादेश ने भारत से अपने उच्चायुक्त को ढाका बुलाया

ढाका। भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह विदेश मंत्रालय के आपात बुलावे पर सोमवार रात ढाका पहुंचे जहां मंगलवार को अंतरिम सरकार के दो वरिष्ठ सलाहकारों ने उनसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) खलीलुर रहमान ने विदेश कार्यालय में रियाज के साथ बैठक की। अधिकारियों ने चर्चा के विषयों पर जानकारी नहीं दी।

युवा पीढ़ी को भारत की जड़ों और विरासत से जोड़ रहा संघ

नागपुर, एजेंसी

• इजराइली राजनयिक ने की संगठन के कार्यों की प्रशंसा

मध्य-पश्चिम भारत में इजराइल के महावाणिज्यदूत यानिव रेवाच ने युवा पीढ़ी को उनकी जड़ों, विरासत और भारत के इतिहास से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मंगलवार को प्रशंसा की और कहा कि संगठन द्वारा संचालित गतिविधियां बहुत प्रभावशाली हैं।

रेवाच ने यह भी कहा कि आतंकवाद से लड़ने में भारत और इजराइल रणनीतिक सहयोगी हैं। इजराइली महावाणिज्यदूत ने नागपुर हवाई अड्डे पर कहा कि मेरे लिए आरएसएस का दौरा करना और यहां उनके द्वारा आयोजित गतिविधियों को देखना महत्वपूर्ण था। ये गतिविधियां बहुत प्रभावशाली हैं क्योंकि वे युवा पीढ़ी के साथ काम कर रहे हैं और उन्हें भारत की जड़ों, विरासत और इतिहास से जोड़ रहे हैं।

उन्होंने एक दिन पहले रेशिमबाग क्षेत्र स्थित स्मृति मंदिर परिसर का दौरा किया था, जहां आरएसएस के संस्थापक हेडगेवार का स्मारक है।

साहित्य महोत्सव में शामिल होंगी सुनीता विलियम्स

नई दिल्ली। नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 22 जनवरी से शुरू होने वाले नौवें केरल साहित्य महोत्सव (केएलएफ) में भाग लेने वाली हैं। उम्मीद है कि अंतरिक्ष में 300 से अधिक दिन बिता चुकीं 60 वर्षीय विलियम्स पृथ्वी से दूर अपनी यात्रा, विज्ञान, अन्वेषण, नेतृत्व और मानवीय जिज्ञासा की स्थायी शक्ति के बारे में बात करेंगी। केएलएफ के मुख्य सूत्रधार रवि डीसी ने कहा कि केरल साहित्य महोत्सव हमेशा से ही विज्ञान को महत्व देता आया है।

हेलीकॉप्टर ध्रुव एनजी को दिखाई हरी झंडी

बेंगलुरु, एजेंसी

• नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया देश के लिए अहम उपलब्धि

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने मंगलवार को एचएएल द्वारा डिजाइन और निर्मित अगली पीढ़ी के हेलीकॉप्टर ध्रुव एनजी को हरी झंडी दिखाकर पहली उड़ान के लिए रवाना किया। यहां उड़ान भरने से पहले केंद्रीय मंत्री ने हेलीकॉप्टर की उन्नत प्रणालियों और विशेषताओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए पायलट के साथ कॉकपिट में प्रवेश किया।

ध्रुव एनजी महज 5.5 टन का एक हल्का, दो इंजन वाला और बहु-भूमिका हेलीकॉप्टर है, जिसे भारतीय भूभाग की विविध और

चुनौतीपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री ने हरी झंडी दिखाने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह हेलीकॉप्टर भारतीय विमानन इतिहास में एक बहुत महत्वपूर्ण उपलब्धि है और उन्होंने इस उपलब्धि के लिए एचएएल के सभी कर्मचारियों, डिजाइनरों और इंजीनियरों से लेकर तकनीशियनों तक को बधाई दी।

नायडू ने कहा कि नागरिक विमानन मंत्री के रूप में यह मेरे लिए विशेष रूप से गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह विकास स्वदेशी एयरोस्पेस विनिर्माण में भारत के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ध्रुव-एनजी महज एक मशीन नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के प्रति भारत की क्षमता, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने स्वदेशी शक्ति इंजन के लिए डीजीसीए द्वारा टाइप सर्टिफिकेट देने को नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए अहम बताया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 31 दिसंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 1 जनवरी 01.47 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

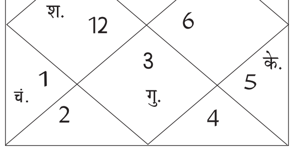

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल-मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-कृत्तिका 1 जनवरी 01.29 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष - आज किसी पुरानी समस्या का समाधान मिलने के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन पर आपको काफी ध्यान देना चाहिए। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी। आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। कानूनी मामलों में आपको सफलता मिलेगी।

वृष - आज धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं। उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेने के लिए दिन काफी शुभ है। किसी बड़े कार्य को लेकर धन की समस्या हल हो सकती है। बच्चों को बड़ी सफलता मिल सकती है।

मिथुन - आज लंबी दूरी की यात्रा न करें। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। अहंकारी प्रवृत्ति के लोगों को आलोचना झेलनी पड़ सकती है। रक्तचाप और गठिया रोगियों को परेशानी होने की संभावना है।

कर्क - आज अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। काफी दिनों से चली आ रही समस्या दूर होगी। कई पुरानी यादें अचानक आपके सामने उभरकर आएंगी। अनुसंधान संबंधित प्रोजेक्ट्स में सफलता मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ आप काफी अच्छा समय बिताएंगे।

सिंह - आज अपनी उपलब्धियों पर गर्व होगा। आप जिस काम को बहुत आसान समझते हैं वही आपको काफी परेशान कर सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। व्यवसाय में लाभ होगा। पड़ोसी आपकी काफी मदद करना चाहेंगे।

कन्या - आज आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। व्यवसाय में आप बड़ा और साहसिक निर्णय ले सकते हैं। लोग आपसे काफी अपेक्षाएं रखे हुए हैं, जिसे आप पूरा भी करेंगे। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक पालन करें।

तुला - आज नया काम शुरू करने के लिए दिन शुभ नहीं है। धर्म-कर्म के प्रति आपका रुझान कम हो सकता है। शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक - आज कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता के बावजूद आप काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप परिजनों के साथ घूमने जा सकते हैं। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। बच्चों के करियर की चिंता हो सकती है। विद्वान लोगों की संगति आपके लिए लाभकारी होगी।

धनु - आज नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन बेहद शुभ है। इसका सीधा लाभ आपको कार्यक्षेत्र में भी प्राप्त होगा। आपका मन आध्यात्मिक कार्यों में लगेगा। आपकी छवि लोगों के बीच एक उदार और परोपकारी व्यक्ति के रूप में स्थापित होगी।

मकर - आज आत्मविश्वास में कमी महसूस होगी। बिना मांगे किसी को सलाह देने के कारण अपमान हो सकता है। लापरवाही के कारण आपके काम की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में चर्चा कर सकते हैं।

कुंभ - आज आपकी कोई बात निकटस्थ लोगों को व्यथित कर सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। अपने स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें। प्रेमी जन के साथ संवादहीनता के कारण बात बिगड़ सकती है।

मीन - आज पैतृक व्यवसाय में आय बढ़ेगी। पति-पत्नी एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। आपके सभी काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। जीवनसाथी को कुछ उपहार दे सकते हैं।

सुडोकू-18

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8	2		9	4	1		
		3		8				5
		9	6		7			
3				6		7		9
	1						4	
8		6		5				2
			3		8	5		
5				2		4		
		7	9	1		8	6	

सुडोकू - 17 का हल

4	6	8	1	3	9	5	7	2
7	3	5	8	2	4	9	1	6
1	9	2	5	6	7	4	3	8
2	4	6	3	5	8	7	9	1
5	1	9	7	4	6	8	2	3
8	7	3	9	1	2	6	5	4
3	5	4	6	9	1	2	8	7
9	2	7	4	8	3	1	6	5
6	8	1	2	7	5	3	4	9

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

खालिदा जिया के निधन के बाद बीपीएल के मैच स्थगित

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन के बाद मंगलवार को होने वाले बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दो मैच स्थगित कर दिए हैं। दोनों मैच अब बुधवार को खेले जाएंगे। बीपीएल के मैच स्थगित करने का फैसला सिलहट अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में सिलहट टाइटन्स और चटगांव रॉयल्स के बीच दिन के पहले मैच के टॉस से दो घंटे पहले लिया गया। बीसीबी ने एक्स पर कहा कि बीपीएल 2026 बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री के लिए राष्ट्रीय शोक की अवधि के दौरान सम्मान में एकजुट है। 30 दिसंबर 2025 को होने वाले मैच 31 दिसंबर 2025 को खेले जाएंगे।

पूरा वेतन न मिलने पर प्रो लीग का बहिष्कार करेंगे पाक खिलाड़ी

लाहौर। पाकिस्तान की हॉकी टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने पूरा वेतन नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए फरवरी में होने वाले पुरुष एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। इन खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि उन्हें इस महीने की शुरुआत में खेले मैचों के लिए पूरा दैनिक भत्ता नहीं दिया गया है। राष्ट्रीय पुरुष टीम के दो सदस्यों ने पुष्टि की कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) को स्पष्ट संदेश भेज दिया गया था कि यदि वित्तीय मुद्दों का समाधान नहीं किया गया तो कई खिलाड़ी एफआईएच प्रो लीग के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

पीसीबी ने मुख्य कोच महमूद से नाता तोड़ा

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने राष्ट्रीय टेस्ट टीम के मुख्य कोच अजहर महमूद से उनके अनुबंध की समाप्ति से तीन महीने पहले ही अलग होने का फैसला किया है। पूर्व टेस्ट ऑलराउंडर अजहर का अनुबंध मार्च 2026 तक था, लेकिन उन्हें समय से पहले हटा दिया गया है। पाकिस्तान अगला टेस्ट मैच मार्च 2026 में खेलेगा। बोर्ड के सूत्र ने बताया कि अजहर का अनुबंध मार्च में समाप्त हो रहा है और पाकिस्तान की टीम का टेस्ट दौरा मार्च 2026 से शुरू होगा, इसलिए बोर्ड नए मुख्य कोच के लिए अपनी रणनीति अभी से तैयार करना चाहता है। अजहर का बोर्ड के साथ दो साल का अनुबंध था। उन्हें पिछले साल टेस्ट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

ब्रैडमैन की बैगी ग्रीन कैप होगी नीलाम

सिडनी। महान बल्लेबाज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने भारत के 1947-48 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान जो बैगी ग्रीन कैप पहनी थी उसकी अगले महीने नीलामी होगी। ब्रैडमैन ने भारतीय ऑलराउंडर श्रीरंगा वासुदेव सोहोनी को कैप उपहार में दी थी। वह स्वतंत्र भारत का पहला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट दौरा था। ब्रैडमैन के युग की बची हुई अधिकांश बैगी ग्रीन कैप विभिन्न संग्रहालयों या निजी संग्रहों में रखी गई हैं लेकिन इस कैप को कभी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं किया गया या बिक्री के लिए नहीं रखा गया। ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस (एएपी) के अनुसार यह कैप 75 वर्षों से अधिक समय से एक ही परिवार के पास है। लॉयड्स ऑक्शंस के ली हेम्स ने कहा कि यह क्रिकेट इतिहास की वास्तविक वस्तु है जिसे सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने उपहार में दिया था।

भारतीय महिलाओं ने किया क्लीन स्वीप

शृंखला के पांचवें और अंतिम टी-20 मैच में भी श्रीलंका 15 रनों से परास्त

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

कप्तान हरमनप्रीत कौर के जुझारू अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने पांचवें और अंतिम महिला टी-20 मैच में मंगलवार को श्रीलंका को 15 रन से हराकर पांच मैच की शृंखला में 5-0 से क्लीन स्वीप किया। भारत ने किसी द्विपक्षीय शृंखला में स्वदेश में पहली और तीसरी बार 5-0 से किसी टीम का सूपड़ा साफ किया है। श्रीलंका को पहली बार इस अंतर से हार मिली है।

भारत के 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की हसिनी परेरा (65 रन, 42 गेंद, 8 चौके, 1 छक्का) और इमेशा दुलानी (50 रन, 39 गेंद, 8 चौके) के अर्धशतक और दोनों के बीच दूसरे विकेट की 79 रन की साझेदारी के बावजूद 7 विकेट पर 160 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, वैष्णवी शर्मा, श्री चरणी और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट लिए। हरमनप्रीत ने 43 गेंद में 9 चौकों और 1 छक्के से 68 रन की पारी खेलने के अलावा अमनजोत (21) के साथ छठे विकेट के लिए 61 रन जोड़कर भारत को 7 विकेट पर 175 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। अरुंधति ने अंत में 11 गेंद में 4 चौकों और 1 छक्के से नाबाद 27 रन बनाए। श्रीलंका की कविशा दिलहारी, कप्तान चामरी अटापट्टू और रश्मिका सेवांडी ने दो-दो विकेट चटकाए।

मैच के दौरान साथी खिलाड़ियों के साथ भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे श्रीलंका ने दूसरे ओवर में ही कप्तान चामरी (02) का विकेट गंवा दिया, जिन्होंने अरुंधति की गेंद पर दीप्ति शर्मा को कैच थमाया। हसिनी और इमेशा ने पावर प्ले में टीम का स्कोर 1 विकेट पर 48 रनों तक पहुंचाया। इमेशा ने दीप्ति पर लगातार दो चौकों के अलावा अरुंधति और स्नेह की गेंद को भी बाउंड्री भेजा। इमेशा और हसिनी ने पावर प्ले के बाद स्ट्राइक रोटेट करने को तरजीह दी। दोनों ने खराब गेंदों को सबक सिखाने में भी कोताही नहीं बरती। इमेशा ने वैष्णवी पर लगातार दो चौकों और फिर 1 रन के साथ 38 गेंद में अपना पहला टी-20 अर्धशतक पूरा किया।

हरमनप्रीत ने इसके बाद गेंद अमनजोत को थमाई जिन्होंने पहली ही गेंद पर इमेशा को शेफाली के हाथों कैच कराके भारत को सफलता दिलाई। श्रीलंका के रनों का शतक 14वें ओवर में पूरा हुआ, लेकिन इसी ओवर में दीप्ति ने निलाक्षिका सिल्वा को पगबाधा किया। वैष्णवी ने अगले ओवर में कविशा दिलहारी को बोल्ड करके श्रीलंका को चौथा झटका दिया। श्रीलंका को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 64 रन की दरकार थी। हसिनी ने अमनजोत की गेंद पर एक रन के साथ अपने 89वें मैच में पहला अर्धशतक पूरा किया। हसिनी ने श्री चरणी की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा, लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गईं। श्रीलंका ने विकेटकीपर बल्लेबाज कौशिनी नुथ्यानग्ना और हर्षिता समरविक्रम के विकेट लगातार गेंद पर गंवाए। टीम को अंतिम दो ओवर में 34 रन की जरूरत थी जो उसके लिए पहाड़ जैसा लक्ष्य साबित हुआ। इससे पहले चामरी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया, जिसके बाद भारत ने फॉर्म में चल रही शेफाली वर्मा का विकेट दूसरे ओवर में गंवा दिया, जिनका लॉन्ग ऑन पर इमेशा ने कैच लपका। पदार्पण कर रही सलामी बल्लेबाज जी कमालिनी और हरलीन देओल ने माल्की मदारा और निमाशा मीपागे पर चौके जड़े। कविशा ने कमालिनी को पगबाधा करके भारत को दूसरा झटका दिया। भारत ने पावर प्ले में दो विकेट पर 40 रन बनाए। रश्मिका ने हरलीन को बोल्ड किया।

हरमनप्रीत ने इनोका रणवीरा पर तीन चौकों के साथ आठवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया, लेकिन ऋचा घोष चामरी की गेंद पर विकेटकीपर कौशिनी नुथ्यानग्ना को कैच दे बैठीं। चामरी ने दीप्ति शर्मा को निमाशा के हाथों कैच कराकर भारत को पांचवां झटका दिया। हरमनप्रीत ने चामरी के ओवर में अर्धशतक पूरा किया और टीम का स्कोर 100 रन पार पहुंचाया। हरमनप्रीत ने इनोका की गेंदों पर भी छक्का और चौका मारा। अमनजोत ने रश्मिका पर छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर कविशा को कैच दे बैठीं। कविशा ने अगले ओवर में हरमनप्रीत को बोल्ड करके भारत को बड़ा झटका दिया। अरुंधति ने अंतिम ओवर में मदारा की लगातार गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के के साथ टीम का स्कोर 170 रन के पार पहुंचाया।

भारत

175/7 (20 ओवर)

शेफाली का दुलानी बो निमाशा	05
जी कमालिनी पगबाधा को कविशा	12
हरलीन देओल बो रश्मिका	13
हरमनप्रीत कौर बो दिलहारी	68
ऋचा घोष का कौशिनी बो चामरी	05
दीप्ति शर्मा का निमाशा बो चामरी	07
अमनजोत का दिलहारी बो रश्मिका	21
अरुंधति रेड्डी नाबाद	27
स्नेह राणा नाबाद	08

गेंदबाजी : मदारा 4-0-37-0, निमाशा 3-0-25-1, कविशा 2-0-11-2, इनोका 4-0-39-0, रश्मिका 4-0-42-2, चामरी 3-0-21-2

श्रीलंका

160/7 (20 ओवर)

हसिनी परेरा बो चरणी	65
अटापट्टू का दीप्ति बो अरुंधति	02
इमेशा का शेफाली बो अमनजोत	50
निलाक्षिका पगबाधा बो दीप्ति	03
कविशा दिलहारी बो वैष्णवी	05
समरविक्रम का हरलीन बो स्नेह	08
कौशिनी नुथ्यानग्ना रन आउट	01
रश्मिका सेवांडी नाबाद	14
माल्की मदारा नाबाद	05

गेंदबाजी : दीप्ति 4-0-28-1, अरुंधति 2-0-16-1, स्नेह 4-0-31-1, वैष्णवी 4-0-33-1, चरणी 4-0-31-1, अमनजोत 2-0-17-1

आईसीसी महिला टी-20 रैंकिंग

शेफाली-रेणुका ऊपर दीप्ति नंबर 1 पर कायम

दुबई, एजेंसी

भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा आईसीसी महिला टी-20 खिलाड़ियों की रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। 21 वर्ष की शेफाली ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 शृंखला के दूसरे मैच में 34 गेंद में नाबाद 69, तीसरे मैच में 42 गेंद में 79 और चौथे में 46 गेंद में 79 रन बनाए।

चौथे टी-20 में 80 रन बनाने वाली उपकप्तान स्मृति मंधाना तीसरे स्थान पर है जबकि जेमिमा रौड्रिग्स एक पायदान खिसककर 10वें स्थान पर हैं। अनुभवी हरफनमौला दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर हैं जबकि रेणुका सिंह ठाकुर शीर्ष दस में पहुंची हैं। तीसरे मैच में चार विकेट लेने वाली रेणुका आठ पायदान चढ़कर संयुक्त छठे स्थान पर हैं। भारत की बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी 17 पायदान चढकर 52चें और वैष्णवी शर्मा 390 पायदान चढ़कर 124वें स्थान पर है। श्रीलंका के लिए खब्बू सलामी बल्लेबाज हसिनी परेरा 114 पायदान चढ़कर 71वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

क्रिकेट में आपको ज़ीरो से शुरू करना होता है : स्मृति मंधाना

त्रिवेंद्रम। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि क्रिकेट में हर पारी शुरू से शुरू होती है और पिछला प्रदर्शन भविष्य में सफलता की गारंटी नहीं देता, उन्होंने सभी फ़ॉर्मेट में संतुलित सोच की जरूरत पर जोर दिया। बीसीसीआई के शेयर किए वीडियो में मंधाना ने कहा कि क्रिकेट में आपको जीरो से शुरू करना होता है। स्कोरबोर्ड हमेशा जीरो पर होता है। यह कभी नहीं होता जो आपने पिछले मैच या पिछली सीरीज में किया हो। अलग-अलग फ़ॉर्मेट में उम्मीदें अलग होती हैं, टी-20 में वनडे और टेस्ट की तुलना में अलग मानसिक नजरिए की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टी20 थोड़ा इस तरह का है जहां आप आउट होने के बाद खुद पर बहुत ज्यादा सख़्त नहीं हो सकते क्योंकि आप ऐसी रफ़्तार से खेल रहे होते हैं जहां कुछ दिन ऐसे होते हैं जब यह कामयाब होगा और कुछ दिन ऐसे होते हैं जब यह नहीं होगा। मैं वनडे क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट को लेकर खुद पर बहुत सख़्त हूं, क्योंकि आपके पास बहुत समय होता है। अगर आप वहां आउट होते हैं, तो यह मेरे लिए पाप जैसा लगता है। जहां कुछ खास दिनों में काबिलियत से मैच जिताए जा सकते हैं, वहीं खिलाड़ियों को बिना सोचे नाकामियों को स्वीकार करना चाहिए।

विश्व ब्लिट्ज शतरंज : अर्जुन से हार के बाद कार्लसन ने आपा खोया

दोहा, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने मजबूत एंडगेम और त्वरित गणना के कौशल का नमूना पेश करते हुए विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर विश्व ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप के पहले दिन संयुक्त बढ़त ली। एरिगैसी ने अन्य शीर्ष ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को भी मात देकर तीन अन्य गेम ड्रॉ किए। एरिगैसी ने पहले दिन 10 अंक हासिल किए और मैक्सिम वाचियर लाग्रेव और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

एरिगैसी ने कार्लसन को नौवें दौर में तनावपूर्ण एंडगेम में हराया। एरिगैसी के पास नौ सेकंड जबकि कार्लसन के पास तीन सेकंड थे। नॉर्वे का खिलाड़ी जैसे ही रानी को चलने वाला था, मोहरा उनके हाथ से फिसलकर मेज से बाहर जा गिरा। संयोग से तब अलेक्जेंडर ग्रिशुक वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने रास्ते से हटने की कोशिश की। जब तक कार्लसन ने अपनी रानी उठाई और उसे बोर्ड पर रखा, तब तक उनका समय समाप्त हो चुका था। विश्व ब्लिट्ज 2024 के सह-चैंपियन कार्लसन और इयान नेपोम्नियाची के संभावित 13 में से नौ अंक हैं। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए मंगलवार को छह और राउंड खेले जाएंगे, जिसके बाद फाइनल होगा।

कार्लसन ने गुस्से में मेज पर मारा मुक्का

कार्लसन अपना गुस्सा नहीं छिपा सके और उन्होंने मेज पर मुक्का मारकर उसे बुरी तरह हिला दिया। कार्लसन ने इसी साल नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता में डी गुकेश से हारने के बाद मेज पर इसी तरह हाथ पटका था। शीर्ष पर काबिज खिलाड़ियों से ठीक पीछे छह खिलाड़ी हैं जिनके समान 9 .5 अंक हैं।

महिला वर्ग में हंपी नहीं दोहरा सकीं प्रदर्शन

महिला वर्ग में दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हंपी रविवार को रैपिड वर्ग में कांस्य पदक जीतने के दौरान दिखाए प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं और 10 राउंड के बाद संयुक्त रूप से 61वें स्थान पर खिसक गईं। उनका दिन पांच अंकों के साथ समाप्त हुआ, जहां उनके साथ चीन की ग्रैंडमास्टर टैन झोंगयी भी हैं। महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख छह अंकों के साथ संयुक्त रूप से 30वें स्थान पर हैं जबकि ग्रैंडमास्टर डी हरिका और आर वैशाली के समान 5 .5 अंक हैं। महिला वर्ग में पांच और राउंड होंगे, जिनमें से शीर्ष चार खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचेंगे और उसके बाद फाइनल होगा।

खेलों में नारी शक्ति ने दिखाया जलवा

भारतीय खेल प्रतिस्पर्धाएं

डोपिंग और प्रशासनिक समस्याएं बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

चाहे वह क्रिकेट के मैदान की गहमागहमी हो या मुक्केबाजी का क्रूर रिंग या फिर शतरंज के बोर्ड पर दिमागी खेल हो या निशानेबाजी और तीरंदाजी में सटीक लक्ष्य लगाना, 2025 में महिला खिलाड़ियों ने हर खेल में अपनी खास छाप छोड़ी।

शतरंज में 19 वर्षीय खिलाड़ी दिव्या देशमुख भारत की पहली महिला विश्व कप विजेता बनीं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली क्रिकेट टीम ने मुश्किल दौर से उबरकर महिला वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचा। निशानेबाजी में 19 वर्षीय सुरुचि सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल में तीन व्यक्तिगत पदकों सहित चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतकर उस स्पर्धा में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें अब तक दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर का दबदबा रहा था। तीरंदाजी में 18 वर्षीय शीतल देवी न केवल बिना हाथ वाली पहली पैरा विश्व चैंपियन बनीं, बल्कि उन्होंने सक्षम शरीर वाले खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय टीम में भी जगह बनाई।

भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम भी श्रीलंका से विश्व चैंपियन बनकर लौटी। दीपिका टीसी के नेतृत्व में इन महिलाओं ने तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सफलता हासिल की। मुक्केबाजी में पुरुष खिलाड़ियों को साल भर संघर्ष करना पड़ा लेकिन महिला खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। जैस्मीन लैंबोरिया और मीनाक्षी हुडा ने विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर मनोबल बढ़ाया। फुटबॉल के मैदान पर जहां पुरुष टीम झटके झेलती रही, वहीं महिला टीम ने अगले साल के एएफसी एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करके आशा की किरण जगाई।

मीराबाई चानू ने दी चुनौतियों को मात

भारोत्तोलन में मीराबाई चानू की श्रेष्ठता को इस साल भी कोई चुनौती नहीं दे सका। तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली मणिपुर की यह खिलाड़ी भले ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन इसके बावजूद वह इस खेल में भारत की अग्रणी खिलाड़ी बनी हुई हैं। पीठ की लगातार समस्या से जूझने के बावजूद मीराबाई ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक भी जीता। उनका पसंदीदा 49 किलोग्राम वर्ग अब ओलंपिक सूची का हिस्सा नहीं है। ऐसे में यह देखना बाकी है कि वह 2028 में लॉस एंजिल्स खेलों के लिए किस तरह से तैयारी करती हैं।

अंतिम पंघाल ने भी दिखाया दम

कुश्ती में महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने यह सुनिश्चित किया कि ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सेहरावत का निराशाजनक प्रदर्शन ही इस वर्ष चर्चा का एकमात्र विषय न हो। अंतिम ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता जो इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल कुश्ती डोपिंग विवादों और कुछ पहलवानों के अधिक वजन वर्ग के कारण प्रतियोगिताओं से बाहर होने के लिए अधिक चर्चा में रही थी।

पुरुष क्रिकेट और हॉकी टीम में मची रही गहमागहमी

भारतीय महिला टीम ने जहां वनडे विश्व कप जीता वहीं पुरुष टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप अपने नाम किया। भारतीय पुरुष टीम हालांकि टेस्ट क्रिकेट में जूझती नजर आई। ऐसा ही कुछ भाला फेंक के धुरंधर नीरज चोपड़ा के साथ भी देखने को मिला। उन्होंने लंबे इंतजार के बाद दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर के जादुई आंकड़े को पार किया, लेकिन विश्व चैंपियनशिप में वह अप्रत्याशित रूप से आठवें स्थान पर रहे। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट में परेशानी की शुरुआत इस साल दो दिग्गज खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के साथ हुई। भले ही देश को शुभमन गिल के रूप में एक नया कप्तान मिल गया हो, फिर भी ये दोनों खिलाड़ी प्रशंसकों के लिए सबसे बड़े आकर्षण बने रहे। ऐसा तब हो रहा है जबकि रोहित और कोहली दोनों अब केवल वनडे प्रारूप में खेलते हैं। आलोचनाओं से घिरे मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने इन दोनों खिलाड़ियों के 2027 विश्व कप में खेलने की संभावनाओं पर सीधे जवाब देने से परहेज किया। पुरुष हॉकी टीम के लिए भी यह साल काफी अच्छा रहा। सीनियर टीम ने एशिया कप जीतकर 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया और जूनियर टीम ने घरेलू धरती पर खेले गए विश्व कप में कांस्य पदक जीता। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई लेकिन इस साल भी खेल प्रशासन प्रमुख चिंता का विषय बना रहा, जैसा कि एआईएफएफ के वाणिज्यिक साझेदार खोजने के संघर्ष से स्पष्ट होता है।

सलाह

अभिनव बिंद्रा की अध्यक्षता वाले कार्यबल ने 170 पन्नों की रिपोर्ट खेल मंत्री को सौंपी

कार्यबल ने बताईं कमियां, मांडविया बोले- करेंगे सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अभिनव बिंद्रा की अध्यक्षता में खेल मंत्रालय द्वारा गठित कार्यबल ने भारत में खेल प्रशासन की कमियों को रेखांकित करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों समेत खेलों के विशेष पेशेवर कैडर को ट्रेनिंग देने के लिए एक स्वायत्त वैधानिक ईकाई के गठन की सिफारिश की है। कार्यबल ने 170 पन्नों की रिपोर्ट खेलमंत्री मनसुख मांडविया को सौंप दी है जिन्होंने मंगलवार को कहा कि भारत के खेल इकोसिस्टम को पेशेवर बनाने के प्रयास के तहत कार्यबल की सभी सिफारिशों को लागू किया जाएगा।

ओलंपिक 2036 तक भारत को शीर्ष दस खेल देशों में शामिल करने के लक्ष्य के तहत खेल मंत्रालय ने भारतीय खेल प्राधिकरण, राष्ट्रीय खेल महासंघों और प्रदेश संघों के मौजूदा प्रशासनिक ढांचे की समीक्षा करने, कमियों को तलाशने और सुधार के उपायों के लिए कार्यबल का गठन किया था। कार्यबल ने खेल शिक्षा और सामर्थ्य निर्माण राष्ट्रीय परिषद (एनसीएसईसीबी) के गठन की अनुशंसा की है जो खेल मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त ईकाई के रूप में काम करेगी और इसके जिम्मे खेल प्रशासन ट्रेनिंग को विनियमित करने, मान्यता देने और प्रमाणित करने की जिम्मेदारी होगी। नौ सदस्यीय कार्यबल इस साल अगस्त में बनाया गया था, जिसमे ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज बिंद्रा के अलावा आदिले सुमरिवाला और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के पूर्व सीईओ कमांडर राजेश राजगोपालन भी थे।

कार्यबल ने रिपोर्ट में कहा है कि खेल प्रशासकों में पेशेवर कैडर का अभाव है और संस्थागत निरंतरता भी कमजोर है। ट्रेनिंग के मौके व्यवस्थित और आधुनिक नहीं है, जिसमे निरंतर पेशेवर विकास पर फोकस सीमित है। इसमें कहा गया कि खिलाड़ियों के रिटायर होने के बाद खेल प्रशासन में आने के रास्ते सीमित हैं चूंकि अधिकांश खिलाड़ियों में इसके लिए जरूरी कौशल का अभाव है।

एनआईएस पटियाला को अकादमी बनाने का सुझाव खारिज

नई दिल्ली। पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान को खेल प्रशासकों की ट्रेनिंग के लिए अकादमी बनाने के प्रस्ताव को कार्यबल ने खारिज कर दिया है और इसे प्रतिबंधात्मक और अस्थिर बताया। कार्यबल से समीक्षा के लिए कहा गया था कि पटियाला स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस खेल संस्थान को क्या खेल प्रशासकों के सामर्थ्य निर्माण के लिए अकादमी बनाया जा सकता है । एनआईएस पटियाला में मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और एथलेटिक्स में ट्रेनिंग दी जाती है। इसके अलावा देश में कोचिंग डिप्लोमा देने वाला भी यह प्रमुख संस्थान है। कार्यबल ने कहा कि एक राष्ट्रीय अकादमी का सुझाव अच्छा है।